श्रमा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 315 | गुवाहाटी | बुधवार, 14 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

बोडोलैंड की वन भूमि से अवैध कब्जे को खाली कराने के लिए हो रहीं ... पेज 3
नौकरियों के लिए रेट कार्ड के दिन गए, वर्तमान सरकार का ध्यान युवाओं के... पेज 4
पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने दी 58 फीसद ज्यादा नौकरियां : स्मृति ईरानी पेज 5
केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, पीएम मोदी ने दी बधाई पेज 8

गुप्त हत्या मामले में महंत को क्लीन चिट

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत को दो दशक से भी अधिक समय पहले गैर-न्यायिक हत्याओं की एक श्रृंखला को अंजाम देने के आरोपों से मुक्त करने के अपने सितंबर 2018 के आदेश को बरकरार रखा। 1998 और 2001 के बीच आत्मसमर्पित अल्फा कैडरों की मिलीभगत से कम से कम 400 लोग - परिवार के सदस्य, रिश्तेदार और प्रतिबंधित यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के समर्थक - कथित तौर पर पुलिस द्वारा मारे गए थे। अल्फा, गुप्तोहैत्या (गुप्त हत्याएं) के रूप में जाना जाने लगा। अदालत के फैसले ने न्यायपालिका में मेरे विश्वास की फिर से पुष्टि की है। मैं अदालत को सच्चाई का समर्थन करने और यह बनाए रखने के लिए धन्यवाद देता हूं कि मेरे खिलाफ लगाए गए आरोप कुछ राजनेताओं और राजनीतिक दलों द्वारा मेरी छवि खराब करने की साजिश का हिस्सा थे। असम के राज्यसभा सांसद अजीत कुमार भुइयां और अनंत कलिता, जो 18 सितंबर, 1999 को एक कथित रूप से अल्फा समर्थक युवा संगठन के साथ संबंध के कारण सिर में गोली लगने से बच गए थे, ने लिमिटेशन एक्ट की धारा 5 के तहत एक तत्काल वादकालीन आवेदन दायर किया था। 3 सितंबर, 2018 को गौहाटी उच्च न्यायालय के फैसले ने महंत को क्लीन चिट दे दी। अदालत के 12 जून के आदेश में कहा गया -शेष पृष्ठ दो पर

चक्रवात बिपरजॉय का दिखने लगा असर : 21,000 लोगों को आश्रयस्थल भेजा गया, 69 ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। शक्तिशाली चक्रवात बिपरजॉय ने चिंता की लकीरें बढ़ा दी हैं। तटीय क्षेत्रों से 21,000 लोगों को अस्थायी आश्रय स्थलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इसका असर भी दिखने लगा है। द्वारका के गोमती घाट पर चक्रवात *बिपरजॉय* का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ज्वार की लहरें समुद्र में ऊंची उठ रही हैं। ड्रोन वीडियो कच्छ के कांडला पोर्ट से है जहां चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर तैयारियां की गई हैं। बिपरजॉय के गुजरात तट की ओर बढ़ने के मद्देनजर पुलिस ने भुज तट पर गश्त की। इसके साथ ही राहत और बचाव के लिए बड़ी टीम को तैनात किया गया है। चक्रवात बिपरजॉय की तैयारियों की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमारा उद्देश्य जीरो कैजुअल्टी सुनिश्चित करना और संभावित नुकसान को कम करना है। उन्होंने कहा कि 12 जून को उनकी अध्यक्षता में समीक्षा बैठक के दौरान पीएम मोदी द्वारा दिए गए महत्वपूर्ण निर्देशों पर तेजी से कार्य करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने इस प्राकृतिक -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ऋण, शत्रु और रोग को समाप्त कर देना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने 389 उम्मीदवारों को सौंपे नियुक्ति पत्र

गुवाहाटी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोजगार मेले में वर्चुअली 70 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के कार्यक्रम के तहत गुवाहाटी में 389 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। मंगलवार को गुवाहाटी में आयोजित रोजगार मेला में केंद्रीय बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने हिस्सा लिया। सोनोवाल ने 389 सफल उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इन सफल प्रतिभागियों की नियुक्ति भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), मिजोरम ग्रामीण बैंक, सीजीएसटी और सीमा शुल्क (आरईवी सीबीआईसी), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), डाक विभाग, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, नाबार्ड, सिडबी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी), यूको बैंक, रेलवे, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, ऑयल इंडिया, नेपा, डीआरडीओ, सीएसडी (रक्षा) और सांख्यिकी मंत्रालय में होगी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के उत्साहजनक वर्चुअली संबोधन के बाद केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। पिछले नौ वर्षों में युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के हर वर्ग -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत आज मणिपुर जाएंगे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री और नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस (नेडा) के संयोजक हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को मणिपुर के चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिलों का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान वे कुकी समुदाय के नेताओं मिलेंगे और राहत कैंपों भी दौरा कर सकते हैं। जानकारी के मुताबिक नेडा संयोजक हिमंत विश्व शर्मा के बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर मणिपुर जाने की संभावना है। यह एक दिवसीय दौरा होगा, जिस दौरान वे हिंसाग्रस्त मणिपुर के चुराचांदपुर और कांगपोकपी जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान उनका कुकी समुदाय के नेताओं से मिलने का कार्यक्रम है। हिमंत का यह पिछले एक सप्ताह में हिंसाग्रस्त मणिपुर का दूसरा दौरा होगा। दस जून को मणिपुर की अपनी यात्रा के दौरान शर्मा ने मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह, राज्य के कैबिनेट मंत्रियों और संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी। उसके अलगे ही दिन शर्मा ने संचालन के निलंबन (एसओओ) के तहत कुकी संगठनों के नेताओं से मुलाकात की थी। सूत्रों के अनुसार, बैठक फलदायी रही, जिसमें कुकी नेताओं ने एनईडीए संयोजक के हस्तक्षेप के बाद मणिपुर में शांति बहाली की उम्मीद जताई।

31 करोड़ रुपए की हेरोइन बरामद पांच गिरफ्तार

एजल (हि.स.)। मिजोरम में छह किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई है। इसकी कीमत 31 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस संबंध में पड़ोसी देश म्यांमार का एक और असम के कछार जिला निवासी चार कुल पांच ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि पुख्ता सूचना के आधार एक्साइज एवं नार्कोटिक्स विभाग ने राजधानी एजल के अलग-अलग इलाके में अभियान चलाकर यह हेरोइन जब्त की। एजल के बाउंगकान -शेष पृष्ठ दो पर

उग्रवादियों और स्वयंसेवकों में मुठभेड़ : नौ घायल

इंफाल। संघर्षग्रस्त मणिपुर में इंफाल पूर्वी जिले के खमेनलोक इलाके में सोमवार देर रात तक उग्रवादियों और ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच मुठभेड़ जारी रही, जिसमें नौ और लोग घायल हो गए। इस बात की जानकारी पुलिस की ओर से दी गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि शुरुआत में तीन लोगों के हताहत होने की सूचना मिली थी। उन्होंने कहा कि गांव के स्वयंसेवकों ने उग्रवादियों द्वारा बनाए गए कुछ अस्थायी बंकरों और वाच टावर को भी जला दिया। यह क्षेत्र मैतेई-बहुल इंफाल पूर्वी जिले और -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

चंद्रयान-3 का लांच जुलाई के दूसरे सप्ताह में

तिरुवनंतपुरम। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि इसरो के चंद्रमा मिशन के तीसरे संस्करण *चंद्रयान-3* को 12 जुलाई से 19 जुलाई के बीच लॉन्च किया जाएगा। इसरो प्रमुख सोमवार को कोथावारा सेंट जेवियर्स कॉलेज में आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला और अंतरिक्ष प्रदर्शनी का उद्घाटन करने पहुंचे थे। इस दौरान, उन्होंने कहा कि चंद्रयान पहले ही यूआर राव सैटेलाइट सेंटर से श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड पर पहुंच चुका -शेष पृष्ठ दो पर

आठ हजार करोड़ की आपदा प्रबंधन योजनाओं का एलान

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आपदा प्रबंधन के लिए 8,000 करोड़ रुपए से अधिक की तीन प्रमुख योजनाओं की घोषणा की। शाह ने विज्ञान भवन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन विभागों के साथ बैठक की अध्यक्षता की। गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण घोषणा की है, जिसके लिए आठ हजार करोड़ का बजट तय किया गया है। शाह ने स्कीमों -शेष पृष्ठ दो पर

जोनाली की हत्या कहा-सुनी के बाद की : हसनूर

गुवाहाटी। राज्य में कुछ दिनों पहले सोमवार के दिन भाजपा नेत्री की डेड बॉडी नेशनल हाइवे पे मिली थी। इस मामले में पुलिस ने हसनूर नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मृतिका भाजपा लीडर जोनाली हसनूर के साथ अवैध रिश्ते में थी। दोनों के बीच कहा सुनी हुई और हसूनर ने जोनली की हत्या कर दी। इस बात की जानकारी पुलिस ने दी है। जोनाली असम के ग्वालपाड़ा की रहने वाली थीं। वह शनिवार सुबह घर से कुछ काम के लिए निकलीं जब वह शाम तक घर नहीं लौटीं तो परिवार वालों ने उन्हें ढूंढने की कोशिश की। लेकिन जब वह लोग पता नहीं लगा पाए तो आखिर में पुलिस के पास जाने का फैसला किया। जहां उन्हें पता लगा कि जोनाली की लाश हाइवे से बरामद हुई है। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में हसनूर नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया। ग्वालपाड़ा जिला पुलिस और सीआईडी ने मिलकर ग्वालपाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ग्वालपाड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर शांति समिति से कुकी नाखुश, मैतेई खुश

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर के विभिन्न जातीय समूहों के बीच शांति प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए केंद्र द्वारा गठित समिति में शामिल कुकी समुदाय के सदस्यों ने नाखुशी जाहिर की है। उनका दावा है कि समिति में उनका नाम शामिल करने से पहले उनसे सलाह नहीं ली गई। राज्यपाल अनुसुईया उइके की अध्यक्षता वाली 51-सदस्यीय समिति में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को शामिल किए जाने पर कई कुकी संगठनों ने भी आपत्ति जताई। हालांकि, मैतेई समुदाय के सदस्यों ने शांति समिति के गठन का स्वागत किया। कुकी इंपी मणिपुर (किम) नाम की शीर्ष संस्था ने एक बयान में कहा कि उसके अध्यक्ष को बिना पूर्व उचित परामर्श और सूचना के सदस्यों की सूची में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि उन लोगों के साथ शांति कायम करने का कोई औचित्य नहीं है, जिन्होंने उसके लोगों के खिलाफ हिंसा की है...शांति केंद्रीय गृह मंत्रालय और प्रभावित समुदायों के ठोस प्रयासों का परिणाम होना चाहिए। यह सामान्य स्थिति लागू करने की शर्त नहीं हो सकती। नागरिक समाज संगठन इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) ने भी समिति में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को शामिल किए जाने की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस तरह की शांति समिति का गठन केंद्र सरकार द्वारा -शेष पृष्ठ दो पर

देश के लिए नासूर बन गया है बांग्लादेशी घुसपैठ

नई दिल्ली। भारत-बांगलादेश सीमा से पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम में घुसपैठ की समस्या है और इन राज्यों में बांग्लदेशी घुसपैठ की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ को लेकर विभाजन के समय से ही राजनीति होती रही है, तो असम में भी बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर बवाल मच चुका है। इसी तरह से त्रिपुरा के चुनाव में भी बांग्लादेशी घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा रहा है। यह मुद्दा कुल मिलाकर राष्ट्रीय मुद्दा बन गया है और इसे लेकर राष्ट्रीय स्तर और विभिन्न राज्यों में जमकर राजनीति होती रही है। घुसपैठ की समस्या को लेकर केंद्र सरकार एनआरसी लाई, लेकिन विपक्षी पार्टियों में एनआरसी का काफी विरोध हुआ और एनआरसी और सीएए को लेकर ममता बनर्जी की सरकार से लेकर त्रिपुरा में पूर्व माकपा की सरकार ने केंद्र सरकार की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। विपक्षी पार्टियों ने इसे लेकर भाजपा की केंद्र सरकार पर एक समुदाय के प्रति प्रतिशोधात्मक कार्रवाई का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल का बांग्लादेश से सीमाई इलाका सबसे अधिक है और इसमें भी सबसे ज्यादा सीमा समुद्री इलाकों से गुजरती हैं। इस कारण इन समुद्री इलाकों में निगरानी अपेक्षाकृत हम होती है और इन इलाकों से बंगाल में सबसे ज्यादा घुसपैठ होते हैं और बंगाल की राजनीति में घुसपैठ का मुद्दा छाया रहता है। चाहे वह -शेष पृष्ठ दो पर

पंचायत चुनावों में सेंट्रल फोर्स की तैनाती का हाईकोर्ट का आदेश

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आठ जुलाई को होने वाले पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का मंगलवार को आदेश दिया। अदालत ने नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने का फैसला राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के विवेक पर छोड़ दिया। मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवज्ञानम की अध्यक्षता वाली एक खंडपीठ ने एसईसी को पंचायत चुनावों के लिए पश्चिम बंगाल के पुलिस बल के साथ मिलकर काम करने के वास्ते केंद्रीय बलों की मांग करने को कहा। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की समय सीमा बढ़ाने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता, जिसकी अंतिम तिथि 15 जून है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

चीन सीमा के करीब जल्द शुरू होगा सुवनसिरी हाइड्रो प्रोजेक्ट

नई दिल्ली/गुवाहाटी। भारत चीन की सीमा के करीब एक बड़ा हाइड्रोपॉवर प्रोजेक्ट शुरू करने जा रहा है। इस हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर पिछले 20 सालों से काम चल रहा था। भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे बदलाव में इस प्रोजेक्ट को काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, भारत सरकार के अधीन आने वाला एनएचपीसी लिमिटेड जुलाई में सुवनसिरी लोअर हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए ट्रायल की शुरुआत करेगा। ये प्रोजेक्ट असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच है। फाइनेंस डायरेक्टर राजेंद्र प्रसाद गोयल ने बताया कि पहले यूनिट का कमीशन दिसंबर में हो जाएगा। उन्होंने बताया कि 2024 के आखिर तक सभी आठ यूनिट्स का कमीशन कर दिया जाएगा। हाइड्रोपावर को ग्रिड के साथ ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी अहम माना जाता है। ऊर्जा की मांग में होने वाली गड़बड़ियों से निपटने के लिए हाइड्रोपावर बहुत जरूरी हो जाता है। सौर और पवन ऊर्जा के साथ हाइड्रोपावर साफ ऊर्जा का बेहतरीन स्रोत है। दरअसल, 2 गीगावाट वाले सुवनसिरी लोअर हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की शुरुआत 2003 में हुई

थी। लेकिन प्रदर्शन और फिर पर्यावरण को होने वाले नुकसान को लेकर दायर किए गए मुकदमे की वजह से प्रोजेक्ट में देरी होने लगी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने आठ सालों तक प्रोजेक्ट पर रोक लगाने के बाद 2019 में इसे फिर से शुरू करने की इजाजत दी। इसका नतीजा ये हुआ कि हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की लागत 2.6 बिलियन डॉलर (21 हजार करोड़ रुपए) तक पहुंच गई, जो कि निर्धारित किए गए ऑरिजन खर्चे का तीन गुना है। फाइनेंस डायरेक्टर राजेंद्र प्रसाद गोयल का कहना है कि हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने से पहले हमें अलग-अलग विभागों से 40 के करीब मंजूरियां लेनी पड़ती हैं। सभी तरह की जांच इसी स्टेज पर कर ली जाती है। उन्होंने आगे बताया कि लेकिन फिर कंस्ट्रक्शन के दौरान जब रोक लगने लगती है, तो इससे समस्या खड़ी हो जाती है। भारत चीन और पाकिस्तान के करीब सीमाओं पर बड़े बांध बनाकर स्थानीय लोगों को आजीवका का एक मौका देने के तौर पर देखता है। जहां सुवनसिरी प्रोजेक्ट पूरा होने के करीब पहुंच रहा है।

अवैध रूप से पत्थर ले जा रहे डंपर समेत दो तस्कर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ के रानीगुली स्थित छठी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पीलर संख्या-169/5 से लगभग 07 किमी दूर भारत की ओर फुलवारी के आसपास अवैध रूप से पत्थर ले जा रहे दो डंपरों को जब्त किया है। इस संबंध में दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। एसएसबी के सूत्रों ने आज बताया है कि बीती रात अवैध पत्थरों से भरे दो डंपर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। तस्करों की पहचान बंगाईगांव जिला के जोगिया थानांतर्गत बेलतोली गांव निवासी डेलदार अली (37) और रोकिबुल अहमद (36) के रूप में की गई है।

घिलामारा में ड्रग्स समेत तस्कर गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। भीड़ ने ड्रग्स तस्कर को पकड़कर बाद पुलिस को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि लखीमपुर जिलांतर्गत ढकुआखाना के घिलामारा थाना क्षेत्र के पातृचुक में प्रदीप सुतिया नामक एक युवक को ड्रग्स बेचते हुए स्थानीय लोगों ने धर दबोचा। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि ड्रग्स समेत पकड़ा गया युवक मूल से सोनारी चापरी थाना अंतर्गत सरू पतिया गांव का निवासी है। फुस्करामुख के लोगों ने ड्रग्स तस्कर को पकड़ने के बाद उसे घिलामारा पुलिस को सौंप दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीती देर रात फुस्करामुख में युवक बाइक दुर्घटना की चपेट में आ गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ा था। जब युवक की तलाशी ली गई तो पता चला कि वह ड्रग्स तस्कर है। उसके पास से प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर में भरे हुए मादक पदार्थ बरामद किए गए। जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। उल्लेखनीय है कि बाइक पर कुल तीन युवक सवार थे, हादसे के बाद दो युवक मौके से फरार होने में सफल हो गए। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर हादसे के शिकार युवक को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

फर्जी सेना पहचान-पत्र के साथ दो गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गजराज इंटेलिजेंस कॉर्प्स (रंगिया) से प्राप्त सूचना के आधार पर सोमवार को रंगिया पुलिस ने एक बोलेनो वाहन जिसकी पंजीकरण संख्या एस 01 बी 4744 को रोका गया और मोतिउर उम्र 41 साल, पुत्र- रहमान अली थाना- सिपाझार, जिला मंगलदई और अब्दुस समद, उम्र 32 साल, पुत्र-बाबुल अली, ग्राम-सिंघीमारी, थाना-सिपाझार, नाम के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किए गए। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से मोतिउर रहमान के नाम से एक फर्जी सेना पहचान पत्र बरामद किया गया। वहीं सेना जवानों का आरोप है कि वह भारतीय सेना में नौकरी देने के बहाने उम्मीदवारों से पैसे ऐंठता था।

दो सौ साल पुरानी मूर्ति को शरारती तत्वों ने किया क्षतिग्रस्त

करीमगंज (हिंस)। जिले के बदरपुर के चरगोला में बीती रात शीतला मंदिर की दो सौ साल पुरानी मूर्ति तोड़े जाने की सूचना पर मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों में रोष फैल गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बदरपुर पुलिस को दी। दरअसल, मंगलवार को स्थानीय लोगों ने देखा कि मंदिर के दरवाजे तोड़ने के साथ मंदिर की मूर्ति को भी क्षतिग्रस्त हैं। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। इस बीच बदरपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय

लोगों का कहना है कि उपद्रवी 200 साल पुराने मंदिर को नष्ट करने और सांप्रदायिक रूप से उकसाने की कोशिश कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि उपद्रवी हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने की कोशिश कर रहे हैं। घटना के संबंध में बदरपुर पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने स्थानीय लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है। प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस घटना को लेकर लोगों के बीच भारी नाराजगी देखी जा रही है।

पृष्ठ एक का शेष

गुप्त हत्या मामले ...

है कि आवेदक न केवल अपील दायर करने में हुई 531 दिनों की सकल देरी को समझाने में विफल रहे हैं, बल्कि उन्होंने तीन हलफनामों में असंगत और विरोधाभासी दलीलें भी दी हैं। गुप्त हत्याओं का प्रकरण तब हुआ जब असम गण परिषद (अगप), जो अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक छोटी सहयोगी है, सत्ता में थी। महंत मुख्यमंत्री थे और गृह विभाग भी संभाले हुए थे। तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने केएन 2001 के विधानसभा चुनावों में अगप की हार में मुख्य रूप से एक प्रमुख कारक माने जाने वाले गैर-न्यायिक हत्याओं की जांच के लिए सैकिया आयोग। आयोग ने अपनी रिपोर्ट किश्तों में प्रस्तुत की, और कार्रवाई की गई रिपोर्ट 15 अक्तूबर, 2007 को प्रस्तुत की गई।

चक्रवात बिपरजॉय का ...

आपदा (बिपरजॉय) से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं। आपदा प्रबंधन के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। बचाव, राहत और पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित की है। मैं सभी से अपील करता हूं कि समय-समय पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें और घर के अंदर रहें। यदि आवश्यक हो अगर किसी को स्थानांतरित करना है, तो प्रशासन के साथ सहयोग करें। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि बिपरजॉय के मद्देनजर द्वारका जिला प्रशासन ने समंदर के तट पर बसे 38 और आस-पास के 44 गांव के निचले इलाकों पर रहने वाले 4 हजार परिवारों को स्थानांतरित किया है। 138 महिलाओं की 20 तारीख से पहले डिलीवरी होनी है उन्हें उनके परिजन के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार चक्रवात बिपारजॉय से व्यापक क्षति होने की आशंका है और गुजरात के कच्छ, देवभूमि द्वारका और जामनगर जिले इससे सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य तट से 10 किलोमीटर के इलाके में रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि अब तक चक्रवात से संबंधित एक मौत दर्ज की गई है राज्य राहत आयुक्त आलोक कुमार पांडे ने कहा कि हमने उन तटवर्ती इलाकों के निकट रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना पहले ही शुरू कर दिया है, जिनके चक्रवात से सबसे अधिक प्रभावित होने की आशंका है। अभी तक विभिन्न जिला प्रशासनों ने करीब 21,000 लोगो को अस्थायी आश्रय स्थलों पर पहुंचाया गया है। सीपीआरओ पश्चिम रेलवे सुमित ठाकुर ने बताया कि 69 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है, 32 ट्रेनों को शॉर्ट-टर्मिनेट किया गया है जबकि 26 ट्रेनों को यात्रियों की सुरक्षा और चक्रवात बिपरजॉय की शुरुआत के संबंध में ट्रेन संचालन के मद्देनजर एहतियाती उपाय के रूप में शॉर्ट-ऑरजिनेट किया जाएगा। चक्रवात बिपरजॉय पर एनडीआरएफ डीआईजी मोहसिन शाहिदी ने कहा कि जिन इलाकों में ज्यादा क्षति होने की आशंका है वहां से लोगों को हटाया जा रहा है, अब तक 28 हजार लोगों को हटाया जा चुका है। हमने एनडीआरएफ की 17 व एसडीआरएफ की 13 टीमें तैनात की है। इसके अलावा हमने और 15 टीमों को आरक्षित रखा है। कच्छ, पोरबंदर, द्वारका, राजकोट, जुनागढ़ व मोरबी में हमारी टीमें तैनात हैं। सरकार ने कहा है कि प्रभावित जिलों देवभूमि द्वारका, राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, मोरबी और वलसाड में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की 17 और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की 12 टीम पूरी तरह तैयार हैं। अहमदाबाद आईएमडी की निदेशक मनोरमा मोहंती ने कहा कि चक्रवात के 15 जून की शाम को 125-135 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लेकर 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ जखाऊ बंदरगाह के पास कच्छ में मांडवी और पाकिस्तान के कराची के बीच पार करने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र के तटीय हिस्सों, खासकर कच्छ, पोरबंदर और देवभूमि द्वारका जिलों में तेज हवाओं के साथ बेहद भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र 14 जून तक बहुत अशांत रहेगा, 15 जून को इसका स्तर और बढ़ जाएगा। 21,000 लोगों में से कच्छ जिले से करीब 6,500, देवभूमि द्वारका से 5,000, राजकोट से 4,000, मोरबी से 2,000, जामनगर से 1,500 से अधिक, पोरबंदर से 550 और जूनागढ़ जिले से 500 लोगों को निकाला गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को भुज में गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश गणेशभाई के साथ मिलकर चक्रवात बिपारजॉय के मद्देनजर केंद्र और राज्य प्रशासन द्वारा तैयारी के सिलसिले में उठाए गए कदमों की समीक्षा की। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय गुजरात समेत पश्चिमी तट के सभी राज्यों के अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के निरंतर संपर्क में है और उन्हें चक्रवात के सिलसिले में तैयारी हेतु जरूरी सहयोग देने का निर्देश दिया गया है। वैसे अबतक सहयोग का कोई अनुरोध मंत्रालय को नहीं प्राप्त हुआ है।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ...

के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रम बनाए गए हैं। आज हमारे देश के युवा योग्यता के आधार पर नौकरी पाने के लिए इन अवसरों का लाभ उठा सकते हैं, क्योंकि कांग्रेस के छह दशकों के कुशासन की कमी को अब एक कुशल प्रणाली और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के साथ समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मैं सभी से 2047 तक *आत्मनिर्भर भारत* बनाने के मिशन में शामिल होने का आह्वान करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी का एक ही दृष्टिकोण है, जो विकसित होने और आत्मनिर्भर बनने की हमारी खोज में सभी को सबका साथ सबका विकास दर्शन के साथ ले जाने का है। सोनोवाल ने कहा कि आज मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। एक ऐसी वास्तविकता जिस पर हर भारतीय गर्व करता है। मोदी के नेतृत्व में भारत वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ एक आधुनिक, विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। मोदी की सरकार के पिछले नौ वर्ष में युवाओं, महिलाओं, किसानों और समाज के हर वर्ग के सशक्तिकरण के लिए विभिन्न कार्यक्रमों ने हम किसी से कम नहीं की गूंज पैदा की है।

31 करोड़ रुपए ...

इलाके से म्यांमार के ताहान निवासी एनगोलांग से 248 ग्राम हेरोइन जब्त की गई। उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा एजल के जेमाबाक इलाके में आबकारी विभाग ने एक ट्रक से 5.8 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। इस संबंध में असम के कछार जिला निवासी चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान मोहम्मद नजीमुल हुसैन बरभुइयां (34), अब्दुल कलाम लश्कर (23), कुटबुल आलम लश्कर (28) और सुकुर अली मजूमदार (22) के रूप में हुई है।

उग्रवादियों और स्वयंसेवकों ...

आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं के पास स्थित है। चिकित्सा प्रतिष्ठानों के अधिकारियों ने कहा कि घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां एक घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि अन्य खतरे से बाहर हैं। सोमवार को इलाके में गांव के स्वयंसेवकों और उग्रवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। इससे पहले तीन दिन तक इलाके में कोई बड़ी घटना की सूचना नहीं मिली थी। एक अन्य घटना में, बिष्णुपुर जिले के गोविंदपुर गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक उग्रवादी मारा गया और दो अन्य घायल हो गए। हिंसा को और फैलने से रोकने और इलाके में दबदबा कायम करने की कवायद के लिए इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि उग्रवादी गांवों के आसपास बंकर बनाने की कोशिश कर रहे थे, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें उकसाया और दोनों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। एक महीने पहले मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच हुई जातीय हिंसा में लगभग 100 लोगों की जान चली गई थी और 310 अन्य घायल हो गए थे। राज्य में शांति बहाल करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया है। मणिपुर के 16 में से 11 जिलों में कर्फ्यू लागू है, जबकि पूरे पूर्वोत्तर राज्य में इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* के आयोजन के बाद पहली बार 3 मई को झड़पें हुईं। मैतेई मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत है और ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। जनजातीय नागा और कुकी जनसंख्या का 40 प्रतिशत हिस्सा है और पहाड़ी जिलों में निवास करते हैं।

जोनाली की हत्या...

के भाजपा नेत्री जुनाली नाथ की हत्या को लेकर हमने हसनूर रहमान को गिरफ्तार किया और पूछताछ के बाद पता चला कि हसनूर और जुनाली नाथ के बीच कहासुनी हुई और हसनूर के गाड़ी के भीतर जुनाली को मारा डाला। मरने के बाद जोनाली को आरोपी ने नेशनल हाईवे पर फेंक दिया। जोनाली और हसनूर पिछले दो सालों से रिश्ते में थे। इसके बीच में हसनूर ने एक लड़की से शादी कर ली। जिसके बाद जोनाली ने आरोपी के साथ घर पर रहने की जिद की। इसी दौरान दोनों में बहस हुई और हसनूर ने जुनाली की हत्या कर दी। आपको जानकारी के लिए बता दें जोनाली पहले से शादशुदा थीं। हसनूर को पुलिस ने आदालत में पेश किया था और 14 दिनों की रिमांड मांगी थी। लेकिन कोर्ट की ओर से 5 दिन की पुलिस हिरासत के आदेश दिए गए हैं। हसनूर एक वॉर्ड मेंबर था और इसके साथ ही वह कपड़ों का बिजनेस भी करता था।

मणिपुर शांति समिति ...

कुकी-आदिवासी गांवों के लिए सामान्य स्थिति और सुरक्षा की स्थिति सुनिश्चित होने के बाद ही किया जाना चाहिए। एक अन्य संगठन कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (कोकोमी) ने कहा कि जब तक अवैध प्रवासियों और उग्रवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की लोगों की मांग पूरी नहीं हो जाती, तब तक शांति और सामान्य स्थिति दूर की कौड़ी बनी रहेगी। कोकोमी के संयोजक जितेंद्र निंगोंबा ने एक बयान में कहा कि चूंकि भारत सरकार ने इन मांगों की अनदेखी की है, इसलिए कोकोमी शांति समिति से दूर रहेगा। कुकी समुदाय के कई सूत्रों ने दावा किया कि समिति में उसके सदस्यों के बैठकों में शामिल होने की संभावना नहीं है। हालांकि, समिति में शामिल मैतेई के कई सदस्यों ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारी नुकसान और हताहत हुए हैं। भाइयों के बीच लड़ाई को जल्द से जल्द हल किया जाना चाहिए। बार काउंसिल ऑफ मणिपुर के अध्यक्ष सारंगथेन ब्रजबिहारी ने कहा कि कदम दर कदम समाधान खोजा जाना चाहिए और समिति का गठन शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में पहला कदम है। ऑल इंडिया रेडियो के सेवानिवृत्त समाचार संपादक बीबी शर्मा ने कहा कि सदस्यों को समिति के एजेंडे के बारे में सूचित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे सूचित किया गया है कि पहली बैठक 15 जून को दोपहर दो बजे राजभवन में होगी। मैं निश्चित रूप से जाऊंगा। समिति में मेइतेई समुदाय के 25 प्रतिनिधि, कुकी समुदाय के 11 और नगा समुदाय के 20 प्रतिनिधि हैं, जिसके अध्यक्ष के रूप में राज्यपाल अनुसुईया उइके हैं। मुस्लिम समुदाय से तीन और नेपाली समुदाय से दो लोगों को भी समिति में शामिल किया गया है।

देश के लिए नासूर ...

लेफ्ट की सरकार हो या फिर तृणमूल कांग्रेस की सरकार घुसपैठ को राजनीतिक मजबूती का आधार बनाती रही है। ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप है कि पार्टी और सरकार के स्तर पर घुसपैठ और एक विशेष समुदाय के लोगों की तुष्टिकरण की रणनीति करती रही है। भाजपा ने घुसपैठ का कड़ा विरोध किया है। लेफ्ट और ममता बनर्जी की सरकार पर घुसपैठियों को प्रश्रय देने के आरोप लगे हैं, वहीं भाजपा ने घुसपैठ को रोकने के लिए इसे चुनावी मुद्दा भी बनाया है। केंद्र सरकार ने इस बाबत बीएसएफ को अधिकार दिये हैं और सीमा पर सख्ती बढ़ाने का काम किया है। ममता बनर्जी ने बीएसएफ के अधिकार बढ़ाने को लेकर भी खुला विरोध किया था और भाजपा पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ प्रताड़ना का आरोप लगाया था। दरअसल लेफ्ट के सीएम ज्योति बसु और बुद्धदेव भट्टाचार्या पर ममता घुसपैठ को लेकर आक्रामक रही हैं। लेकिन सत्ता में आने के बाद ममता के सुर और नीतियां इस मसले पर बदलती दिखी हैं। भाजपा के एल के आडवाणी समेत कई दिग्गजों ने इस मुद्दे पर जांच की बात कह सरकार को घेरा है। लेकिन भाजपा भी केंद्र में सरकार बनाने के बावजूद कोई ठोस कदम उठाने में सफल नहीं हो पाई है। भाजपा के दिग्गज नेता एल के आडवाणी के समय ही बंगाल में दो करोड़ से ज्यादा अवैध घुसपैठियों को लेकर भाजपा आक्रामक रही है। लेकिन बंगाल की जनता ने भाजपा को साल 2019 के लोकसभा चुनाव में थोड़ी ज्यादा भरोसा जताकर 40 में से 18 लोकसभा सदस्यों को जीताकर संसद में भेजने का काम किया है। उत्तर-पूर्वी राज्यों असम, मेघालय और त्रिपुरा जैसे राज्यों में घुसपैठ को लेकर लगातार बवाल मचता रहा है। असम में बांग्लदेशी घुसपैठियों के कारण संघर्ष की घटना भी घट चुकी है। सीमावर्ती इलाकों में लगातार बांग्लादेशियों की बढ़ती संख्या का स्थानीय लोगों ने विरोध किया था और आरोप लगाया था कि असमिया संस्कृति नष्ट किया जा रहा है। असम में जब एनआरसी लागू हुआ तो 40 लाख लोगों की नागरिकता को लेकर सवाल खड़ा हुआ। आरोप है कि बांग्लादेश से अवैध रूप से असम की जनसंख्यायिकी स्थिति में बदलाव हुआ है। इसके साथ ही घुसपैठियों को वापस भेजने की मांग उठी। इसी तरह से त्रिपुरा भी घुसपैठ की समस्या से नहीं बचा है और उसे लेकर जमकर राजनीति खेली जाती है। त्रिपुरा में कभी भी हिंसा नहीं हुई थी, लेकिन साल 2019 बैदादीगीह में संप्रदायिक हिंसा की घटना घटी थी और इसके पीछे मूल रूप से बांग्लादेशी मुस्लिमों के खिलाफ स्थानीय लोगों का गुस्सा था। बांग्लादेश से सटे इलाकों के साथ-साथ देश के हिंदी प्रदेश वाले बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड जैसे राज्यों में भी कभी न कभी बांग्लादेशियों के घुसपैठ का मुद्दा उठता रहा है। बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर केंद्र सरकार जब भी कोई कदम उठाती है या फिर जब एनआरसी या सीएए लाने की बात हुई थी, तो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों ने इनका खुला विरोध किया था। बिहार के सीमावर्ती इलाकों और मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में भी एनआरसी के खिलाफ लगातार आवाज उठीं। कई बार केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और विपक्षी पार्टियों के नेताओं के बीच इसे लेकर जुबानी जंग भी होती रही है। सीमांचल में मुस्लिम आबादी के ग्रोथ को लेकर भाजपा हमेशा से मुखर रही है लेकिन नीतीश कुमार भाजपा के पक्ष में हों या विपक्ष में इस मुद्दे पर हमेशा ही ठोस कदम उठाने से बचते रहे हैं।

पंचायत चुनावों में ...

पीठ में न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य भी शामिल हैं। पीठ ने कहा कि समय बढ़ाने का फैसला एसईसी को करना है और वह इस मामले में निर्णय लेने के लिए सक्षम है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव का एलान कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजीव सिन्हा बताया कि ग्राम सभाओं के लिए चुनाव एक ही दिन में होंगे और नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 जून होगी। सिन्हा ने बताया कि पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 15 जून है। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जून है। मतों की गिनती 11 जुलाई को होगी। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने को लेकर जारी हिंसा और झड़पों के बीच सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर हार के डर से चुनाव में देरी करने और राज्य की छवि धूमिल करने के लिए साठगांठ करने का आरोप लगाया। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने आरोप लगाया कि उनके उम्मीदवारों को टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न जिलों में नामांकन पत्र जमा करने से रोका गया है। विपक्षी दलों ने कहा कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बिना यहां शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव होना असंभव है। विपक्षी दलों ने राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) पर टीएमसी का पक्ष लेने और उसके मुखौटा संगठन के रूप में काम करने का आरोप लगाया। एसईसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अज्ञात उपद्रवियों ने विपक्षी दल के नेताओं पर तब हमला किया, जब वे पंचायत चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे। एसईसी के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले के दासपुर, दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप, मुर्शिदाबाद जिले के रानीनगर, पूर्वी बर्धमान जिले के शक्तिनगर और बरशूल और उत्तरी 24 परगना जिले के मिनाखान में झड़पों की सूचना मिली है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि तथ्य यह है कि विपक्षी दल भाजपा, माकपा और कांग्रेस, पंचायत चुनावों में हार के डर से और सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करने में असमर्थता की वजह से चुनाव में देरी करने की कोशिश कर रहे हैं। हम उन्हें चुनौती देते हैं कि वे सभी सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित करें। राज्य के वरिष्ठ मंत्री शशि पांजा ने कहा कि विपक्षी दल हार की डर से बेबुनियाद आरोप लगाकर ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। टीएमसी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, विपक्षी दल भाजपा ने कहा कि केंद्रीय बलों के बिना बंगाल में शांतिपूर्ण पंचायत चुनाव असंभव है। भाजपा के प्रवक्ता समिक भट्टचार्य ने कहा कि एसईसी टीएमसी के एक मुखौटा संगठन की तरह काम कर रहा है। केंद्रीय बलों की तैनाती के बिना पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं हैं। टीएमसी इस पंचायत चुनाव को 2018 की तरह ही एक तमाशा में बदलना चाहती है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि पश्चिम बंगाल के लोग अपना वोट तभी डाल सकते हैं जब यहां केंद्रीय बल तैनात हों। उन्होंने कहा कि टीएमसी सिर्फ जनता के जनादेश को लूटना चाहती है, और एसईसी और राज्य पुलिस सिर्फ उसके मुखौटा संगठनों के रूप में काम कर रहे हैं। राज्य में त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली में लगभग 75,000 सीटों के लिए आठ जुलाई को मतदान होंगे तथा शुक्रवार को शुरू हुई नामांकन प्रक्रिया 15 जून तक चलेगी।

आठ हजार करोड़ ...

के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि राज्यों में प्रबंधन के लिए आधुनिक सेवाओ और उसके विस्तार के लिए 5000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। 2500 करोड़ रुपए का इस्तेमाल मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे जैसे शहरों में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय भूस्खलन जोखिम शमन योजना के तहत 825 करोड़ रुपए 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए खर्च किए जाएंगे। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन मंत्रियों की बैठक के बाद शाह ने कहा कि पिछले नौ साल में केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र में काफी कुछ हासिल किया है। अमित शाह ने आगे कहा कि हमने बहुत कुछ हासिल किया है और इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन हम सिर्फ इतने से संतुष्ट नहीं रह सकते क्योंकि, आपदाओं ने अपना रूप बदल लिया है। उनकी तीव्रता बढ़ गई है। हमें व्यापक योजनाएं बनानी होंगी। अब कुछ नए इलाकों में भी आपदाएं आ रही हैं। इन सबके लिए हमें अपने आप को तैयार करना पड़ेगा। शाह ने कहा कि जिन राज्यों में परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, उन्हें आपात स्थितियों में सख्त प्रोटोकॉल दिए गए हैं।

चंद्रयान-3 का ...

है। इसरो प्रमुख ने कहा कि अंतिम चरण की तैयारी चल रही है। इसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। वहीं, इस लॉन्चिंग के लिए रॉकेट, एलवीएम-3 का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए सभी पुर्जे श्रीहरिकोटा पहुंच गए हैं। सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट के पुर्जों को जोड़ने का काम भी इस महीने के अंत तक पूरा हो जाएगा और फिर चंद्रयान-3 को रॉकेट से जोड़ने की प्रक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि यह भी जून के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा और इसके बाद कई परीक्षण होंगे। सोमनाथ ने कहा कि 12 से 19 जुलाई के बीच लॉन्चिंग के लिए अनुकूल समय है और हम इसे केवल तभी प्रक्षेपित कर सकते हैं। हम इसे बाद में भी कर सकते हैं, लेकिन ईंधन का नुकसान होगा।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

कीट भृंग की श्वाति, से, भृंग रूप बन जाय।
छूटा पूर्व स्वभाव सब, उड़त भृंग पाय॥ 33॥

शब्दार्थ : (दर्शन) देखना (व्याप्त) व्यापक (सत्यनाम) सारशब्द (भुवन) जगत।

भाष्य : कीट भृंग की स्वाती पाकर भृंग का स्वरूप बन जाता है और उसके पूर्व कासब स्वभाव छूट जाता है एवं वह भृंग की गति को पाकर भृंग के समान उड़ने लगता है।

सद्गुरु श्वाती भृंग की, कर ले आप समान।
मृतक भाव गुरुपद गहे, नर भय देव महान॥ 34॥

शब्दार्थ : (सद्गुरु स्वाती) सद्गुरु की अमृतज्ञान-धारा (मृतक पाव) पूर्व के सर्व स्वभाव का अभाव (महान देव) सर्वश्रेष्ठ प्रकाशमान पुरुष।

भाष्य : भृंग के समान ही सद्गुरु की स्वाती परमप्रिय आज्ञाकारी शिष्य में आती है और अपने समान अर्थात सद्गुरु के स्वरूप को प्राप्त कर लेती है। सद्गुरु-उत्तराधिकारी मृतकभाव को प्राप्त हो कर सद्गुरुपद को ग्रहण करता है और मनुष्य से महान देवस्वरूप को प्राप्त हो जाता है। सद्गुरु-पदाधिकारी के अपने पूर्व के स्वभाव छूट जाते हैं और सद्गुरु के ज्ञान, गुण और कर्म अपने में पूर्वरूप से आ जाते हैं इसलिए इस दोहे में पूर्व के स्वभाव उत्तराधिकारी से छूटने के कारण उन्हें मृतकभाव में होने को कहा गया है।

बोडोलैंड की वन भूमि से अवैध कब्जे को खाली कराने के लिए हो रहीं तैयारियां : प्रमोद बोड़ो

आगामी लोकसभा चुनाव यूपीपीएल-भाजपा और अगप एक साथ मिलकर लड़ेंगी

कोकराझाड़ (हिंस)। भारत-भूटान सीमा के सटे अंचल सरलपारा में सरकारी भूमि पर नये सिरे हुए अवैध कब्जे को हटाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। ये बातें आज बोड़ोलैंड मुख्यालय कोकराझाड़ में बोड़ोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी पार्षद प्रमोद बोड़ो ने कही। वन भूमि पर हुए अतिक्रमण के संबंध में मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल के जवान में उन्होंने कहा कि इस अवैध कब्जे को खाली कराने से क्या होगा या क्या नहीं इस संबंध में काफी दिनों से वन विभाग और प्रशासन विचार कर रहा है। साथ ही वन भूमि पर जो नए अवैध कब्जे हुए हैं उसको खाली करना है। इस पर निर्णय लिया जा रहा है। जब तैयारी पूरी होगी तभी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पुनरसंस्थापन और सहायता करने के लिए चर्चा की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगामी 15 जून को इस आगे की चर्चा होगी, उसके लिए वन विभाग और बोड़ोलैंड के वन विभाग के साथ बोड़ोलैंड के सभी कार्यकारी पार्षद एक साथ मिलकर निर्णय लेंगे। वहीं, दूसरी ओर अलग बोड़ोलैंड के नाम पर बने नये उग्रवादी संगठन के संबंध में प्रमोद बोड़ो ने कहा कि 2020 में जितने भी हथियारबंद गुट थे, सभी आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं। अगर एक-दो युवक हाथ में हथियार लेकर कहें कि हम आंदोलन करेंगे और नया संगठन बनाएंगे तो यह होने वाला नहीं है। वर्तमान में पुलिस और इंटेलिजेंस काफी मजबूत है और इसी के साथ समाज भी अब यह सब नहीं चाहता है। समाज अब शांति, उन्नति चाहता है। इस प्रकार के कार्य को समाज पसंद नहीं करता है। अगर कोई ऐसे कदम उठता है तो उसपर कारवाई होगी, ऐसे संगठन कुछ नहीं कर पाएंगे। उन्होंने सभी उग्रवादी संगठनों से कहा कि अब असम पर नजर मत गड़ाए, क्योंकि गत 30/40 वर्षों में असम और बोड़ोलैंड का काफी नुकसान हुआ है। जो आंदोलन हुआ है उसमें काफी लोगों की मौत हुई है। काफी समय के बाद सभी एक साथ मिलजुल कर रह रहें हैं। उन्होंने माहौल को खराब नहीं करने का आह्वान किया। प्रमोद बोड़ो ने आगामी लोकसभा चुनाव के संबंध में कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए पूरी तैयारी हो गई है। असम में भाजपा यूपीपीएल और अगप एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे और सभी सीटों पर जीत हासिल करेंगे। बस चुनाव के दिन की घोषणा होने का इंतजार किया जा रहा है।

कामरूप जिला विकास समिति की बैठक आयोजित

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की जिला विकास समिति की जून महीने की बैठक आज जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे की अध्यक्षता में अमीनगांव स्थित एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के बैठक कक्ष में हुई। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने भाग लिया और विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में विगत मई में विभिन्न विभागों को जारी निर्देशों की प्रगति का भी जायजा लिया गया। बैठक में संभावित बाढ़ पूर्व की तैयारियों से संबंधित विभिन्न मुद्दों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने बाढ़ के दौरान स्थापित किए जाने वाले नामित राहत शिविरों में उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की प्रारंभिक तैयारियों का भी जायजा लिया। साथ ही स्वास्थ्य शिविर, पशु चिकित्सा शिविर, पशु आहार आपूर्ति आदि की विस्तार से समीक्षा की गई। बाढ़ के दौरान किसी भी अवांछित दुर्घटना को रोकने के लिए एपीडीसीएल को बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मर की निगरानी करने के लिए भी कहा गया। बैठक में *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* कार्यक्रम के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए पहले से की गई गतिविधियों और भविष्य की योजनाओं पर समाज कल्याण विभाग की ओर से एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। बैठक में कामरूप जिले के आर्थिक और सांख्यिकीय विभाग ने भाग लिया और उनकी गतिविधियों की प्रगति पर प्रस्तुति दी। जनस्वास्थ्य तकनीकी विभाग ने जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत (ग्रामीण) की विभिन्न गतिविधियों की प्रगति पर प्रस्तुति दी। बैठक में रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन, सहायक आयुक्त निशामणि कलिता सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंदिरा पुलिस ने सात मवेशी समेत तीन लोगों को किया गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में अवैध पशु तस्करी जारी रहने के बीच पुलिस ने बीती रात कई मवेशी व्यापारियों और गायों को जब्त करने में कामयाबी हासिल की। बताया जा रहा है कि गो व्यापारी ग्वालपाड़ा जिले के धुपधारा बाजार से गाय खरीदकर धुपधारा-नगरबेड़ा मार्ग होते हुए तुपामारी ले जा रहे थे। इस बीच मिली गुप्त सूचना के आधार पर मंदिरा थाना प्रभारी शिशिर कुमार बसुमतारी के नेतृत्व में हेकरा में छापेमारी कर मारकर तीन तस्कर व्यापारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही सात सात गायों को जब्त की। बाद में इन सभी गायों व तस्करों को मंदिरा पुलिस स्टेशन लाया गया। गौरतलब है कि गिरफ्तार व्यापारियों की पहचान कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के नगरबेड़ा थाना अंतर्गत तुपामारी गांव के अजीम उद्दीन, मुजहरुल इस्लाम और अजीत अली के रूप में हुई है। हिरासत में लिए गए अवैध पशु व्यापारियों को पुलिस ने आज जेल हिरासत में भेज दिया।

बिजली की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत

तिनसुकिय (हिंस)। तिनसुकिया जिला के मार्घेरिटा के पूर्व मार्घेरिटा वन आंचलिक कार्यालय अंतर्गत खामनपथार गांव में मंगलवार की सुबह एक जंगली हाथी मृत अवस्था में पाए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी वन विभाग को दी। वन विभाग ने बताया कि खामनपथार गांव में मृत अवस्था में जंगली हाथी देखे जाने की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा मिलते ही मौके पर मार्घेरिटा वन विभाग की एक टीम पहुंची। वन विभाग ने प्रारंभिक जांच में पाया कि जंगली हाथी की मौत बिजली की तार की चपेट में आने से हुई है। वन विभाग ने पशु चिकित्सकों की मजज मृत हाथी का पोस्टमार्टम कर घटनास्थल के करीब ही उसे दफना दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि खाद्य की तलाश में जंगल से निकलकर आए दिन जंगली हाथी रिहायशी इलाके में घुस आते हैं। जिसकी वजह से किसानों के अलावा स्थानीय लोगों को भी काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।

मूगा सूत उत्पादन कर आत्म-निर्भर बन रही हैं महिलाएं

शोणितपुर (हिंस)। सुनहरे सूत की भूमि के रूप में प्रसिद्ध असम के शोणितपुर जिला के एक गांव में महिलाएं अब मूगा सूत (सुनहरा सूत) का उत्पादन कर रही हैं। इस मूगा सूत का उत्पादन कर महिलाएं आत्म निर्भर बन रही हैं। शोणितपुर जिले के बरसाला में असम सरकार के रेशम विभाग के मूगा फार्म में रेशम विभाग की मदद से महिलाओं का एक समूह अब रेशम के कीट को पालकर मूगा के सूत के उत्पादन कर रही हैं। क्षेत्र की 13 स्वयं सहायता समूहों की 100 महिलाएं अब बरसाला के मूगा फार्म में 350 बीघा भूमि पर 6,500 सोम के पेड़ों के बीच रेशम कीट का पालकर मूगा के सूत तैयार करने में इन दिनों व्यस्त हैं। यह महिलाएं यहां अस्थायी कैंप लगाकर रेशम के कीट को इकट्ठा करती रहती हैं। रेशन के कीट लेटा बनाया जाता है उसके बाद उचित समय पर मूगा के सूत का उत्पादन किया जाता है। फिलहाल इस मूगा के सूत का बाजार मूल्य 23 हजार रुपए प्रति किलो है। रेशम विभाग यहां मूगा के सूत का उत्पादन कर रहा है। पिछले कई सालों से ये लोग शोणितपुर के बरसाला स्थित मूगा फार्म में मूगा सूत के उत्पादन में लगे हुए हैं। इस बीच, धेमाजी और लखीमपुर जैसे जिलों से कई महिलाएं भी यहां मूगा कीट और एरी कीट पालने की विधि सीखने के लिए आती हैं। असम सरकार के रेशम विभाग ने बरसाला मूगा फार्म को 1970-71 में स्थापित किया था। यहां पर स्थानीय परिवारों के पुरुष और महिलाएं मूगा कीट पालकर और उससे उत्पादित मूगा सूत बेचकर वर्षों से आत्मनिर्भर बन गए हैं। इसी कड़ी में स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं महिलाएं भी मूगा कीट पालकर आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रही हैं। मूगा सूत की कीमत वर्तमान में 23 हजार रुपए प्रति किलो है। महिलाओं के इस कदम से अन्य महिलाएं भी प्रोत्साहित हो रही हैं।

एसएसबी और टेरिटोरियल आर्मी ने किया वृहद स्तर पर पौधरोपण

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के रानीगुली स्थित छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) एवं जिला 135वीं ईको टॉस्क फोर्स टेरिटोरियल आर्मी ने दस हजार से अधिक पौधरोपण किया। ज्ञात हो कि भारत-भूटान के अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात एसएसबी के करीब 110 से अधिकारियों एवं बलकर्मियों के द्वारा देवश्री वन क्षेत्र में दस हजार उपयोगी पौधरोपण किया गया। एसएसबी के कमांडिंग अधिकारी लोकेश कुमार सिंह के दिशा-निर्देश में वृक्षारोपण कार्यक्रम- 2023 के लक्ष्य को पूरा करने लिए देवश्री वन क्षेत्र के अतिरिक्त सीमावर्ती इलाकों में भी पौधरोपण किया जा रहा है। पौधरोपण के दौरान उप कमांडेंट प्रभाकर कुमार वैद्य ने सभी जवानों एवं वहां उपस्थित ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताया कि वृक्ष लगाना अति आवश्यक है। वृक्ष लगाने से पर्यावरण की सुरक्षा से जीवन को शक्ति मिलती है। पर्यावरण एवं जीव प्राणी के बीच अटूट संबंध बनता है। जब पेड़-पौधे रहेंगे, तभी शुद्ध वातावरण एवं स्वच्छ हवा मिलेगी और तभी मानव जीवन सफल होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पेड़ पौधों की कटाई हो रही है, उसी अनुपात में पौधे लगाना अनिवार्य है। ताकि भविष्य में इंसान प्राणदायी वायु पा सकें और मानव जाति के साथ ही जीव-जंतु भी जीवित रह पाए।

दो दिन से लापता युवक का नदी में मिला शव

गोलाघाट (हिंस)। जिले के नुमालीगढ़ के समीपवर्ती सुंदरपुर में दैग्रांग नदी में मंगलवार को एक शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। इसकी पहचान दो दिन से लापता काठनी चाय बागान के दिलीप उरांग के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को नदी से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। बताया गया कि दिलीप उरांग रविवार को अचानक गायब हो गया था। उसकी साइकिल दैग्रांग दिन नदी के किनारे मिली थी। परिवार के सदस्य बोगीजान पुलिस गोलाघाट व एसडीआरएफ की मदद से दिलीप का पता लगाने के लिए नदी में अभियान चला रही थी। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने दिलीप का शव नदी के पानी में देखा।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन को लेकर बैठक

प्रकोष्ठ के पदाधिकारिओं ने किया रंगिया का दौरा

रंगिया (विभास)। पूर्वोत्तर के रंगिया क्षेत्र में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा कराने हेतु शुक्रवार को भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा प्रकोष्ठ, गायत्रीतीर्थ शान्तिकुज, हरिद्वार (उत्तराखंड) से एक पांच सदस्यीय दल रामयश तिवाड़ी (समन्वयक) अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के नेतृत्व में पूर्वोत्तर के दौरे पर रंगिया पहुंचे तथा एक आवश्यक बैठक का आयोजन स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के विद्यालयों में संस्कृति ज्ञान परीक्षा के आयोजन को लेकर उपस्थित गणमान्य लोगों से बातचीत की गई और इसके सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी के सहयोग की कामना की गई। वहीं बैठक के बाद उन्होंने रंगिया क्षेत्र के कई विद्यालयों का दौरा भी किया और इस दौरान विद्यालय की और से उन्हें सकारात्मक सहयोग का आश्वासन मिला। उल्लेखनीय है कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा, अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित एक परीक्षा है। जिसमें भारतीय संस्कृति के ज्ञान की परीक्षा ली जाती है। इसका उद्देश्य है कि स्कूली बच्चे भारतीय संस्कृत के तथ्यों से अवगत हों तथा उसमें निहित महान तत्वों को अपने मे समावेश करें।

तीन सड़कों व तटबंध का शिलान्यास

कोकराझाड़ (विभास)। 29 नंबर पश्चिम कोकराझाड़ जनजाति विधानसभा क्षेत्र के विधायक रीवराम नार्जारी ने आज बाबूबिल, कछुआ चरियाली, भौरागुड़ी तीन पक्की सड़कों और दोतमा स्थित गंगिया नदी तटबांध का शिलान्यास किया। शिलान्यास मुख्यमंत्री के उन्नत पक्की सड़क योजना के तहत किए गए। इस दौरान शिलान्यास कार्यक्रम में बीपीएफ के नेता व कार्यकर्ता तथा कई अन्य गण्यमान्य लोग उपस्थित थे। शिलान्यास के बाद विधायक ने संवाददाताओं से कहा कि मैं असम सरकार से विभिन्न योजनाओं को प्राप्त करने और अपने कार्यकाल के दौरान काम करने के लिए दृढ़ संककल्पित हूं। साथ ही क्षेत्र का विकास मेरा मूल लक्ष्य है।

आलोपति चर पुलिस ने 13 जुआरियों को पकेड़े

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के आलोपति चर थाना अंतर्गत सुखावरझर के स्वारगांव में बीती रात पुलिस की छापेमारी में नकदी के साथ तेरह जुआरियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। बताया जा रहा है कि बाघबर पुलिस और आलोपति चर पुलिस ने संयुक्त रूप से जिले के उल्लेखित थाना क्षेत्र के सुखवरझाड़ के स्वारगांव के सबेर अली के घर पर छापा मारा, जहां पुलिस ने मौके से 38, 175 रुपए जब्ती के साथ नौ मोबाइल फोन और तासपत्ते जब्त किए। मौके से जुआ खेलते हुए नबीर हुसैन (28), जमाल अली (28), मायान अली (33), साद्दाम अली (18) कासिम अली (36), अब्दुस सालाम (30) शाहिदुल इस्लाम (28), अबुल हुसैन (50) खाबिर उद्दीन (37) सईदुद्दीन (48), जहर अली (35) और अजीजुल हक (37) मईदुल इस्लाम (26) को मौके से गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि स्थानीय लोगों ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि बाघबर थाना अंतर्गत विभिन्न सुदूरवर्ती क्षेत्रों के साथ-साथ जिले के आलोपति चर थाना और कासुमारा थाना क्षेत्रों में लंबे समय से इस तरह का धंधा धड़ल्ले से चल रहा है।

रंगिया : आठ दिवसीय कार्यक्रमों के साथ योगाभ्यास का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। हर साल की तरह इस बार भी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष 9वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम *वन वर्ल्ड, वन हेल्थ* रखी गई है। यह थीम वसुधैव कुटुम्बकम के आधार पर रखी गई है। आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संयोजन में क्रीडा भारती कामरूप जिले के सौजन्य से तथा अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था साधना के सहयोग तथा साधना योग महाविद्यालय रंगिया के योग शिक्षकों द्वारा मंगलवार 13 जून से आगामी 20 जून तक रंगिया महकमे के विभिन्न विद्यालय और महाविद्यालयों में छात्रों के लिए योगाभ्यास प्रारंभ किया गया है। इस कड़ी में आज रंगिया उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय (मदरसा), रंगिया बालिका उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, सिद्धिनाथ शर्मा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, रेलवे उच्च विद्यालय, आरिमत्तो विद्यापीठ, रंगिया प्रगति उच्च विद्यालयों में योगाभ्यास कराया गया। योग शिक्षक व शिक्षिकाएं क्रमशः डोली, अपरूपा, बिपुल, मधुस्मिता, पारुल, शिखामणि, प्रियंका, प्रणय, कल्पना, भावना, ज्योति प्रसाद, कुलदीप, नबो, गगन, युतिका, जुमुरानी, पल्लवी, प्रीतम आदि ने विद्यालयों में जाकर छात्रों को योगाभ्यास कराया। इस मौके पर उन्होंने अच्छे स्वास्थ्य और चरित्र निर्माण में योग के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में क्रीड़ा भारती कामरूप जिला के अध्यक्ष बीरेन कलिता रंगिया बालिका उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में उपस्थित रहे जिन्होंने योग के लाभों के बारे में छात्रों को बताया। वहीं रंगिया उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय (मदरासा) में योग गुरु योगाचार्य ज्योतिष कलिता उपस्थित रहे जिन्होंने छात्रों को योगाभ्यास कराया और योग को अपने दैनिक जीवन मे शामिल करने का सभी को आह्वान किया। योग सीखने में छात्रों की रुचि और शिक्षकों का भरपूर सहयोग रहा।

No. FAAMCH/eT_HKS/1862/2023/1156

TENDER NOTICE (e-Tender)

e-Tenders are invited online through e-procurement system i.e. through website www.assamtenders.gov.in for **outsourcing of Mechanized Cleaning and Sanitation Services at Fakhruddin Ali Ahmed Medical College & Hospital, Barpeta, Assam.**

The e-Tender is Two-Bid System, to be submitted with affixed Court Fee Stamp Rs. 8.25 (Rupees eight point two five paisa) only in favour of Superintendent, F.A.A. Medical College & Hospital, Barpeta, Assam, India. The **Tender Fee and EMD** is to be paid through online portal i.e. www.asssamtenders.gov.in

IMPORTANT DATES OF THE E-TENDER

Important Particulars :

Brief Description of Goods	Cost of Bidding Document Fee	EMD (Bid Security)
Outsourcing of Mechanized Cleaning and Sanitation Services at F.A.A. Medical College & Hospital, Barpeta, Assam	Rs. 5,000/- **Pay Online**	Rs. 3,60,000/- **Pay Online**

Key Dates :

Sl. No.	Scheduled	Start Date	Start Time	End Date	End Time
1	e-Tender Publishing	16/06/2023	10:00 am	-	-
2	e-Tender Download	16/06/2023	12:30 pm	05/07/2023	4:30 pm
3	Pre-bid meeting	21/06/2023	02:30 pm	-	-
4	Bid Submission	26/06/2023	12:00 noon	06/07/2023	2:00 pm
5	Bid Opening	07/07/2023	01:00 pm		

a) Bidding documents are available online and bids are to be submitted online through e-procurement system i.e. through website www.asssamtenders.gov.in only on or before 06/07/2023 upto 2:00 pm. The bidders would be required to register in the website for submission of the bids. The bidders are required to have Digital Signature (DSC) from any of the Certifying Authorities. Aspiring bidders who have not obtained the user Id and password for participating in e-procurement may obtain the same by registering in the www.assamteners.gov.in. The requirements to register with the e-procurement portal are available on the website indicated above.

b) A hard copy of Technical Bid to be submitted/dropped along-with the online payment receipts of Bid Documents (non-refundable) and Bids Security (EMD) in the tender box in this office i.e. Office of the Superintendent, F.A.A. Medical College Hospital, Barpeta, Assam during the office hours on or before the last date of submission of the e-tender. Softcopy of Technical & Financial bid must not be sent to the institute.

c) All other relevant information and the detailed Bid Documents are available on the website www.assamtenders.gov.in and can be viewed from 16/06/2023. The undersigned shall not be held liable for any delays for submission of the tender to the website due to e-procurement system failure beyond our control. Even though the e-procurement system will attempt to notify the bidders of any bid updates, the undersigned shall not be liable for any information not received by the bidder. It is the bidder's responsibility to verify with the website for the latest information related to the bid.

d) **The bid documents are not transferable.**
   I. **The EMD validity must be of one year.**
   II. **The prospective bidders might not put ZERO (0:00) data in the price BID (BOQ) format in any circumstances which is uploaded by the tendering authority.**

Sd/-
Superintendent
F.A.A. Medical College Hospital
Barpeta, Assam.

-- Janasanyog /C/4257/23

नौकरियों के लिए 'रेट कार्ड' के दिन गए, वर्तमान सरकार का ध्यान युवाओं के भविष्य की 'सुरक्षा' पर है : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विरोधियों पर रेट कार्ड से युवाओं को लूटने का आरोप लगाते हुए कहा कि नौकरियों के लिए रेट कार्ड के दिन गए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार का ध्यान युवाओं के भविष्य की सुरक्षा पर है। प्रधानमंत्री मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित करते हुए अपनी बात रख रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 70 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार मेला वर्तमान सरकार की नई पहचान बन गया है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भाजपा और राजग शासित राज्य भी नियमित रूप से इसी तरह के रोजगार मेले आयोजित कर रहे हैं। यह देखते हुए कि आजादी का अमृत काल अभी शुरू हुआ है, मोदी ने कहा कि यह उन लोगों के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण है जो सरकारी सेवा में शामिल हो रहे हैं क्योंकि उनके पास अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने में योगदान देने का अवसर है। मोदी ने भर्ती प्रक्रिया में परिवारवाद की राजनीति और भाई-भतीजावाद की बुराइयों के बारे में बात की। प्रधानमंत्री ने नौकरी के लिए नकद घोटाले के मुद्दे पर प्रकाश डाला और इससे जुड़े विवरणों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस तरह हर जॉब पोस्टिंग के लिए एक रेस्त्रां में मेन्यू कार्ड के समान एक रेट कार्ड तैयार किया जाता था। उन्होंने नौकरियों के लिए भूमि घोटाले पर भी प्रकाश डाला, जहां देश के तत्कालीन रेल मंत्री ने नौकरी के बदले में जमीन का अधिग्रहण किया था और टिप्पणी की कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और अदालतों में लंबित है। प्रधानमंत्री ने ऐसे राजनीतिक दलों के युवाओं को चेताया जो वंशवाद की राजनीति करते हैं और नौकरी के नाम पर देश के युवाओं को लूटते हैं। मोदी ने कहा, एक तरफ हमारे पास राजनीतिक दल हैं जो नौकरियों के लिए रेट कार्ड पेश करते हैं, दूसरी तरफ यह वर्तमान सरकार है जो युवाओं के भविष्य की रक्षा कर रही है। अब देश तय करेगा कि युवाओं का भविष्य रेट कार्ड से चलेगा या सेफगार्ड से। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि एक दशक पहले की तुलना में भारत अधिक स्थिर, सुरक्षित और मजबूत देश है। उन्होंने उस समय को याद किया जब पहले के समय में घोटाला और जनता का दुरुपयोग शासन की पहचान थी। उन्होंने कहा, ह्लआज, भारत अपनी राजनीतिक स्थिरता के लिए जाना जाता है जो आज की दुनिया में बहुत मायने रखता है। आज भारत सरकार की पहचान एक निर्णायक सरकार के रूप में है। आज, सरकार अपने प्रगतिशील आर्थिक और सामाजिक निर्णयों के लिए जानी जाती है।ह्व उन्होंने कहा कि वैश्विक एजेंसियां ईज ऑफ लिविंग, इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में काम को स्वीकार कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने अर्थव्यवस्था में रोजगार और स्वरोजगार के उभरते अवसरों के बारे में बात की। उन्होंने मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसे उपायों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब ये युवा जॉब क्रिएटर बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का अभियान अभूतपूर्व है। एसएससी, यूपीएससी और आरआरबी जैसे संस्थान नई व्यवस्था के साथ ज्यादा नौकरियां दे रहे हैं। ये संस्थान भर्ती प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और आसान बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने भर्ती के समय चक्र को 1-2 साल से घटाकर कुछ महीने कर दिया है। भारत और इसकी अर्थव्यवस्था में दुनिया के भरोसे को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, आज पूरी दुनिया भारत की विकास यात्रा में उस-के साथ साझेदारी करने को उत्सुक है। मोदी ने बताया कि देश में किए गए विदेशी निवेश से उत्पादन, विस्तार और नए उद्योगों की स्थापना और निर्यात को बढ़ावा मिलता है, जिससे रोजगार के अवसरों में तेजी से वृद्धि होती है। निजी क्षेत्र में रोजगार के लाखों अवसर सृजित करने वाली वर्तमान सरकार की नीतियों पर प्र-काश डालते हुए प्रधानमंत्री ने ऑटोमोबाइल क्षेत्र का उदाहरण दिया जिसने देश के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया है। उन्होंने उल्लेख किया कि विभिन्न देशों में यात्री वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और तिपहिया और दोपहिया वाहनों के बढ़ते निर्यात से भारत में ऑटोमोटिव उद्योग के विकास को देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मोटर वाहन उद्योग जो दस साल पहले 5 लाख करोड़ रुपये का था, आज 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। सामाजिक बुनियादी ढांचे की बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन पर करीब चार लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि अन्य राजनीतिक दल भाषा के नाम पर लोगों को बांटने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सरकार भाषा को रोजगार का सशक्त माध्यम बना रही है। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में भर्ती परीक्षाओं पर जोर देने से युवाओं को फायदा हो रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहुंचे राजगढ़, किसान कल्याण महाकुंभ में होंगे शामिल

भोपाल, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को दोपहर में मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर राजगढ़ पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री शि-वराज सिंह चौहान ने उनका आत्मीय स्वागत कर अगवानी की। केन्द्रीय मंत्री सिंह यहां राजगढ़ जिले में आयोजित 'किसान कल्याण महाकुंभ' में शामिल होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह वायुसेना के विमान से दोपहर करीब पौने दो बजे यहां पहुंचे। उनके मध्य प्रदेश आगमन पर मुख्यमंत्री चौहान ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। इसके बाद वे राजगढ़ जिले के मोहनपुरा डेम के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट के माध्यम से जानकारी साझा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की पवित्र धरती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आत्मीय स्वागत किया और इस अवसर पर किसान कल्याण महाकुम्भ के विषय में सार्थक चर्चा हुई। रक्षा मंत्री सिंह यहां मुख्यमंत्री चौहान के साथ मोहनपुरा डेम पर आयोजित इस किसान-कल्याण महाकुम्भ में किसानों को बड़ी सौगात देंगे। इसमें किसानों के खाते में 6423 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। महाकुंभ में 11,378 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण होगा। मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार-पत्र 1869 हितग्राहियों को वितरित किये जाएंगे। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना सम्मेलन भी होगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री चौहान 8481 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मोहनपुरा-कुंडालिया प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई प्रणाली परियोजना का लोकार्पण करेंगे।

निर्भया फंड से सीसीटीवी लगाकर जम्मू संभाग में 16 चिन्हित रेलवे स्टेशनों की बढ़ेगी सुरक्षा

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू संभाग में 16 चिन्हित रेलवे स्टेशनों पर क्लोज्ड सर्किट कैमरा (सीसीटीवी) लगाने के साथ सुरक्षा परिदृश्य को और मजबूत किया जाएगा। फिरोजपुर डिवीजन के अंतर्गत आने वाले जम्मू डिवीजन के 16 रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी लगाए जा रहे हैं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रेलवे विभाग निर्भया फंड के तहत सीसीटीवी लगाने का काम कर रहा है। सीसीटीवी का उपयोग ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने और महिला यात्रियों पर विशेष ध्यान देने के लिए किया जायेगा। अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी कठुआ, विजयपुर, बाडी ब्राह्मणा और जम्मू संभाग के अन्य छोटे रेलवे स्टेशनों पर लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक तीन स्टेशनों के लिए एक संयुक्त नियंत्रण कक्ष तैयार किया जाएगा और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की विशेषज्ञ टीम प्लेटफार्मों पर हर गतिविधि पर नजर रखेगी। उन्होंने कहा कि उत्तर रेलवे ने परियोजना के लिए मंजूरी दे दी है और जनवरी 2024 तक सीसीटीवी लगाने का काम पूरा होने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि वीडियो सर्विलांस सिस्टम फिरोजपुर डिवीजन के तहत आने वाले 169 स्टेशनों पर लगाए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में 27 एनएसजी में छह श्रेणियां और तीन एनएसजी श्रेणियां यानी कुल 30 रेलवे स्टेशन हैं। अब तक जम्मू संभाग के 16 रेलवे स्टेशनों को सिस्टम से लैस किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि चूंकि ट्रेनों का बाड़ी ब्राह्मणा, विजयपुर और मजालता सहित छोटे रेलवे स्टेशनों पर संक्षिप्त ठहराव है, इसलिए ऐसे स्थानों पर अपराध की संभावना बहुत अधिक है, लेकिन सीसीटीवी की स्थापना के साथ ही इन छोटे स्टेशनों पर सुरक्षा ग्रिड को मजबूत किया जाएगा।

लोक सभा अध्यक्ष गुरुवार को गोवा विधान सभा के सदस्यों को करेंगे संबोधित

अजय कुमार

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला 15 जून को गोवा के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस यात्रा के दौरान वे गोवा विधान सभा चैम्बर में गोवा विधान सभा के सदस्यों को संबोधित करेंगे। गोवा प्रवास के दौरान बिरला अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेंगे। बिरला गोवा के राज्यपाल पी.एस. धरन पिल्लई से गोवा राज भवन में मुलाकात करेंगे। राज्यपाल के साथ बैठक के बाद बिरला गोवा विधान सभा जाएंगे, जहां वे विक-सित भारत 2047: निर्वाचित प्रतिनिधियों की भूमिका विषय पर गोवा विधान सभा के सदस्यों को संबोधित करेंगे। बिरला अपनी यात्रा के दौरान कानाकोना, गोवा में बलराम आवासीय विद्यालय भी जाएंगे। इसके अतिरिक्त बिरला एक पुस्तक विमोचन समारोह में भी भाग लेंगे और लाभार्थियों को बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट के तहत बने मकानों की चाभियां सौंपेंगे।

अमित शाह ने आपदा प्रबंधन के लिए आठ हजार करोड़ रुपये की तीन योजनाएं की घोषित

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को आपदा प्रबंधन के लिए आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की तीन प्रमुख योजनाओं की घोषणा की है। यह घोषणा शाह ने राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के आपदा प्रबंधन से संबंधित मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने, फायर ब्रिगेड सेवा को मजबूत करने और भूस्खलन शमन के लिए केंद्र सरकार राज्यों को आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान करेगी। शाह ने कहा कि राज्यों में अग्निशमन सेवा के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 5,000 करोड़ रुपये की परियोजना, शहरी बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए सर्वाधिक जनसंख्या वाले सात महानगरों-मुंबई, चेन्नई, कोलकाता बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद और पुणे के लिए 2,500 करोड़ रुपये की परियोजना, भू-स्खलन शमन के लिए 17 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों में 825 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय भू-स्खलन जोखिम शमन योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन पर समान कानून बनाने के लिए केन्द्रीय गृह मंत्रालय सभी राज्यों को पत्र भी लिखेगा।

ट्वीटर के पूर्व सीईओ के बयान को केन्द्रीय मंत्री ने बताया सफेद झूठ

नई दिल्ली, (हि.स.)। ट्वीटर के पूर्व सीईओ जैक डोर्सी के बयान से देश की राजनीति को एक और मुद्दा मिल गया है। सरकार ने डोर्सी के बयान को सफेद झूठ बताया है। ट्वीटर के पूर्व सीईओ ने कल एक यूट्यूब पोडकास्ट में कहा था कि किसान आंदोलन के दौरान भारत सरकार की ओर से कंपनी पर दबाव डाला गया था। सरकार आलोचना करने वाले पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई चाहती थी। धमकी भी दी गई थी कि उसके कर्मचारियों पर छापे मारे जायेंगे और उन्हें जेल भेजा जाएगा। सीईओ के दावे को सफेद झूठ बताते हुए केन्द्रीय मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि 2020 से 2022 के दौरान ट्वीटर ने भारतीय कानूनों का अनुपालन ठीक से नहीं किया। झूठी और गलत जानकारी ट्वीटर पर प्रचारित होती रही। इसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। वहीं विघटनकारी आवाज को बढ़ावा दिया जाता रहा। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर एक विचारधारा से अलग विचार रखने वालों पर कार्रवाई होती रही। ट्वीटर ने अपनी ताकत का दुरुपयोग किया। भारत सरकार चाहती है कि हर भारतीय के अधिकारों को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। जैक डोर्सी का बयान दुखद है। 2022 के जून में एलन मस्क का ट्वीटर संभालने के बाद स्थितियां ठीक हुई। ट्वीटर सीईओ के बयान को कांग्रेस ने सनसनीखेज खुलासा करार दिया है। पार्टी नेता सुप्रीया श्रीनेत ने कहा कि इससे सरकार का असली चेहरा सामने आ गया है। किसान नेता राकेश टिकैत ने जैक डोर्सी के बयान को सही बताया है। उनका कहना है कि किसान आंदोलन के दौरान हमें फेसबुक और ट्वीटर पर पर्याप्त पहुंच नहीं मिल पा रही थी।

दिल्ली एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई इलाकों में गर्मी का सितम

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में अगले 4 से 5 दिनों में गर्मी के साथ लू चलने के आसार हैं। अधिकतम तापमान में कमी या अधिकता आने की संभावना कम है। लोगों को गर्मी के चलते काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को भीषण गर्मी जारी रहेगी। दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 दिनों में देशभर के ज्यादातर हिस्सों में तापमान में ज्यादा बदलाव आने के आसार नहीं हैं। अगले 5 दिनों तक गुजरात में तापमान में 5 से 6 डिग्री और राजस्थान में 16 और 17 जून को 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। ओडिशा, पश्चिमी गंगा घाटों, बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश में अगले 5 दिनों तक लू चलने के आसार हैं। दक्षिण उत्तर प्रदेश और विदर्भ में अगले 3 दिनों तक और मध्य प्रदेश व तेलंगाना में अगले 2 दिनों तक लू भरा मौसम रहेगा। इसी बीच चक्रवाती तूफान विपरजॉय अरब सागर में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। 15 जून की शाम को गुजरात और पाकिस्तान के कराची शहर के बीच में तट से टकरायेगा। इस दौरान 125 से 135 किलोमीटर तक तेज हवाएं चलने के आसार हैं। चक्रवाती तूफान के चलते सौराष्ट्र और कच्छ के देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़ और राजकोट जिला में भारी से भारी वर्षा हो सकती है।

दूसरों की पीड़ा को अपनी समझने वाले लोग थे स्वतंत्रता सेनानी: सतीश महाना

नई दिल्ली, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि दूसरों की पीड़ा को अपनी समझने वाले लोग ही सही मायनों में स्वतंत्रता सेनानी थे। उनके बलिदानों के कारण ही आज हम लोग इन पदों पर बने हुए हैं। सतीश महाना दिल्ली विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित पुस्तक के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सतीश महाना और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह द्वारा संयुक्त रूप से उत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पुस्तक के दो भागों का विमोचन किया गया। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के पूर्व कुलपति प्रो. के.एल. जोहर द्वारा लिखित उक्त पुस्तक का विमोचन समारोह मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के कन्वेंशन हॉल में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इन पुस्तकों का उद्देश्य राष्ट्रभक्त स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति आदर का भाव पैदा करना है। उन्होंने कहा कि भारत को तोड़ने वालों का नहीं बल्कि स्वतंत्रता सेनानियों का इतिहास पढ़ाया जाना चाहिए। मुख्यातिथि सतीश महाना ने कहा कि आजादी की लड़ाई केवल कुछ ही लोगों नें नहीं लड़ी, बल्कि इसमें सबका अपना-अपना योगदान था।

उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का जिक्र करते हुए कहा कि जिन्होंने अपनी जान दी, उनका उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचने के लिए हिंसा करना नहीं था। भगत सिंह द्वारा असेंबली में बम फेंकने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वह धमाका केवल आवाज पैदा करने के लिए था, न कि किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए। महारानी लक्ष्मी बाई, अजीजन बाई, झलकारी देवी और नीरा आर्य जैसी महिलाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि देश की आजादी में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि शहीदों को बाउंड्री के अंदर नहीं बांधा जा सकता; ये सभी एक तार से जुड़े होते हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि 200-250 दिनों में 207 स्वतंत्रता सेनानियों पर 2 भागों में इतनी बड़ी किताब लिखना बहुत बड़ी बात है। कुलपति ने इसके लिए प्रो. के.एल. जोहर को बधाई देते हुए कहा कि 87 वर्ष की उम्र में यह लेखन उनकी मेहनत, लगन, सोच और कृतज्ञता भाव की देन है। वीर दामोदर सावरकर पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को दो जन्मों की सजा हुई, जिसने जीवन भर देश के लिए काम किया उससे परहेज क्यों? उन्होंने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के सिलेबस में सावरकर को पढ़ाने का फैसला लिया गया है। कुलपति ने कहा कि यह 21वीं सदी का भारत है, इसमें युवा पीढ़ी को ऐसे तैयार करना है जोकि 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बना सके। इसमें प्राध्यापकों की भूमिका अहम होगी। ह्लउत्तर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानीह्व पुस्तक के लेखक प्रो. के.एल. जोहर ने पुस्तक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हिंदी में लिखी गई यह पुस्तक दो भागों में है। पुस्तक में उत्तर प्रदेश के उन 207 व्यक्तियों का जीवन चरित्र प्रस्तुत किया गया है, जिन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से लेकर 1947 तक देश के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जेल में बंद हुर्रियत नेता अयाज अकबर की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर, (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद हुर्रियत (जी) के नेता अयाज अकबर की श्रीनगर के शाल्टेंग इलाके में स्थित संपत्ति कुर्क की है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने अचल संपत्ति पर कुर्की का नोटिस चिपकाया है, जिसमें लिखा है कि जनता के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मौजा शाल्टेंग तहसील श्रीनगर में मोहम्मद अकबर खांडे पिता अब्दुल रहमान खांडे निवासी मलोरा, इमाम-उल-बाना मस्जिद के पास, सर्वेक्षण संख्या, 31 के तहत 1 कनाल और 10 मरले भूमि पीएस परिमपोरा, श्रीनगर जम्मू-कश्मीर को अबदी देह के रूप में आरसी-101 20177 एनआईए/डीएलआई में 31 मई, 2023 के एनआईए कोर्ट के अदालती आदेश के तहत संलग्न किया गया है। उल्लेखनीय है कि अयाज अकबर पिछले छह वर्षों से नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। अयाज अकबर की पत्नी का इस साल अप्रैल में कैंसर से जंग हारने के बाद निधन हो गया था।

जी-20 देशों के विकास मंत्रियों सहित 200 मेहमान तथागत की प्रथम उपदेश स्थली देख अभिभूत

वाराणसी, (हि.स.)। जी-20 समिट के तीसरे और अन्तिम दिन मंगलवार को विदेशी मेहमानों ने ऐतिहासिक सारनाथ का भ्रमण किया। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर के नेतृत्व में तथागत की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ पहुंचे दुनिया के 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों के विकास मंत्री सहित लगभग 200 मेहमानों का स्वागत 'हुड़क मजीरा और मयूर लोकनृत्य से किया गया। मेहमानों ने पुरातात्विक उत्खनित स्थल के अलावा धर्मराजिका स्तूप, अशोक की लाट और मूलगंध कुटी मंदिर का अवशेष देखा । धमेख स्तूप पर लगभग 26 सौ वर्ष पूर्व बनी कलाकृतियों को मेहमान अपलक देखते रहे। वहीं,सारनाथ म्यूजियम में भगवान बुद्ध के अवशेषों और भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ को देख अभिभूत नजर आए। गाइड से मेहमान प्राचीन धरोहरों की जानकारी लेते रहे। खुद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर भी बीच-बीच में गाइड की भूमिका में दिखे और मेहमानों को भारत के प्राचीन धरोहरों के बारे में बताते रहे। सारनाथ में जलपान के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में भागीदारी कर मेहमान दोपहर में दिल्ली के लिए रवाना हो गए। ऐतिहासिक सारनाथ में जी-20 के मेहमानों के भ्रमण को देखते हुए नदेसर स्थित होटल से सारनाथ तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। सुरक्षा कारणों से आशापुर चौराहे से सिंहपुर अंडरपास तिराहे तक नो इंट्री जोन रहा। जी-20 की फ्लीट के लिए पूरे सड़क को खाली कराया गया था। जी-20 समिट के तीसरे दिन विदेशी मेहमानों को ऐतिहासिक सारनाथ में भ्रमण कराने के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने ट्वीट कर वैश्विक आयोजन के सफलता के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। विदेश मंत्री ने लिखा एक सफल जी-20 डेवलपमेंट मिनिस्ट्रियल के बाद आज हम वाराणसी से प्रस्थान कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार का उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए आभार। सभी प्रतिनिधि गंगा आरती और सारनाथ दर्शन की अद्भुत स्मृतियों को साथ लेकर वापस जा रहे हैं। कल जी-20 ने सतत विकास के लिए जीवन शैली पर सहमति बनायी है, जो वास्तव में जीवन दायिनी माँ गंगा की ही प्रेरणा है।

रोजगार पैदा करने में बड़ी भूमिका निभा सकती है हस्तशिल्प कला: मुख्यमंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। हस्तशिल्प कला को अपना भविष्य बनाने वाले शिल्पकारों को मंगलवार को उनकी बेहतरीन कलाकारी का सम्मान मिला। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में हस्तशिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 16 कलाकारों को स्टेट अवार्ड और स्टेट मेरिट अवार्ड 2020 व 2021 देकर सम्मानित किया। इस दौरान केजरीवाल ने कहा कि देश में बेरोजगारी बहुत बड़ गई है। ऐसे में बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने में हस्तशिल्प कला बहुत बड़ी भूमिका निभा सकती है। इसके लिए जरूरी है कि सरकार भी हस्तशिल्प कलाकारों को प्रोत्साहित करे। अगर सरकार शिल्पकारों को आर्थिक मदद के साथ उनको स्किल ट्रेनिंग दे देती है तो हस्तशिल्प के क्षेत्र में बड़े स्तर पर रोजगार पैदा हो सकता है। दिल्ली सरकार इस दिशा में आगे काम करेगी। दिल्ली में हजारों हस्तशिल्प कलाकार हैं। सभी को एक मंच पर लाने के लिए जल्द योजना बनाई जाएगी। इस अवसर पर उद्योग मंत्री सौरभ भा-रद्वाज समेत उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अवार्ड समारोह के दौरान शिल्पकारों ने अपने प्रोडक्ट को भी प्रदर्शित किया। शिल्पकारों को सम्मानित करने से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी सम्मानित शिल्पकारों के काउंटर पर जाकर उनके प्रोडक्ट को देखा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार का उद्योग आयुक्त कार्यालय हस्तशिल्प को बढ़ावा देने दिल्ली के उत्कृष्ट हस्तशिल्प कारीगरों को राज्य पुरस्कार देता है। सरकार द्वारा शिल्पकारों को अपनी विरासत को संरक्षित करने, शिल्पका-रों के उत्कृष्ट योगदान, शिल्प कौशल और शिल्प के विकास को पुनर्गठित करने, कारीगरों को प्रोत्साहित करने के लिए ये पुरस्कार दिए जाते हैं। इस अवॉर्ड को हासिल करने के लिए कारीगरों से आवेदन मांगे गए थे। प्राप्त शिल्पका-रों के कार्य स्थल का निरीक्षण करने के लिए उद्योग आयुक्त की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एक निरीक्षण कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने राज्य पुरस्कार के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों में दी गई जानकारियों को सत्यापित किया। इसके बाद राज्य पुरस्कार के लिए शिल्पकारों से प्राप्त हस्तशिल्प वस्तुओं को चयन कमेटी के सामने चयन करने के लिए प्रदर्शित किया गया। स्टेट अवार्ड के तहत प्रत्येक शिल्पकार को 30 हजार रुपए, अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र दिया गया, जबकि स्टेट मेरिट अवार्ड के तहत प्रत्येक को 20 हजार रुपए, अंग वस्त्र और प्रमाण पत्र दिया गया। स्टेट अवार्ड 2020 से राजीव वर्मा, अंजू देवी और बबुद्दीन को सम्मानित किया गया। राजीव वर्मा को मेटल क्राफ्ट में पीतल का मटका बनाने, अंजू देवी को टेरा कोटा में मटका बिंदरी वर्क और बबुद्दीन को वुड वेयर में फ्रेम मिरर बनाने के लिए सम्मानित किया गया। स्टेट मेरिट अवार्ड के तहत पांच लोग सम्मानित हुए। शिल्पकार कहकशां को कैमल बोन ज्वैलरी में नेकलेस सेट, विक्की को एप्लिके वर्क में वॉल पीस, कुमारी दीपा को मधुबनी पेंटिंग में कृष्ण लीला, गोबिंद कुमार झा को मधुबनी पेंटिंग में शिव भक्त द्वादेश, पायल वैष्णव को तंजौर पेंटिंग में बिहारी जी बनाने के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान स्टेट अवार्ड 2021 के तहत भी तीन शिल्पकारों को सम्मानित किया गया। इसमें धर्म चंद को टेरा कोटा में बिग हुक्का, मोहम्मद मार्धूब को वुड क्राफ्ट में मिरर फ्रेम और ज्योति लाल कर्ण को मधुबनी पेंटिंग में ट्री ऑफ लाइफ बनाने के लिए सम्मानित किया गया। इसी तरह स्टेट मेरिट अवार्ड 2021 के अंतर्गत पांच शिल्पकार सम्मानित किए गए। इसमें जुनैद नबी को बांस शिल्प में सीधी बांसुरी, रितेश कुमार को कृत्रिम ज्वैलरी में रानी हार, ईशा गुप्ता को क्रोकेट क्राफ्ट में पोर्ट्रेट ऑफ पैरेंट्स, राजेश कुमार को सिक्की आर्ट में दिल्ली दर्शन और स्निग्धा को मधुबनी पेंटिंग में ट्री ऑफ लाइफ बनाने के लिए सम्मानित किया गया।

भाजपा और कांग्रेस में हिन्दुत्ववादी को लेकर चल रही लड़ाई : मायावती

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को लखनऊ में एक प्रेसवार्ता कर भाजपा और कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया है। प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर हमला बोला है। इसके साथ ही उन्होंने अपने भतीजे व पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद और चार राज्यों के केंद्रीय कॉर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को विधान सभा चुनाव वाले राज्यों में पार्टी को जिताने की जिम्मेदारी सौंपी है। बसपा प्रमुख मायावती ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा कांग्रेस में इस मुद्दे पर काफी प्रमुखता से लड़ाई चल रही है कि इन दोनों में से सबसे बड़ा हिन्दुत्ववादी कौन है। पूजा-पाठ करने में भी ज्याद कौन माहिर है। इससे यह जरूर स्पष्ट होता है कि हिन्दू धर्म को छोड़कर करके बाकी सभी धर्मों की यह दोनों पार्टियां उपेक्षा कर रही हैं। इनका यह कृत्य संविधान की मंशा के खिलाफ है। बसपा सभी धर्मों का एक बराबर सम्मान करती है। क्योंकि अपने देश में अकेले हिन्दु धर्म को मानने वाले लोग ही नहीं रहते हैं। बल्कि मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, पारसी और बौद्ध आदि विभिन्न धर्मों के मानने वाले लोग भी रहते हैं। इसलिए इन दोनों पार्टियों को हिन्दुओं की तरह ही अन्य सभी धर्मावलंबियों के हितों का भी बराबर ध्यान रखना चाहिए। यही उचित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का भी यह मनाना है कि देश में सभी धर्मों के ऐतिहासिक स्थलों और रिकार्डों का भी बराबर सम्मान होना चाहिए। पिछले कुछ समय से धार्मिक द्वेष की भावना के चलते जो धार्मिक स्थलों और रिकार्डों में छेड़छाड़ किया जा रहा है वह न्याय संगत नहीं है। इससे आपसी भाईचार सदभाव पर भी काफी असर पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य में जहां वर्षों से लोगों की आस्था में बने स्थलों अर्थात मजारों आदि को यह कहकर हटाया जा रहा है कि मजारें सरकारी जमीनों पर बनी हुई हैं। इससे बसपा सहमत नही है। इसलिए बसपा इसका विरोध करती है।

जब यह मजारें सरकारी जमीनों पर बन रहीं थीं तो उस वक्त की यहां कि सरकारों ने मजारों को बनने पर रोक क्यों नहीं लगाई। वर्षों से मजारें बनी हुई हैं और एकाएक तोड़ने का प्लान बना दिया गया है। यह तो ठीक नहीं है। मुझे इसमें ज्यादा राजनीति नजर आती है। अपने राजनीतिक स्वार्थ में किसी के धार्मिक भावनाओं और आस्था को ठेस पहुंचाई जाए ठीक नहीं है। बसपा प्रमुख ने आगे कहा कि पिछले कुछ समय से देश में लव जिहाद, जबरन धर्म परिवर्तन आदि कराने को लेकर इनकी आड़ में जो देश में धार्मिक उन्माद फैलाया जा रहा है। यह भी ठीक नहीं है। जनता को इससे सावधान रहना होगा। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में अपराधियों का जो आपस में तांडव चल रहा है। इससे जनता में काफी दहशत व्याप्त है। बसपा यह मांग करती है कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। मायावती ने कहा कि हमारी पार्टी सारे मुद्दों को लेकर चुनाव में मजबूती से उतर रही है। बल्कि सभी मामलों में यहां की जनता को जागरूक बनाने और मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए पार्टी के कंद्रीय युनिट ने पार्टी के नेशनल कॉर्डिनेटर आकाश आनंद तथा चार राज्यों के केंद्रीय कॉर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम को मुख्य तौर पर लगाया गया है। जो मेरी दिशा निर्देश पर यहां इसी महीने से सभी जरूरी मुद्दों को लेकर पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन में अपना चुनावी अभियान शुरू कर रहे हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि चारों राज्यों में पार्टी के लोग यहां इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी और वे अपने हित में इसका लाभ लेंगे। मैं भी इस पर ध्यान दूंगी।

पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने दी 58 फीसद ज्यादा नौकरियां : स्मृति ईरानी

- अब तक 08 लाख 80 हजार लोगों को मिला रोजगार : स्मृति ईरानी
- लखनऊ सहित देश भर के 43 स्थानों पर किया गया रोजगार मेले का आयोजन

-प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले में नवनियुक्त लगभग 70 हजार सदस्यों को नियुक्ति पत्र दिया

लखनऊ, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 70 हजार नवनियुक्त सदस्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भर्ती हुए सदस्यों को संबोधित भी किया। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 43 स्थानों पर किया गया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को आयोजित रोजगार मेले को संबोधित करते हुए केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि पिछली सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने युवाओं को 58 फीसदी ज्यादा नौकरियां दी हैं। अब तक 08 लाख 80 हजार से ज्यादा नौकरियां युवाओं को मिली हैं। उन्होंने कहा कि अगर रोजगार मिलने के बाद कॅरियर में वृद्धि करनी है तो हर क्षेत्र के बारे में जानकारी रखनी होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में काम करने वाले अधिकारी अपने ग्राहकों की लोन एप्लीकेशन को सिर्फ एक कागज का टुकड़ा न समझें। मध्यम वर्ग के लिए लोन का आवेदन स्वीकृत या अस्वीकृत होना, सपने के पूरे होने या टूट जाने जैसा होता है। ईरानी ने कहा कि नौकरियों के माध्यम से सेवा का मौका मिलना महत्वपूर्ण है। सेवा किस जगह से की जाए यह महत्वपूर्ण नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज भारत में निजी और सरकारी सेक्टर दोनों ही जगह नौकरियों के निरंतर नए मौके सृजित हो रहे हैं। बड़ी संख्या में युवा स्वरोजगार के लिए भी आगे आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रा योजना के तहत सरकार 40 करोड़ लोन दे चुकी है। इसमें से 27 करोड़ मुद्रा लोन महिलाओं को दिए गए हैं। युवाओं की मदद की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत लोगों तक पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने 04 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। स्टैंड अप इंडिया के अंतर्गत 40 हजार करोड़ रुपये केवल महिला और अनुसूचित जन जाति के लोगों को मोदी सरकार के द्वारा दिए गए हैं। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा कि रोजगार पाने वाला एक व्यक्ति हजारों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। रोजगार मेले की इस पहल का समर्थन करते हुए राज्य सरकारों तथा केंद्रशासित प्रदेशों में भी नियुक्तियां की जा रही हैं। देश भर से चुनी गई नई भर्तियां वित्तीय सेवा विभाग, डाक विभाग, स्कूली शिक्षा विभाग, उच्चतर शिक्षा विभाग, रक्षा मंत्रालय, राजस्व विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, रेल मंत्रालय, लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग तथा गृह मंत्रालय आदि सहित विभिन्न विभागों में सरकार में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला, रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। रोजगार मेले से, आगे के रोजगार सृजन में एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने और युवाओं को उनके सशक्तिकरण तथा राष्ट्रीय विकास में भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करने की उम्मीद की जाती है। नई शामिल की गई भर्तियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से खुद को प्रशिक्षित करने का भी एक अवसर प्राप्त हो रहा है, जहां 400 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम 'कहीं भी किसी भी डिवाइस' सीखने के प्रारूप के लिए उपलब्ध कराए गए हैं।

15 जून से शुरू होगा 9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

बागपत, (हि.स.)। अंतर्राष्ट्रीय योग को लेकर बागपत जिले में तैयारियां शुरू हो गयी है। जिलाधिकारी ने 9वां अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। 15 जून से कलेक्ट्रेट लोकमंच से योग दिवस का आरंभ होगा। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तर पर, तहसील स्तर एवं विकासखंड स्तर, नगर पंचायत ,नगर पालिका पर 15 जून से 21 जून तक आयोजित होगा। योगभ्यास कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा। अगर उनकी इसमें लापरवाही प्रदर्शित होती है तो उन्हें दंडित किया जाएगा। और उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त संस्थान एवं समस्त सरकारी कार्यालयों में योग का आयोजन किया जाए। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग, बेसिक ,माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा, जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के समस्त स्कूल सरकारी एवं गैर सरकारी में प्रातः काल में योगाभ्यास कराया जाए। 15 जून को योगाभ्यास का उद्घाटन कलेक्ट्रेट लोक मंच पर किया जाएगा जिसका समय 6 बजे से 8 बजे के मध्य होगा जिसमें योग प्रशिक्षकों द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। जनपद में 21 जून को 21000 लोग जनता वैदिक डिग्री कॉलेज बड़ौत में योगाभ्यास करेंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ,अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चैहान, मुख्य विकास अधिकारी एम एल व्यास, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर दिनेश कुमार , आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी अधिकारी डॉ. मोनिका गुप्ता सहित आदि अधिकारी उपस्थित रहे ।

उप्र में अटल आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ जुलाई में, मुख्यमंत्री योगी करेंगे उद्घाटन

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में स्थापित हो रहे अटल आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ जुलाई माह में होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जुलाई में किसी भी दिन इन विद्यालयों का उद्घाटन कर सकते हैं। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में अटल आवासीय विद्यालय की राज्यस्तरीय अनुश्रवण समिति की मंगलवार को बैठक हुई। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी मण्डलायुक्तों से अटल आवासीय विद्यालयों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। बरेली एवं मुरादाबाद मंडल को छोड़कर सभी विद्यालय जुलाई से कक्षाएं शुरू करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। शेष 16 मंडलों के कुछ विद्यालयों में कार्य समापन की ओर है और छिटपुट कार्य अवशेष हैं। सभी कार्यों को 30 जून तक पूरा कराने के लिये सम्बन्धित मण्डलायुक्तों द्वारा आश्वस्त किया गया। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने बताया कि अटल आवासीय विद्यालयों का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जुलाई माह में किसी भी दिन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि देश में पहली बार पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों, अनाथ एवं निराश्रित बच्चों का बौद्धिक, शारीरिक विकास एवं समग्र व्यक्तित्व का विकास कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। यह पूरे देश के लिये मॉडल है, इसलिये इन विद्यालयों के भव्य शुभारंभ की व्यवस्था की जाये। मुख्य सचिव ने प्रदेश के सभी मण्डलायुक्तों को निर्देश दिया कि अटल आवासीय विद्यालयों में कक्षायें प्रारंभ होने से पूर्व वे विद्यालय का एक बार निरीक्षण अवश्य कर लें।

आम आदमी पार्टी ने घोषित की नई जिला कार्यकारिणी, हर बूथ पर बनाएंगे 10 वॉलिंटियर

लखनऊ, (हि.स.)। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने मंगलवार को लखनऊ की नई जिला कार्यकारिणी घोषित की। नवगठित कार्यकारिणी में 16 पदाधिकारियों को शामिल किया गया है। अधिकांश नए चेहरों को ही मौका दिया गया है। जिलाध्यक्ष बनाए गए पं. शेखर दीक्षित ने नई जिला कार्यकारिणी गठित करने पर बताया कि हर बूथ के लिए 10 वॉलिंटियर तैयार किए जाएंगे।

आने वाले दिनों में संगठन में युवाओं को मौका दिया जाएगा। युवा जोश से भरे कार्यकताओं को लेकर आने वाले लोकसभा चुनाव की तैयारी की जाएगी। नई जिला कार्यकारिणी में डा. सैय्यद फकरूल इमाम को जिला महासचिव लखनऊ (पश्चिम), नीरा सक्सेना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही चार उपाध्यक्ष और नौ सचिव नई जिला कार्यकारिणी में शामिल किए गए हैं।

मंत्री रामेश्वर उरांव ने पेशरार में आदिवासी सांस्कृतिक कला केंद्र भवन का किया उद्घाटन

लोहरदगा, (हि.स.)। मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने पेशरार प्रखण्ड के झमटवार ग्राम में 42.12 लाख रुपये की लागत से बने आदिवासी सांस्कृतिक कला केंद्र भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मडुवा की खेती को बढ़ावा देने के लिए अब किसानों को मडुवा का बीज भी उपलब्ध कराया जाएगा। झमटवार विद्यालय का जवाखाड़ में मर्ज होने के लोगों की शिकायत पर मंत्री ने आश्वस्त किया कि राज्य के ऐसे 4500 विद्यालयों को, जो बंद हो गए हैं, उन्हें पुनः शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। धोती/लुंगी-साड़ी वितरण योजना के संबंध में माननीय मंत्री द्वारा आश्वस्त किया गया कि धोती/लुंगी, साड़ी आवंटन आ गया है, अब लोगों को फिर अपने राशन डीलर से धोती/लुंगी-साड़ी मिल सकेगी। राशन कार्डधारकों को अब राशन दुकान से दाल भी मिलेगा। जो युवा दोपहिया वाहन का इस्तेमाल करते हैं वे राज्य सरकार की पेट्रोल सब्सिडी स्किम का लाभ अवश्य लें। प्रत्येक माह सरकार 250 रुपये का मुफ़्त पेट्रोल दे रही है। मंत्री ने कहा कि पेशरार में 27 स्थानों पर अखड़ा का निर्माण कराया जाएगा। इसमें केरार, दुग्गु, हुसरू, होन्हे, रुबेद, मक्का, रोरद, जवाखाड़, पुतरार इत्यादि शामिल हैं। साथ ही 242 परिवारों के लिए 1.67 करोड़ रुपये की लागत से बिजली की समस्या दूर की जाएगी। मंत्री ने पेशरार, कानीटोली में सांस्कृतिक कला केंद्र पड़हा भवन (धुमकुड़िया) का भी शिलान्यास किया। यह भवन 62 लाख रुपये की लागत से बनेगा, जिसका निर्माण जिला परिषद, लोहरदगा द्वारा कराया जाएगा। मंत्री ने पेशरार प्रखंड कार्यालय परिसर में जनसुनवाई की, जिसमें लोगों ने अपनी समस्याएं रखी।

स्थानीय नीति के नाम पर लोगों को लड़वा रही हेमंत सरकार : अन्नपूर्णा देवी

धनबाद, (हि.स.)। धनबाद के न्यू टाउन हॉल में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेला के आयोजन किया गया। इसमें पक्ष-विपक्ष के विधायक, धनबाद के सांसद सहित केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी मौजूद रही। इस दौरान सरकारी नौकरी पाने वाले युवकों को मंत्री, संसद और विधायकों के द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपा गया। इस दौरान देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौकरी पाने वाले युवकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बात भी की। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो कहा था वह इस रोजगार मेला के माध्यम से वे पूरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज केंद्र सरकार के रोजगार मेले के छठे संस्करण में देश भर के करीब 70 हजार युवाओं के बीच सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र बांटा गया। उन्होंने नौकरी पाने वाले युवाओं से अपील करते हुए कहा कि देश में अभी अमृत काल चल रहा है और इस अमृत काल में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी नौकरी पाने वाले युवा अपनी मेहनत और काबलियत से देश को विकास की उन ऊंचाइयों तक ले जाए जिसकी कल्पना लगातार देश के प्रधानमंत्री करते रहे है। उन्होंने राज्य के हेमंत सोरेन सरकार पर भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार अपना चौथा वर्ष पूरा कर चुकी है लेकिन यहां के हालात बद से बदतर हो चुका है। यहां की सरकार विकास और योजनाओं के नाम पर लोगों को एक दूसरे से लड़वा रही है। स्थानीय नीति के नाम पर युवा एक दूसरे से लड़ रहे है। 60-40 के नाम पर यहां के युवा सड़कों पर उतर आए है।

अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ आसानी से पहुंचे : राज्यपाल

राज्यपाल ने स्थानीय लोगों से किया संवाद

चतरा, (हि. स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि समावेशी विकास के लिए आवश्यक है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ आसानी से पहुंचे। राज्यपाल ने कहा कि जब तक क्षेत्र भ्रमण कर स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं, उनकी आकांक्षाओं को न जाना जाय तब तक उनकी समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसी उद्देश्य से वह राज्य में स्थित विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर रहे हैं। एक अल्प समय में यह राज्य के 15वें जिला का भ्रमण है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में शपथ लेने के समय ही मैंने कहा था कि राज भवन खुद आम जनता के पास जायेगा। राज्यपाल मंगलवार को चतरा में करमा पंचायत भवन में ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की ओर से लोगों के कल्याणार्थ विभिन्न योजनाएं संचालित हैं। उन्होंने कहा कि प्रखण्ड विकास पदाधिकारी से लेकर उपायुक्त एवं थाना प्रभारी से लेकर पुलिस अधीक्षक तक सभी आप लोगों से मिलेंगे, आप लोग उनसे समय लेकर अपनी समस्याओं से अवगत करायें। उन्होंने एक नागरिक की ओर से उठाए गए मुद्दे के संदर्भ में कहा कि यहां नदी पर डैम का निर्माण शीघ्र हो, इसके लिए पूरा प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वे जहां कहीं भी जा रहे हैं, वहां सिंचाई की समस्याएं बताई जा रही हैं। इसे गंभीरतापूर्वक लिया जायेगा। सभी परियोजनाएं समय पर पूर्ण हो, ऐसा प्रयास होगा। उन्होंने हुसिया ग्राम में सड़क निर्माण कार्य पूर्ण न होने की शिकायत प्राप्त होने पर इसका कार्य शीघ्र ही पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी ग्रामों में बेहतर सड़कें हो। इस अवसर पर राज्यपाल ने विभिन्न लाभुकों के मध्य परिसंपत्तियों का वितरण किया।

जयमंगला वाहिनी परिवार के 37 रक्तवीरों को स्वास्थ्य मंत्री करेंगे सम्मानित

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय में 29 सौ यूनिट से अधिक रक्तदान कर हजारों लोगों को जीवन दान देने वाले जयमंगला वाहिनी परिवार ने इतिहास रच दिया है। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर 14 जून को जयमंगला वाहिनी के 37 रक्तवीरों को स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव पटना में सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 28 रक्तवीर एवं नौ रक्तविरांगना मंगलवार को पटना के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर कार्यकताओं ने बताया कि सरकारी ब्लड बैंक के माध्यम से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले लोगों को सम्मानित कर बिहार सरकार रक्तदान करने के लिए प्रेरित करती है। इस वर्ष पूरे बिहार के 289 रक्तदाताओं को बिहार सरकार द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। जिसमें से 37 सिर्फ बेगूसराय जिले से होना, हम सबों के लिए गर्व की बात है। यह सम्मान ना सिर्फ खुद रक्तदान करने, बल्कि लोगों को और अधिक रक्तदान करने के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित करेगा। सुमित, प्रभाष एवं नीरज ने बताया कि पूरे जिले के लिए यह हर्ष की बात है। जहां राज्यस्तर पर पहली बार एक साथ इतने लोगों को सम्मानित किया जाएगा। इससे पूर्व 2022 में पहली बार जिले के चार रक्तवीर सुमित, प्रभाष, नीरज, छोटू एवं एक रक्तवीरांगना खुशी मिश्रा को रक्तदान के क्षेत्र में सम्मानित किया गया था। मनोज वत्स, अवनीश, विक्रम एवं छोटू ने बताया कि सम्मान मिलने से हमलोगों को आत्मबल मिलता है।

उस क्षेत्र में और ज्यादा काम करने का बल मिलता है। सोनू वत्स, मनोज वत्स एवं वैभव ने बताया कि जिन रक्तवीर ने वर्ष में चार बार स्वेच्छिक रक्तदान किया है, सिर्फ उन्हीं लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। अभिजीत, सोनू, मनोज एवं आसिफ ने बताया कि सम्मान मिलने के बाद हमारी जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। उस कार्य के प्रति, जिस कार्य के लिए सम्मानित किया जाता हैं।शरीर में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

बखरी में प्रबुद्धजनों से किया संवाद

बेगूसराय, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा ने बेगूसराय जिले के बखरी के विकास बात को लेकर प्रबुद्ध नागरिकों के साथ संवाद किया। रमा पैलेस में आयोजित कार्यक्रम का संचालन डीआरयूसीसी में राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि और बखरी नगर के पूर्व पार्षद नीरज नवीन ने किया। सांसद से संवाद के दौरान सामाजिक कार्यकर्त्ता रणधीर कुमार सिंह ने रेलवे का मुद्दा उठाते हुए सलौना स्टेशन पर एक्सप्रेस ट्रेन के ठहराव को बखरी का चिरप्रतीक्षित मांग कहा। इस पर राकेश सिन्हा ने कहा कि सलौना स्टेशन के निरीक्षण के दौरान तथा निजी तौर भी बखरी के आमजन और प्रबुद्ध लोगों ने सलौना स्टेशन के विकास की मांग की। जिसके बाद मेरे समेकित प्रयास से रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा सलौना स्टेशन को अमृत योजना में शामिल किया गया। सलौना स्टेशन की पूर्व के बदतर स्थिति में आज जो कायाकल्प हुआ, उसे आप देख सकते हैं। सलौना स्टेशन हर हाल में सलोना होगा और जल्द ही यहां लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों का भी ठहराव होगा। शिक्षक प्रेम किशन मन्नू द्वारा डिग्री कॉलेज के मुद्दे पर सांसद ने कहा कि सरकार द्वारा विहित प्रक्रियागत निविदा निकाल कार्यवाही की जा रही है। जिसका निर्माण सीमा तय करना बिहार सरकार की जवाबदेही है। श्रीकृष्ण गौशाला बखरी के सचिव कैलाशचन्द्र शर्मा ने गौशाला के विकास के लिए गोबर गैस प्लांट की मांग की। इसकी घोषणा करते हुए सांसद प्रो. राकेश सिन्हा ने मौके पर उपस्थित बखरी के अनुमंडल पदाधिकारी-सह-गौशाला के पदेन अध्यक्ष सन्नी कुमार सौरभ से कहा कि इसके निमित्त अनुमानित बजट के साथ यथाशीघ्र मांग सौंपे, ताकि इसकी स्वीकृत दी जा सके। वहीं, बखरी के प्रबुद्ध नागरिकों, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि नीरज नवीन एवं श्री विश्वबंधु पुस्तकालय बखरी के अध्यक्ष कौशल किशोर क्रान्ति के द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य के सवाल पर राकेश सिन्हा ने बखरी को एक एम्बुलेंस और पुस्तकालय एवं स्कूल के लिए दो सौ पुस्तकें देने की घोषणा किया। इस संदर्भ उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित भी किया।

एम्स के लिए शोभन में गड्ढे वाली जमीन देने को सही नहीं ठहराएं नीतीश : सुशील मोदी

पटना, (हि.स.)। पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने दरभंगा एम्स के लिए डीएमसीएच परिसर के बजाय शोभन में जल जमाव वाली 151 एकड़ भूमि आवंटित करने के राज्य सरकार के फैसले पर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने मंगलवार को बयान जारी कर कहा कि क्या यह सही नहीं कि शोभन में आवंटित जमीन सड़क से 20 - 30 फीट नीचे है और वहां जल जमाव होता है? क्या यह सही नहीं कि ऐसी गड्ढे वाले जमीन को भरकर ऊंचा करने (कॉम्पैक्ट बनाने) के बाद भी वहां भवन निर्माण करना कठिन और असुरक्षित है? सुशील मोदी ने कहा कि यदि दरभंगा मेडिकल कालेज अस्पताल व्यस्त क्षेत्र में होने के कारण एम्स बनाने के लिए उपयुक्त नहीं है, तो सरकार ने इसी परिसर में पहले 81 एकड़ जमीन क्यों दी थी? उन्होंने कहा कि सरकार को शोभन का आवंटन रद कर डीएमसीएच परिसर में ही एम्स के लिए 150 एकड़ भूमि देनी चाहिए। उन्होंने पूछा कि 2000 करोड़ रुपये से बनने वाले एम्स-दरभंगा को सहरसा ले जाने के लिए नीतीश कुमार ने दिनेशचंद्र यादव सहित तमाम जदयू सांसदों से केंद्र सरकार को ज्ञापन क्यों दिलवाया गया? उन्होंने यह भी पूछा है कि महागठबंधन सरकार बनने और स्वास्थ्य सहित कई विभाग तेजस्वी प्रसाद यादव को मिलने पर लालू प्रसाद के करीबी भोला यादव ने अशोक पेपर मिल के परिसर में एम्स के लिए जमीन देने की घोषणा किसके इशारे पर की थी? कौन चाहता था कि एम्स दरभंगा में नहीं बने? उन्होंने कहा कि यदि नीतीश कुमार एम्स मुद्दे पर अपनी जिद और कुचक्र से बाज नहीं आते हैं तो अब बिहार में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर ही जनता को दूसरे एम्स की सौगात मिलेगी।

संपादकीय

लगातार हारने की चैंपियन

क्रिकेट की टीम इंडिया ने लगातार छठी बार बड़े टूर्नामेंट का फाइनल हारा है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 209 रनों से करारी पराजय दी है। खेल में हार-जीत चिंता का सबब नहीं होना चाहिए, लेकिन पराजय ही जब मनोवृत्ति बन जाए और टीम विश्व कप तथा वैश्विक मैचों में पराजय की सोच के साथ ही उतरने लगे, तो कईतरफा सवाल उठने लगते हैं। करोड़ों रुपए का जो खर्च खिलाड़ियों पर किया जाता रहा है, वह भी फिजूल लगता है। सवाल ये भी किए जाने चाहिए कि क्या भारत में क्रिकेट की नई पीढ़ी ने जन्म लेना ही छोड़ दिया है अथवा हमारा उस पर फोकस ही नहीं है? ऑस्ट्रेलिया एकदिनी क्रिकेट का पांच बार का विश्व चैम्पियन है। वह 2021 में टी-20 क्रिकेट के फटाफट प्रारूप का भी विश्व चैम्पियन बना और अब पांच दिनी टेस्ट क्रिकेट का भी 'बादशाह' है। कुछ माह पहले ऑस्ट्रेलिया की यही भरी-पूरी टीम भारत के प्रवास पर थी, जब टीम इंडिया ने एकतरफा मुकाबलों में उसे पराजित कर शृंखला जीती थी। अब लंदन के 'ओवल' मैदान में हम एकदम फिसड्डी क्यों रहे? क्या फाइनल मुकाबले भी इस तरह एकतरफा होते हैं? दरअसल हमारे क्रिकेटरों की मानसिकता ऐसी हो चुकी है कि वे अपने खेल की आलोचना पसंद ही नहीं करते। कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान एवं 28 शतकों वाले बल्लेबाज विराट कोहली और टीम इंडिया की 'नई दीवार' के विशेषण वाले चेतेश्वर पुजारा, यकीनन, महान बल्लेबाज रहे हैं, लेकिन आज बड़े मैचों में वे नर्वस होकर नाकाम क्यों रहे हैं? वे खेलते हुए नौसीखिया लगते हैं और अक्सर गलत शॉट पर आउट होते हैं। हम गलत हो सकते हैं, लेकिन हमारा सरोकार राष्ट्रीय है कि टीम इंडिया 2013 के बाद से लगातार हार क्यों रही है और टीम एक भी आईसीसी ट्रॉफी क्यों नहीं जीत पाई है? बड़े मुकाबलों में 10,15, 20 या कभी-कभार अद्र्धशतक बनाने वाले बल्लेबाजों को, कमोबेश, 'महान' श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। इस पर हमारे क्रिकेटरों का अहंकार ऐसा है कि वे प्रैक्टिस करना 'तौहीन' समझते हैं और मैदान पर, खेल शुरू होने के, औसतन 30-45 मिनट पहले ही उतरना पसंद करते हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने, भारत में शृंखला हारने के बाद, बल्लेबाजी, गेंदबाजी और कैच का लगातार अभ्यास किया। अधिकतर क्रिकेटर ने आईपीएल खेलने में दिलचस्पी नहीं दिखाई। टीम इंडिया के ज्यादातर क्रिकेटरों ने जमकर आईपीएल खेला और जाहिर है कि अभ्यास भी किया होगा। कमोबेश गेंदबाजी की धार, लाइन, लेंथ, गति आदि तो सटीक रहनी चाहिए। बल्लेबाजी जरूर प्रभावित होती है, लेकिन 'महान' बल्लेबाज तो 'महान' ही होते हैं! टीम इंडिया के 'पुराने चावल' अजिंक्य रहाणे ने ही कंगारुओं का जमकर, डटकर, मुकाबला किया। दरअसल हमारे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के खेल में निरंतरता की जबरदस्त कमी दिखाई देती रही है। तेज गेंदबाजों में शमी और सिराज पर ही भरोसा करना पड़ा। उमेश यादव तो टीम पर 'पुराने बोझ' हैं। कभी श्रेष्ठ गेंदबाज रहे होंगे! क्रिकेट के महान विशेषज्ञों का स्पष्ट आकलन है कि ओवल की पिच 469 रन बनाने वाली नहीं थी, लेकिन टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को दो-दो शतक समेत ढेरों रन बटोरने दिए। भारत की हार की प्रस्तावना यहीं से लिख दी गई थी। जिस गेंदबाज अश्विन ने करीब 475 विकेट लिए हों और कई मैचों में टीम इंडिया को जिताने का श्रेय जिसे कई बार मिला हो, उसे बाहर बिठा कर रखा गया। यह रणनीति और दलील समझ में नहीं आती। ऐसा कई बार हो चुका है। इसके अलावा, टीम इंडिया के विकेटकीपर के.भरत एक अंतराल से खेल रहे हैं। वह लगातार रन बनाने में अक्षम और नाकाम रहे हैं। क्या इतने बड़े देश में एक प्रशिक्षित विकेटकीपर का भी संकट है? बहरहाल इसी साल के अंत में एकदिनी क्रिकेट का विश्व कप भारत में ही होना है। उसमें भारत किस तरह का चैम्पियन रहेगा, यह देश जरूर देखेगा।

> खेल में हार-जीत चिंता का सबब नहीं होना चाहिए, लेकिन पराजय ही जब मनोवृत्ति बन जाए और टीम विश्व कप तथा वैश्विक मैचों में पराजय की सोच के साथ ही उतरने लगे, तो कईतरफा सवाल उठने लगते हैं। करोड़ों रुपए का जो खर्च खिलाड़ियों पर किया जाता रहा है, वह भी फिजूल लगता है। सवाल ये भी किए जाने चाहिए कि क्या भारत में क्रिकेट की नई पीढ़ी ने जन्म लेना ही छोड़ दिया है अथवा हमारा उस पर फोकस ही नहीं है? ऑस्ट्रेलिया एकदिनी क्रिकेट का पांच बार का विश्व चैम्पियन है। वह 2021 में टी-20 क्रिकेट के फटाफट प्रारूप का भी विश्व चैम्पियन बना और अब पांच दिनी टेस्ट क्रिकेट का भी 'बादशाह' है। कुछ माह पहले ऑस्ट्रेलिया की यही भरी-पूरी टीम भारत के प्रवास पर थी, जब टीम इंडिया ने एकतरफा मुकाबलों में उसे पराजित कर शृंखला जीती थी। अब लंदन के 'ओवल' मैदान में हम एकदम फिसड्डी क्यों रहे? क्या फाइनल मुकाबले भी इस तरह एकतरफा होते हैं? दरअसल हमारे क्रिकेटरों की मानसिकता ऐसी हो चुकी है कि वे अपने खेल की आलोचना पसंद ही नहीं करते।

कुछ अलग

पर्यटक सैलाब के बीच

पर्यटन के रास्तों पर खलल डालता ट्रैफिक जाम और अपनी सूरत निहारती हिमाचल की सैलानी बस्तियां। इसके अनेक कारण हो सकते हैं, लेकिन अधोसंरचना से पर्यटन प्रबंधन तक अगर कुछ सीख लें, तो सडक़ों पर वाहनों की कतार जाम में नहीं फंसेगी। ट्रैफिक जाम की सूचना में पर्यटक सीजन की मांग फिर परिलक्षित करती है कि इस भीड़ को किस हद तक अपनाएं या सारे काफिलों को मंजिल कैसे दिखाएं। सप्ताहांत पर्यटन को ढोते वाहन इतनी शुमारी में डेस्टिनेशन पर्यटन को भर देते हैं कि सुकून ढूंढता सैलानी क्यों ऐसी खुमारी में खुद को परेशान करे। अटल टनल हो या अन्य मंजिलें वाहनों की गिनती में होता इजाफा बता रहा है कि सिरदर्द बढ़ता जाएगा। इसमें पर्यटक सीजन की औपचारिकताएं भी दोषी हैं। हर बार फर्ज अदायगी के लिए ट्रैफिक प्लान माथा पीटता है, लेकिन कार्यान्वयन की सुस्ती और अनुशासन हीनता में डूबी व्यवस्था के लिए ट्रैफिक सिर्फ एक आफत है-समाधान नहीं। किसी भी पर्यटक स्थल को मालूम नहीं कि वह जा किधर रहा और उसकी क्षमता में सीजन का दस्तूर क्या होना चाहिए। ग्रीन टैक्स को इक्का-दुक्का प्रयास भी असफल हैं, तो इसलिए कि सबसे चर्चित पर्यटक स्थल केवल बाजार बन गए या सारी घाटियों में कंक्रीट के जंगल उग आए। आखिर पर्यटक स्थल या पर्यटक सीजन है किसका। क्या यह प्रशासनिक दुरुस्ती से सही होगा या टीसीपी कानून के तहत योजनाओं ने सोचा ही नहीं कि पर्यटक या धार्मिक स्थलों को सैलानियों के सैलाब से कैसे उभारा जाए। अमूमन पर्यटक शहरों को जाती-आती सडक़ों पर हम वाहनों की गिनती करके अंदाजा लगा रहे हैं कि सीजन कैसे गुजरेगा, मगर सैलानियों के सुकून के लिए यह सफर सुखद नहीं। सोचने वाली बात यह नहीं कि ट्रैफिक जाम में कौन फंसा, बल्कि यह है कि पर्यटक सीजन की मारामारी में हिमाचल के अपने नागरिक भी कहीं फंस जरूर रहे हैं। अगर हिमाचल को पर्यटक राज्य बनना है, तो सर्वप्रथम यातायात के आदर्श बनाने होंगे। राज्य में पर्यटक आगमन सबसे अधिक निजी वाहनों से इसलिए होने लगा क्योंकि हिमाचल के भीतर टैक्सी सेवाएं सारे देश से महंगी हैं। दूसरी ओर पर्यटक शहरों के स्थानीय निकायों ने भी स्थानीय तौर पर साइट सीइंग प्रोग्राम नहीं बनाए। धर्मशाला व शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत 35 इलेक्ट्रिक बसें तो खरीद लीं, लेकिन इनका संचालन रूटीन में हो रहा है, जबकि कुछ बसों को टूरिस्ट बस सेवाओं के तहत पर्यटक रूटों पर चलाना चाहिए। इतना ही नहीं धार्मिक व पर्यटक स्थलों से दस या पंद्रह किलोमीटर पहले महापार्किंग की व्यवस्था करके सारे निजी वाहनों को रोक देना चाहिए, जबकि आगे का सफर पर्यटक वाहनों, रज्जु मार्गों या भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप नए मोड यानी सुरंगों या इसी तरह की अधोसंरचना निर्माण से भी संभव हो सकता है। हिमाचल के न केवल धार्मिक व पर्यटक शहर, बल्कि हर नगर में कम से कम चार मैदान विकसित करके हम पर्यटन की गतिविधियों, व्यापारिक मेलों तथा पार्किंग के लिए इनका समय-समय पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इतना ही नहीं प्रदेश के प्रवेश द्वारों पर पर्यटन पंजीकरण की पद्धति में सीजन का प्रबंधन आवश्यक है। एक ऐप के जरिए हर पर्यटक वाहन को आवश्यक जानकारियां व निर्देश देते हुए, हम बता सकते हैं कि इस वक्त कहां-कहां ट्रैफिक जाम है और विकल्प में क्या चुन सकते हैं। इसी तरह पर्यटक स्थलों के बारे में भी जानकारी देते हुए उनकी मंजिल बदली जा सकती है। आज अगर हम भीड़ में पर्यटन देख रहे हैं, तो कल यही नैराश्य भाव में डूब कर हिमाचल के अनुभव को नकारात्मक बना सकता है।

विश्व की एक-तिहाई से ज्यादा जीडीपी भारत में पैदा होती थी, गरीबी अथवा बेघरपन कल्पना से परे था

सभी के लिए आवास

अश्वनी महाजन

> अपवाद के रूप में कभी-कभी अकाल जैसी स्थितियों की चर्चा इतिहास में मिलती है, लेकिन देश में सबसे भीषण अकाल ब्रिटिश शासन के दौरान ही देखने को मिलता है। आजादी से पूर्व लगभग 150 वर्ष के ब्रिटिश शासन काल में देश में गरीबी बढ़ी, इस पर सभी इतिहासकार एक हैं। एक देश जहां सभी लोग अपनी छत के नीचे रहते थे, ब्रिटिश शासन के दौरान कृषि और उद्योगों के पतन के साथ बढ़ती गरीबी के चलते बड़ी संख्या में लोग बेघर होते चले गए। 1947 में देश के विभाजन ने इस समस्या को और अधिक बढ़ा दिया। आजादी के बाद हर जनगणना में बेघर लोगों का बड़ा आंकड़ा दिखाई देता है। लेकिन वे सब लोग जो अपने घरों में अपनी छत के नीचे रहते रहे हैं, उनमें से भी एक बड़ा हिस्सा कच्चे और अत्यंत जीर्ण घरों में निवास करता रहा है।

प्राचीन काल में भारत में आवासविहीन लोगों का कोई जिक्र नहीं मिलता है। एक ऐसा देश जो धनाढ्य था, जहां उद्योग और कृषि उन्नत अवस्था में थे और विश्व की एक-तिहाई से ज्यादा जीडीपी भारत में पैदा होती थी, गरीबी अथवा बेघरपन कल्पना से परे था। अपवाद के रूप में कभी-कभी अकाल जैसी स्थितियों की चर्चा इतिहास में मिलती है, लेकिन देश में सबसे भीषण अकाल ब्रिटिश शासन के दौरान ही देखने को मिलता है। आजादी से पूर्व लगभग 150 वर्ष के ब्रिटिश शासन काल में देश में गरीबी बढ़ी, इस पर सभी इतिहासकार एक हैं। एक देश जहां सभी लोग अपनी छत के नीचे रहते थे, ब्रिटिश शासन के दौरान कृषि और उद्योगों के पतन के साथ बढ़ती गरीबी के चलते बड़ी संख्या में लोग बेघर होते चले गए। 1947 में देश के विभाजन ने इस समस्या को और अधिक बढ़ा दिया। आजादी के बाद हर जनगणना में बेघर लोगों का बड़ा आंकड़ा दिखाई देता है। लेकिन वे सब लोग जो अपने घरों में अपनी छत के नीचे रहते रहे हैं, उनमें से भी एक बड़ा हिस्सा कच्चे और अत्यंत जीर्ण घरों में निवास करता रहा है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) के 65वें चक्र के अनुसार सम्पूर्ण देश में 12.6 प्रतिशत गृहस्थ पूर्णतया कच्चे घरों में रहते थे। ग्रामीण क्षेत्र में यह आंकड़ा 17 प्रतिशत का था और शहरों में 2.1 प्रतिशत का। इसके अलावा 21.3 प्रतिशत लोग आधे-अधूरे पक्के घरों में रहते थे। इसके अलावा 2011 की जनगणना के अनुसार 77.7 लाख लोग बेघर थे। गरीबी के चलते कच्चे और अधूरे पक्के मकानों में आवास करते लोगों के बारे में यह अपेक्षा भी करना बेमानी होगा कि उनके घरों में पर्याप्त पेयजल और शौचालय इत्यादि की भी व्यवस्था होगी। सामान्यतः गांवों में पक्के घरों में निवास करने वाले लोगों के पास भी उचित पेयजल अथवा शौचालय इत्यादि की व्यवस्था होना जरूरी नहीं। हालांकि एनएसएसओ के आवास संबंधी सर्वेक्षणों में लगातार कच्चे घरों की तदाद में लगातार कमी आई है और उसके स्थान पर पक्के घरों का अनुपात ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बढ़ा है। इस संबंध में देश में वास्तविक प्रतिव्यक्ति आय में वृद्धि का योगदान अधिक रहा है। लेकिन देखा जाए तो हालांकि पूर्व में सरकारों द्वारा शहरी और ग्रामीण आवास में सुधार हेतु हमेशा कुछ न कुछ खर्च होता रहा है। तमाम प्रकार की आवास परियोजनाओं का भी जिक्र मिलता है। इन सब योजनाओं और परियोजनाओं को या तो रोजगार सृजन कार्यक्रमों के साथ अथवा आसान शर्तों और कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराते हुए आवास की व्यवस्था की जाती रही। लोगों के स्वयं के प्रयास से अथवा सरकारी मदद से उधार

लेकर अथवा सरकार द्वारा सस्ते दामों में भूमि आवंटन इत्यादि के माध्यम से आवास में विकास होता रहा है। देश में ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्र में पक्के घरों के निर्माण हेतु केन्द्र और राज्य सरकारों के सम्मिलित प्रयास से 25 जून 2015 में प्रारंभ प्रधानमंत्री आवास योजना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। स्लम बस्तियों समेत आर्थिक दृष्टि से विपन्न, निम्न आय वर्ग एवं मध्यम आय वर्ग, सभी को शामिल करते हुए हर पात्र गृहस्थ को वर्ष 2022 तक एक पक्का मकान उपलब्ध कराने के लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना और प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना प्रारंभ की गई थी। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) : 25 जून 2015 को प्रारंभ इस योजना में विभिन्न प्रकार की श्रेणियों में घरों की कमी की समस्या से निपटने के लिए योजना बनाई है। इस योजना के अनुसार वर्ष 2022 तक आर्थिक रूप से विपन्न/निम्न आय वर्ग, स्लम निवासी एवं मध्यम आय वर्ग के श्रेणी के सभी लोगों को पक्के घर की व्यवस्था करने का लक्ष्य रखा गया। लक्ष्य तो यह था कि जब देश अपनी आजादी के 75 साल पूर्ण कर रहा होगा तो सभी के पास एक पक्का घर होगा। इस योजना में घरों की कमी के बारे में राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में घरों की कमी के बारे में आकलन लगाया जाना तय किया गया। राज्य स्तर पर नोडल एजेंसियों, शहरी स्थानीय निकायों, केन्द्रीय नोडल एजेंसियों और प्राथमिक ऋण दाता संस्थाओं को इसमें मुख्य हितधारक के रूप में रखा गया। सभी प्रकार के शहरी क्षेत्र जिसमें सरकारी कस्बे, अधिघोषित योजना क्षेत्र, विकास प्राधिकरण, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, औद्योगिक विकास प्राधिकरण समेत सभी प्रकार के क्षेत्रों को इसमें शामिल किया गया। यह तय किया गया कि जो घर बनाए जाएंगे, उनमें शौचालय, जल आपूर्ति, बिजली और रसोई की मौलिक सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से नए बने घर या तो महिला के नाम होंगे अथवा संयुक्त नाम से।

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की बात कहें तो 1.23 करोड़ घरों के निर्माण के लिए स्वीकृति दी जा चुकी है, 1.1 करोड़ घरों की शुरुआत होने के बाद 71 लाख घर बन चुके हैं। 2.03 लाख करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता के वचन के साथ 1.41 लाख करोड़ रुपए की सहायता राशि दी जा चुकी है। इन घरों के निर्माण में कुल 8.31 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो चुका है। प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना की बात करें तो भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय का लक्ष्य 2.94 करोड़ घरों के निर्माण का था, जबकि 3.17 करोड़ लोगों ने इस हेतु पंजीयन कराया जिसमें से 2.85 करोड़ घरों के निर्माण की स्वीकृति दी गई, जिसमें से 2.16 करोड़ घर अभी तक बन चुके हैं और इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा 2.86 लाख करोड़ रुपए दिए जा चुके हैं।

क्या है प्रधानमंत्री आवास योजना : जून 2015 में शुरू की गई इस योजना में केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा 60:40 प्रतिशत अनुपात में राशि दी जाने का प्रावधान रखा गया। जबकि उत्तर-पूर्व और पर्वतीय इलाकों में यह प्रतिशत 90:10 का रखा गया। जहां तक सहायता का प्रश्न है मैदानी इलाकों में हर एक घर के निर्माण के लिए पहले 70 हजार रुपए दिए जाते थे, अब उसे बढ़ाकर 1.20 लाख रुपए दिए जाते हैं और पर्वतीय क्षेत्रों में यह राशि 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.30 लाख रुपए कर दिए गए हैं। इस योजना का लाभ सही लाभार्थियों तक पहुंचे, इसके लिए तीन स्तर पर सत्यापन किया जाता है। पहला सामाजिक, आर्थिक, जाति, जनगणना-2011, दूसरे ग्राम सभा और तीसरे जीओ टैगिंग। जीओ टैगिंग से मतलब है कि उपग्रह से प्राप्त भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) के उपयोग से घर निर्माण के स्थान का सटीक नक्शा।

सबके लिए आवास का मतलब : समझना होगा कि कच्चे घरों में रहने वाले और आवासविहीन लोगों का जीवन अत्यंत कष्टमयी होता है। उन्हें अपना शौचालय, पेयजल और कुल मिलाकर सम्मानित जीवन नहीं नसीब होता। पक्का घर और उसके साथ शौचालय और पेयजल, जिसकी व्यवस्था भी सरकार द्वारा साथ-साथ की जा रही है, देश में गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले लोगों के लिए वास्तव में एक सुखद अनुभूति है। यह दुनिया की कतार में भारत को एक ऐसा देश बनाने, जिसमें सबके पास अपना घर हो, भारत को एक सम्मानित स्थान दिलाने में बड़ी भूमिका का निर्वहन कर सकता है। मुफ्त में बिजली, पानी और अन्य प्रकार की मुफ्तखोरी से यह योजना कहीं बेहतर कही जा सकती है। इस पर योजनाबद्ध ढंग से काम होना चाहिए।

अदालतों की सुरक्षा और अपराध बनता चुनौती?

> लखनऊ के कौसरबाग़ की अदालत में हुईं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव महेश्वरी उर्फ़ जीवा की हत्या कम से कम यही साबित करती है। हालांकि यह कोई नई घटना नहीं है। अदालतों में गोलीकांड की एक नहीं अनगिनत घटनाएं हैं। यही हालात जेलों की है यहाँ भी कभी-कभी ऐसी घटनाएं होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद ला-एण्ड-ऑर्डर का सवाल उठाया है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सरकार को घेरा है। पत्रकारों से अपराध का डाटा भी गिनाते दिखे। कन्नौज की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाया है। लखनऊ राज्य की राजधानी है। यह सत्ता का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मंत्रालय, पुलिस महानिदेशक सब यहीं रहते हैं। लेकिन राज्य की राजधानी लखनऊ भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ होकर अदालत में घुसकर गोलियां बरसाते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के बुलडोजर और एनकाउंटर नीति से जरा भी भय नहीं दिखता। गैंगवार की इस अघोषित लड़ाई में माफिया तो मरते हैं। निर्दोष पुलिस और आम आदमी भी शिकार होता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में स्वयं माफियाराज खत्म करने का दावा करते हैं। सरकार यह ढिंढोरा पीटती है कि राज्य से अपराध का समूल सफाया हो गया है। लेकिन तस्वीर इसके उलट है। अदालतें और जेल भी सुरक्षित नहीं है। लखनऊ के कौसरबाग़ की अदालत में हुईं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव महेश्वरी उर्फ़ जीवा की हत्या कम से कम यही साबित करती है। हालांकि यह कोई नई घटना नहीं है। अदालतों में गोलीकांड की एक नहीं अनगिनत घटनाएं हैं। यही हालात जेलों की है यहाँ भी कभी-कभी ऐसी घटनाएं होती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद ला-एण्ड-ऑर्डर का सवाल उठाया है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराध और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सरकार को घेरा है। पत्रकारों से अपराध का डाटा भी गिनाते दिखे। कन्नौज की घटना पर भी उन्होंने सवाल उठाया है। लखनऊ राज्य की राजधानी है। यह सत्ता का केंद्र बिंदु है। मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, मंत्रालय, पुलिस महानिदेशक सब यहीं रहते हैं। लेकिन राज्य की राजधानी लखनऊ भी सुरक्षित नहीं है। अपराधी बेखौफ होकर अदालत में घुसकर गोलियां बरसाते हैं। उन्हें मुख्यमंत्री के बुलडोजर और एनकाउंटर नीति से जरा भी भय नहीं दिखता। गैंगवार की इस अघोषित लड़ाई में माफिया तो मरते हैं। निर्दोष पुलिस और आम आदमी भी शिकार होता है। जिसका इस लड़ाई से कोई ताल्लुक नहीं होता। पुलिस सुरक्षा और उसकी मौजूदगी में बढ़ती इस तरह की घटनाएं आम से लेकर ख़ास लोगों में भय पैदा करती हैं। जब अदालते नहीं सुरक्षित हैं तो आम आदमी न्याय की उम्मीद कैसे कर सकता है। न्यायधीश को लोग न्याय का देवता मानते हैं। जब उसका मंदिर भी असुरक्षित है तो आम आदमी किससे उम्मीद करे। यह सवाल जायज और चिंता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबित लखनऊ की कैसरबाग की अदालत में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के माफिया संजीव माहेश्वरी उर्फ जीवा की ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर हत्या कर दी जाती है। इस घटना में जहां दो पुलिसकर्मी घायल हुए वहीं एक डेढ़ साल की मासूम और उसकी मां को भी गोली लगती है। जीवा पूर्वांचल के माफिया से राजनेता बने मुख्तार अंसारी का करीबी बताया गया है। उसने भाजपा नेता ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या की थी। जिसके बाद उसे आजीवन कारावास की सजा मिली थी। वह मुजफ्फरनगर का रहने वाला था। जीवा हत्या और दलित उत्पीड़न के मामले में अदालत में पेशी पर आया था। अधिवक्ताओं ने बहादुरी दिखाते हुए गोलीकांड के आरोपी को पकड़ लिया और उसकी अच्छी कुटाई भी किया। वह जौनपुर के केराकत का रहने वाला है। उसका नाम विजय यादव है। पुलिस उसका आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है कि आखिर इसने जीवा की हत्या क्यों और किसके कहने पर किया। इस घटना के बाद राज्य मुख्यालय में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस महानिदेशक ने अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था को और दुरुस्त करने का आदेश दिया है। अदालत परिसर में इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद जीवा की हत्या करने का आरोपी अधिवक्ता के भेष में सीधे कोर्ट रूम में कैसे घुस गया। अदालत परिसर और कोर्ट रूम के बाहर पुलिस की अच्छी-खासी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। बिना जांच-पड़ताल के न्यायाधीश की अदालत में ऐसे लोगों को क्यों जाने दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जीवा के अदालत में पेश होने के पहले ही हत्या का आरोपी अधिवक्ता के भेष में वहां बैठा था। यह सब कैसे संभव है। निश्चित रूप से कहीं न कहीं से सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला है। माफिया से राजनीति में प्रवेश करने वाले अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की भी अप्रैल में कुछ इसी तरह गोली मारकर हत्या कर दी गयीं थी। जब उसे प्रयागराज के काल्विन अस्पताल से मेडिकल जांच के बाद जब पुलिस अभिक्षा में लाया जा रहा था उसी दौरान ताबड़तोड़ गोलियां बरसा कर दोनों भाइयों की हत्या कर दी गयीं। इस घटना के बाद सनसनी फैल गई और सरकार के कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे। लेकिन इसके बाद भी कोई सबक नहीं लिया गया। पूर्वांचल का माफिया डॉन मुन्ना बजरंगी की भी जेल में गोली मारकर कर इसी तरह हत्या कर दी गई थी। जबकि अपराधियों के लिए जेल सबसे सुरक्षित मानी जाती है। लेकिन इसके बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई खास सुधार नहीं हो पाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ की छवि अपराध के खिलाफ बेहद सख्त मानी जाती है। अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर और एनकाउंटर नीति देश की मीडिया में छायी रहीं, लेकिन इसके बावजूद भी अपराधियों के हौसले पस्त नहीं हुए। सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अदालत में अब इनकी धमक पहुंच गयीं है। यह वाजिब सवाल है कि हम किसी अपराधी के महिमामंडन की बात नहीं करते हैं। अतीक, असरफ, मुन्ना बजरंगी और जीवा के मरने की वकालत हम नहीं कर रहे हैं। क्योंकि सभी लोग एक अपराधी थे और अपराधी की तरह मारे गए। कहा भी गया है जो जैसा बोएगा वैसा काटेगा। लेकिन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तो सवाल उठेंगे। क्योंकि यह सरकार और कानून-व्यवस्था से जुड़ा सवाल है। सम्बंधित घटनाओं से यह साबित होता है कि अपराधियों में मुख्यमंत्री के एनकाउंटर नीति का कोई खौफ नहीं है। अगर ऐसा होता तो निश्चित रूप से मेडिकल जांच से आते समय अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या न होती। अदालत परिसर में जीवा खुले आम गोलियां का शिकार न बनता। उदाहरण के लिए यह दो घटनाएं साबित करती हैं कि उत्तर प्रदेश में माफियाराज की जडें अभी काफी मजबूत हैं। उन्हें कहीं न कहीं से खाद-पानी मिल रहा है। अतीक की हत्या करने वाले पत्रकार के वेश में आए थे जबकि जीवा को ठिकाने लगाने वाला अधिवक्ता के रूप में आया। यह साबित होता है कि अपराध अपना ट्रेंड और तरीका भी बदल रहा है। इस तरह की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस को भी अपना नजरिया बदलना होगा। अदालतों और जिलों की सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करन होगी। क्योंकि मामला कानून-व्यवस्था से जुड़ा है।

देश दुनीया से

सीमित दायरे में ओपीएस क्यों?

13 जनवरी 2023 का ऐतिहासिक दिन कर्मचारियों के लिए हमेशा याद रहने वाला अध्याय छोड़ कर गया है। प्रदेश का सरकारी कर्मचारी हमेशा इसे याद रखेगा क्योंकि इसी दिन कर्मचारियों की लंबित मांग को वर्तमान की सुक्खू सरकार ने मानते हुए ओपीएस को लागू करने की घोषणा की और अब पुरानी पेंशन को लागू भी कर दिया। पुरानी पेंशन सरकारी कर्मचारियों के लिए बेहतर और सुरक्षित विकल्प है। ओपीएस बहाली की घोषणा करने वाला हिमाचल प्रदेश देश का पांचवां राज्य बन गया है। पुरानी पेंशन की मांग को स्वीकारते हुए लगभग डेढ़ लाख कर्मचारियों को बुढ़ापे का सहारा देकर इतिहास रचा है। विधानसभा चुनाव के दौरान ओपीएस को बहाल करना वर्तमान सरकार की दस में से एक गारंटी थी और इसी गारंटी ने सरकार को सत्ता में आने के लिए फायदा भी दिया। प्रदेश का ऐसा सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने जो वादा किया था वो सत्ता में आने के बाद पूरा भी किया। प्रदेश के लाखों कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली के लिए वर्ष 2015 से लगातार संघर्षरत थे तथा अब एक अप्रैल 2023 से उनको इसका लाभ मिलना शुरू भी हो जाएगा। जिस प्रदेश का मुखिया अपनी कार्यशैली से अपने लोगों के जीवन की खुशहाली के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारता है, तब उस प्रदेश के सुखद भविष्य को कोई नकार नहीं सकता। कर्मचारी किसी भी सरकार की रीढ़ होते हैं। उन्हीं के कठिन परिश्रम और सहयोग से राज्य सरकार अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को सही दिशा में क्रियान्वित कर सकती है। कर्मचारियों का स्वाभिमान लौटाने तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए पुरानी पेंशन योजना पर ऐतिहासिक फैसला लिया गया है। प्रदेश के संसाधन सीमित होने के बाद भी मुख्यमंत्री सुक्खू ने यह फैसला लिया जिसका अनुसरण अब दूसरे प्रदेश भी करेंगे जिनके संसाधन हमसे बेहतर हैं। वर्ष 2003 से सेवानिवृत्ति के पश्चात कर्मचारियों की स्थिति दयनीय बनती जा रही थी। चंद रुपए जो पेंशन के रूप में मिलते थे उससे घर का खर्च चलाने के लाले पड़ जाते थे। इसी स्थिति को भांपते हुए कर्मचारियों ने एकजुटता का रास्ता अपनाया और संघर्ष किया तथा प्रदेश के मुखिया ने ओपीएस रूपी फल प्रदेशवासियों को प्रदान किया। आंदोलन के समय में भी हिमाचल के बोर्ड और निगमों के कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़ कर सहयोग दिया और धर्मशाला आभार रैली में भी अपना समर्थन दिया। लगातार कई वर्ष मेहनत करने के बाद एक व्यक्ति कर्मचारी चयन आयोग या लोक सेवा आयोग से चयनित होकर नौकरी में आता है। चयन आयोग उनको विभागों में या बोर्ड या कॉर्पोरेशन में नियुक्ति देता है। प्रदेश के इतिहास का काला सच यह भी है कि प्लेसमेंट अगर विभागों में होती है तो आज उन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा, पेंशन उनके बुढ़ापे का सहारा बनेगी और जिंदगी के आखिरी मुकाम में उनको ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगी। लेकिन अगर बिजली बोर्ड, एचआरटीसी और शिक्षा बोर्ड में भी होती है तब भी पेंशन मिलेगी, लेकिन इसके अलावा भी 15 से 20 ऐसे बोर्ड व कॉर्पोरेशन तथा सहकारी विपणन संघ हैं जो पेंशन से वंचित हैं जिनमें कर्मचारियों की संख्या लगभग 10000 के करीब है तथा लगातार यह संख्या कम होती जा रही है। इन संगठनों में कार्यरत कर्मचारी समझ ही नहीं पा रहे हैं कि वे क्या सरकारी कर्मचारी हैं, धन्नासेठों के कर्मचारी हैं या प्राइवेट कर्मचारी हैं। सरकार ने खुद के बनाए हुए इन संगठनों के प्रति कभी गंभीरता से नहीं सोचा। इन कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफओ) में रखकर उनका मानसिक शोषण हो रहा है। कई बार इन कर्मचारियों ने अपनी मांग रखी, लेकिन भूतकाल की सरकारों ने ध्यान देने की तकल्लूफ नही उठाई और न तो इनकी यूनियनें इतनी मजबूत हैं कि अपनी जायज बात मनवाने के लिए सरकार को विवश कर दें।

> विधानसभा चुनाव के दौरान ओपीएस को बहाल करना वर्तमान सरकार की दस में से एक गारंटी थी और इसी गारंटी ने सरकार को सत्ता में आने के लिए फायदा भी दिया। प्रदेश का ऐसा सौभाग्य है कि मुख्यमंत्री सुक्खू ने जो वादा किया था वो सत्ता में आने के बाद पूरा भी किया। प्रदेश के लाखों कर्मचारी पुरानी पेंशन की बहाली के लिए वर्ष 2015 से लगातार संघर्षरत थे तथा अब एक अप्रैल 2023 से उनको इसका लाभ मिलना शुरू भी हो जाएगा। जिस प्रदेश का मुखिया अपनी कार्यशैली से अपने लोगों के जीवन की खुशहाली के लिए योजनाओं को धरातल पर उतारता है, तब उस प्रदेश के सुखद भविष्य को कोई नकार नहीं सकता।

नागरिक बोध

मेरा हाकिम सो रहा है...

रेडियो पर पुरानी फिल्म 'किस्मत' का गाना मधुर आवाज़ में बज रहा था, 'धीरे-धीरे बादल आ रे धीरे, शोरगुल न मचा, मेरा बुलबुल सो रहा है बंद कर के आँखें।' कुछ सोचते हुए उनकी नजऱ अख़बार में छपी उस ख़बर पर गड़ गई जिसमें बताया गया था कि उत्तर-पूर्व के एक राज्य में एक महीने से जारी जातीय हिंसा में सौ से ऊपर लोग मारे जा चुके थे, सामूहिक बलात्कार हो रहे थे, घर, दुकानें, स्कूल, मन्दिर और चर्च जलाए जा रहे थे, हज़ारों बेघर लोग विस्थापित हो चुके थे और उपद्रवी सरकारी हथियारों को ऐसे लूट रहे थे मानो राम और ईसा के नामों की लूट मची हो। उन्हें लगा मानो लूटना ज़रूरी था वरना क्या पता कबीर के शब्दों में अन्त समय में पछताना पड़ता। कहीं राम स्वर्ग में और ईसा हैवन में जगह देने से मना कर दें तो। उनकी नजऱ दूसरी बड़ी ख़बर पर पड़ी। हाकिम ने अपने हाथ में कथित राजदंड लेकर राष्ट्रपति या विपक्ष के बग़ैर संसद के नए भवन का उद्घाटन अकेले ही कर डाला था। इन बॉक्स उन महिला पहलवानों की ख़बर थी, जो एक माननीय सत्ताधीश पर शारीरिक शोषण के आरोपों के बाद उसकी गिरफ्तारी की माँग कर रही थीं। पर इस माननीय सत्ताधीश ने बाज़ार हो चुके लोकतंत्र के दलदल में पहलवानों को सत्ताई धोबी पाट से चित्त कर दिया था। भारतीय पुलिस ने अपने जगत विख्यात आचरण के तहत पाँच महीनों से धरने-प्रदर्शन कर रही पहलवानों को सडक़ पर घसीटने के बाद उन्हीं पर केस दायर कर दिए थे। अन्दर के पन्ने पलटे तो महिलाओं के साथ अत्याचारों, अपहरण, चोरी वग़ैरह के समाचारों के अलावा भारत को विश्वगुरू और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ इकॉनमी बनाने के दावे थे। दुःखी होकर उन्होंने पड़ोसी से उधार लिया अख़बार एक तरफ रख दिया। सरकारी होता तो शायद ग़ुस्से में पटक देते या फाड़ देते। वह सोचते रहे कि लोग वही बातें क्यों बोलते हैं जो हाकिम को अच्छी लगती हैं। जबकि बकरीवाद का प्रणेता हाकिम जब भी बोलता है, मैं-मैं ही करता है। लोगों को सपने तो बेचता है पर देश की समस्याओं पर कभी नहीं बोलता। राग बकरी, राग मोडानी, राग सत्ता, राग स्वयम्भू या राग सर्वज्ञाता के अलावा हाकिम कभी राग जगत कल्याण क्यों नहीं गाता या बजाता। गाना खत्म होने पर उद्घोषक ने घोषणा करते हुए बताया कि हाकिम 11 बजे देशवासियों से अपने मन की बात करेंगे। उन्होंने सोचा कि क्या हाकिम सत्ता के नशे में आत्ममुग्ध होकर धनानन्द ही बने रहेंगे या कभी देशवासियों के मन की बात भी सुनेंगे। वह सोचने लगे कि हर युग में अगर हाकिम सोया न होता तो विशाखदत्त 'मुद्रा राक्षस', भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 'चौपट नगरी' और जॉर्ज ऑरवेल 'बिग ब्रदर' न घड़ते। रेडियो पर अगला गीत बजने लगा था, 'नशा शराब में होता तो नाचती बोतल, नशे में कौन नहीं है बताओ तो जऱा।' वह सोचने लगे कि नशा तो शराब में ही होता है।

अमेजन प्लेन क्रैश के बाद 4 दिन जिंदा थी मां : कहा था- मुझे छोड़ो, अपनी जान बचाओ ; बच्चों ने जंगल में 40 दिन गुजारे

बोगोटा।

अमेजन के जंगलों में प्लेन क्रैश के 40 दिन बाद मिले 4 बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बच्चों ने रिश्तेदारों को बताया कि 40 दिन तक उन्हें जंगल में क्या-क्या झेलना पड़ा। बच्चों ने कहा कि हादसे के शुरुआती 4 दिन तक उनकी मां जिंदा थी। चार बच्चों में 13 साल की लेस्ली सबसे बड़ी है। बाकी तीन की उम्र 9, 4 और 1 साल है। लेस्ली की मां की दो शादियां हुई थीं। पहली शादी से उन्हें 2 संतानें लेस्ली और सोलेनी हुईं। दूसरी शादी से 2 संतानें टीएन नॉरियल और क्रिस्टीन हुईं। नॉरियल और क्रिस्टीन के पिता मैनुअल रानोक को लेस्ली ने बताया कि हादसे के बाद मां ने कहा था कि बच्चे वहां से चले जाएं और खुद को बचाएं। बच्चों ने बताया कि शुरुआती दिनों में वो सांप, जहरीले जानवर और मच्छरों से बचने के लिए पेड़ों के तने में छिपते थे। जब प्लेन क्रैश हुआ तब सबसे छोटी 1 साल की बच्ची मलबे में फंस गई थी। लेस्ली ने किसी तरह उसे बचाया था।

बच्चों के हाथ-पैर पर थे मच्छरों के काटने के निशान

सर्च ग्रुप के एक मेंबर ने बताया कि जब उन्हें बच्चे मिले थे तो उनके हाथ-पैरों में मच्छरों के काटने के बहुत सारे निशान थे। वो बुरी तरह से थके हुए और भूखे थे। उन्होंने रेस्क्यू टीम से राइस पुडिंग और ब्रेड खाने की मांग की थी। उनके पास 2 बैग में कुछ कपड़े, एक टॉर्च, 2 फोन, एक म्यूजिक बॉक्स और एक सोडा की बोतल थी।

कस्टडी की लड़ाई शुरू, नाना का आरोप- पत्नी को मारता था बच्चों का पिता

अब बच्चों की कस्टडी को लेकर उनके नाना-नानी और 2 सबसे छोटे बच्चों के पिता के बीच लड़ाई शुरू हो गई है। बच्चों के नाना नार्सिसो मुकुटुए ने कहा- बच्चों का पिता रनॉक हमारी बेटी को मारता था। तब बच्चे कई बार डरकर जंगल के पास के इलाकों में छिप जाते थे। पिता रनॉक ने इस बात को माना है कि उनके परिवार में तनाव था। उन्होंने कहा- मेरा पत्नी से कभी-कभी झगड़ा हो जाता था, लेकिन ये हमारा पारिवारिक मामला है। इसका ये मतलब नहीं कि मुझे कस्टडी नहीं मिलनी चाहिए। मुझे दोनों बड़े बच्चों से मिलने भी नहीं दिया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

तो अब सर्गेई लावरोव ने लगाया 'पाकिस्तान-रूसी दोस्ती' जिंदाबाद का नारा!

इस्लामाबाद। रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने रिश्तों का दायरा बढ़ाने और उसे और गहरा करने का प्रस्ताव रखा है। रूस ने पाकिस्तान के साथ अपने कूटनीतिक संबंध स्थापित होने की 75वीं सालगिरह पर ये प्रस्ताव रखा। इसके ठीक पहले बीते सप्ताहांत रूसी तेल की पहली खेप कराची बंदरगाह पर पहुंची। यह खबर आई कि पाकिस्तान ने इस तेल के बदले भुगतान चीन की मुद्रा युवान में किया है। राजनयिक हलकों में इसे काफी महत्व दिया गया है कि कूटनीतिक संबंध स्थापित होने की 75वीं सालगिरह पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पाकिस्तान के लिए एक विशेष वीडियो संदेश जारी किया। इस संदेश में उन्होंने पाकिस्तान के साथ संबंधों का दायरा बढ़ाने की इच्छा जताई। इस संदेश को दुनिया में तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक माहौल से जोड़ कर देखा जा रहा है। समझा जाता है कि रूस की यह पहल पाकिस्तान को पश्चिमी खेमे से दूर करने की कोशिश का हिस्सा है। अपनी स्थापना के बाद से पाकिस्तान पश्चिमी खेमे के साथ रहा है। शीत युद्ध के समय सोवियत संघ से उसके रिश्ते बहुत खराब थे। लेकिन हाल में दोनों देशों ने संबंध बढ़ाने की कोशिशें की हैं। विश्लेषकों के मुताबिक संबंध बढ़ाने की कोशिशें कई वर्षों से कूटनीतिक स्तर पर चल रही थीं। अब उसके नतीजे सामने आने के संकेत हैं। बीते अप्रैल में दोनों पक्षों ने एक महत्वपूर्ण करार किया, जिसके तहत रूस पाकिस्तान को रियायती दर पर कच्चा तेल देने को सहमत हुआ। उसी समझौते के तहत तेल की पहली खेप पिछले शनिवार को पाकिस्तान पहुंची। लावरोव ने अपने संदेश में कहा- 'हम इस बात से वाकिफ हैं कि पाकिस्तान के लोग रूस और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति सम्मान का भाव रखते हैं।

नॉर्थ कोरिया में आत्महत्या पर बैन: तानाशाह किम ने कहा- ये देशद्रोह है; गरीबी-भुखमरी से इस साल सुसाइड के मामले 40प्रतिशत तक बढ़े

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया में आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसे देखते हुए तानाशाह किम जोंग उन ने एक सीक्रेट आदेश जारी करके सुसाइड को बैन कर दिया है। उन्होंने इसे देशद्रोह बताया है। आदेश में अधिकारियों को आत्महत्याओं को रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। अगर पूरे नॉर्थ कोरिया में देशद्रोह का कोई भी मामला सामने आया तो अधिकारियों को इसका जिम्मेदार ठहराया जाएगा। नॉर्थ कोरिया के अधिकारी ने रेडियो फ्री एशिया से बात करते हुए इसकी जानकारी दी। साउथ कोरिया की नॉर्थ कोरिया में मई तक पिछले साल की तुलना में सुसाइड के 40प्रतिशत ज्यादा मामले दर्ज किए गए। चोंगजिन प्रान्त में इस साल सुसाइड के 35 मामले सामने आए। इनमें से ज्यादातर केस पूरे परिवार के एक साथ आत्महत्या करने के हैं। लोगों ने सुसाइड नोट में वहां के सोशल सिस्टम की आलोचना की है। उन्होंने आत्महत्या का कारण बढ़ती गरीबी और बेरोजगारी बताया। डब्लूएचओ की 2019 की रिपोर्ट के मुताबिक, नॉर्थ कोरिया में हर 1 लाख लोगों पर 8.2 आत्महत्याएं हुईं। हालांकि, किम ने अब तक सुसाइड केस का ऑफिशियल डेटा जारी नहीं किया है। ने बताया कि किम के देश में हिंसक अपराधों के केस भी लगातार बढ़ रहे हैं।

क्यूबा में स्थापित चीन के जासूसी कैंप पर अमेरिका ने जताई चिंता, कहा- ऐसी उम्मीद नहीं थी

वाशिंगटन। चीन के जासूसी अभियान पर व्हाइट हाउस ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने क्यूबा सरकार के प्रति चिंता जाहिर की। बता दें, चीन क्यूबा सरकार की रजामंदी से उनके देश में जासूसी अभियान को अंजाम दे रहे हैं। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने बताया कि चीन के साथ हमारे रिश्ते काफी तनावपूर्ण हैं। लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडन चीन के साथ बात करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। किर्बी ने कहा कि चीन क्यूबा से जासूसी अभियान को अंजाम दे रहा है, इसपर विश्वास नहीं होता। चीन के इस कदम से राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा पर असर पड़ सकता है। एक दिन पहले ब्लिंकन ने कहा था कि चीन विदेशों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से चीन ने क्यूबा में विस्तार कर रहा है। लेकिन बाइडन सरकार आते ही चीन अपने इन प्रयासों में थोड़ा धीमा पड़ गया। ब्लिंकन के दावे को चीन ने ही खारिज कर दिया था। व्हाइट हाउस में पदस्थ जॉन किर्बी, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में रणनीतिक संचार के समन्वयक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के लिए काफी उत्सुक हैं। यहां एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि क्वाड में भारत और अमेरिका एक दूसरे को सहयोग करते हैं। हमारे बीच रक्षा साझेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है।

अमेरिका में पीएम मोदी का होगा ऐतिहासिक स्वागत

आधिकारिक डिनर के बाद बाइडन परिवार के निजी भोज में होंगे शामिल

वॉशिंगटन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 19 जून से अमेरिका के दौरे पर जाने वाले हैं। पीएम मोदी के इस दौरे को लेकर अमेरिका में भी काफी उत्साह का माहौल है और वहां की सरकार की तरफ से पीएम मोदी के दौरे को लेकर लगातार जानकारियां साझा की जा रही हैं। अब खबर आई है कि अमेरिका में आधिकारिक डिनर कार्यक्रम के अलावा राष्ट्रपति जो बाइडन का परिवार भी पीएम मोदी के लिए डिनर कार्यक्रम का निजी आयोजन करेगा। 22 जून को पीएम मोदी के सम्मान में स्टेट डिनर का आयोजन किया जाएगा। वहीं 21 जून को पीएम मोदी, बाइडन परिवार के निजी आमंत्रण पर डिनर कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बाइडन परिवार के साथ निजी डिनर कार्यक्रम में शामिल होंगे पीएम मोदी

बता दें कि पीएम मोदी, अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रथम महिला जिल बाइडन के बुलावे पर अमेरिका जा रहे हैं। इस दौरान पीएम मोदी का अमेरिका में भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया जाएगा। पीएम मोदी 21 जून को वॉशिंगटन पहुंचेंगे, जहां शाम में राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके परिवार के आमंत्रण पर वह एक निजी डिनर कार्यक्रम में शामिल होंगे। जिसकी मेजबानी राष्ट्रपति बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन करेंगी। हालांकि अभी तक इस डिनर कार्यक्रम के वेन्यू का खुलासा नहीं किया गया है।

इसके अगले दिन यानी कि 22 जून को पीएम मोदी के सम्मान में राष्ट्रपति भवन के साउथ लॉन में एक भव्य डिनर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस स्टेट डिनर में अमेरिका और भारत के कई नामी-गिरामी लोग शामिल होंगे। यह एक भव्य आयोजन होगा। ऐसी भी जानकारी है कि 23 जून को पीएम मोदी अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन के साथ अमेरिकी सरकार द्वारा आयोजित लंच कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि पीएम मोदी के अमेरिका दौरे पर दोनों देशों के बीच तकनीक, शिक्षा, ट्रेनिंग आदि मुद्दों पर बात होगी। जल्द ही दौरे को लेकर विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी।

भारतीय मूल के लोगों में भारी उत्साह

पीएम मोदी के अमेरिका दौरे को लेकर अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में काफी उत्साह है। सैंकड़ों की तादाद में भारतीय मूल के लोग बसों में भरकर विभिन्न शहरों से वॉशिंगटन डीसी पहुंचेंगे। बड़ी संख्या में भारतीयों के वॉशिंगटन डीसी आने के चलते राजधानी में होटल्स फुल हो गए हैं और होटल के कमरों का किराया भी बढ़ गया है। कई संगठनों ने न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क जैसे शहरों से भारतीय मूल के लोगों को लाने के लिए बसों का इंतजाम किया है।

वॉशिंगटन डीसी के लफायेते स्कवायर पार्क में पीएम मोदी भारतीय मूल के लोगों से मिलेंगे। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 23 जून को पीएम मोदी रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग में भारतीय मूल के लोगों के साथ डिनर भी करेंगे। बता दें कि पीएम मोदी 19 जून को न्यूयॉर्क पहुंचेंगे, जहां वह इंटरनेशनल योगा डे पर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

75 हजार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से धरती की ओर आ रही विशालकाय चट्टान, नासा ने जारी की खतरे की चेतावनी

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष से सूर्य के चारों ओर अपनी कक्षाओं में आगे बढ़ते हुए दो बड़े क्षुद्रग्रह पृथ्वी के करीब आ रहे हैं। दोनों क्षुद्रग्रहों का व्यास 500 से 850 मीटर के बीच है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) ने चेताया है कि ये क्षुद्रग्रह 488453 (1994 एक्सडी) और क्षुद्रग्रह (2020 डीबी5) पृथ्वी के लिए खतरा बन सकते हैं। 488453 (1994 एक्सडी) करीब 75 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धरती की ओर बढ़ रहा है। यह चट्टान 1500 फुट की है। वहीं, 2020 डीबी5 15 जून को हमारी पृथ्वी के करीब होगा। वहीं, एक अन्य क्षुद्रग्रह 2023 एलए के लिए नासा ने अलर्ट जारी किया है। यह 100 फीट का चट्टानी टुकड़ा है जो 24 घंटे में पृथ्वी के करीब पहुंचने वाला है। असली खतरा क्षुद्रग्रह 488453 (1994 एक्सडी) नाम का है। यह धरती से 3,160,000 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचने वाला है। ऐसे में इसका पृथ्वी के करीब आना खतरे से खाली नहीं है। इसे पहली बार 2 दिसंबर 1994 में देखा गया था। यह 1313 दिनों में सूर्य का एक चक्कर पूरा करता है। उससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात कि यह 75,600 किलोमीटर की स्पीड से धरती की ओर बढ़ रहा है। अब देखना होगा कि धरती के पास आने पर इसकी स्थिति कैसी रहेगी।

सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स केस में ट्रम्प की पेशी

दुश्मन देश पर अटैक का प्लान तक लीक किया; क्या ट्रम्प को दोषी ठहराएंगे उन्हीं के बयान

वॉशिंगटन।

अमेरिका की सीक्रेट फाइलें घर ले जाने के मामले में डोनाल्ड ट्रम्प की आज फ्लोरिडा राज्य की मियामी कोर्ट में सुनवाई होगी। इसके लिए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति वहां पहुंच चुके हैं। पिछले हफ्ते उनके खिलाफ 49 पन्नों में आरोप तय किए गए थे। इनमें राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालना, परमाणु और डिफेंस सीक्रेट्स की फाइलें गलत तरीके से अपने पास रखने जैसे आरोप शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आरोप साबित करने के लिए स्पेशल काउंसिल जैक स्मिथ ट्रम्प के ही दिए बयानों का इस्तेमाल करने वाले हैं। ट्रम्प ने खुद अमेरिका के दुश्मन देश पर हमला करने के प्लान को एक लेखक और 2 स्टाफ मेंबर्स को बताया था। वहीं, सुनवाई से पहले ट्रम्प ने जॉर्जिया में अपने समर्थकों से कहा कि सरकार उन्हें साजिश के तहत फंसा रही है। उन पर ये केस अगले साल होने वाले चुनाव से प्रेरित होकर किया जा रहा है।

ट्रम्प ने सब कुछ जानते हुए गलती की

ट्रम्प की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आई है, जिसमें वो अमेरिका के डिफेंस से जुड़ी जानकारी लोगों को देने के बाद कहते हैं- मुझे राष्ट्रपति रहते हुए ही इन फाइलों को क्लासिफाइड की श्रेणी से हटा देना चाहिए था, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं कर सकता। स्पेशल काउंसिल अब उनकी इसी रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल ये साबित करने में करेंगे की ट्रम्प सब कुछ जानते थे इसके बावजूद उन्होंने खुफिया जानकारी साझा की।

इसी तरह सितंबर 2021 में इसी क्लब में ट्रम्प ने बिना सिक्योरिटी क्लियरेंस के मिलिट्री ऑपरेशन से जुड़ा एक सीक्रेट मैप भी साझा किया था। उन्होंने जिस व्यक्ति को ये मैप दिखाया था उससे कहा था कि ये बहुत ही खुफिया जानकारी है और नियमों के मुताबिक उन्हें ये नहीं दिखाना चाहिए। ट्रम्प के वकील उनके बचाव में 3 दलीलें पेश कर सकते हैं। ट्रम्प को वो खुफिया फाइलें अपने पास रखने का अधिकार था। व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले उन्होंने सभी को डि-क्लासिफाई कर दिया था। वो स्पेशल काउंसिल पर राजनीति से प्रेरित होने के आरोप लगाएंगे और ये साबित करने की कोशिश करेंगे की ट्रम्प आरोपी नहीं बल्कि विक्टिम हैं। जिन खुफिया फाइलों से ट्रम्प पर आरोप साबित होने का सबसे ज्यादा खतरा है उन्हें वो अपनी दलीलों के दम पर ट्रायल से बाहर करने की कोशिश करेंगे। 49 पेज के आरोप पत्र में बताया गया है कि ट्रम्प ने ये डॉक्यूमेंट्स अपने बाथरूम, बॉलरूम, शावर की जगह पर, ऑफिस, स्टोर रूम और बेडरूम में छिपाए थे। प्रॉसिक्यूटर्स ने ये भी कहा कि जांच में बाधा डालने के लिए ट्रम्प ने अपने वकीलों को फाइलें छिपाने या नष्ट करने का आदेश दिया था।

अपना देश छोड़कर चीन क्यों जा रहे हैं जापान के रिसर्चर

टोक्यो।

एक विशेष रिपोर्ट के मुताबिक जापान में विश्वविद्यालयों ने अपने बजट में भारी कटौती की है। इसलिए विद्वानों के लिए यहां नौकरी मिलना कठिन हो गया है। दूसरी तरफ चीन ने पिछले 20 वर्षदों के दौरान अनुसंधान पर अपने बजट में भारी बढ़ोतरी की है। इसी का नतीजा है कि अनुसंधान पत्रों की संख्या और गुणवत्ता के मामले में वह तेजी से अमेरिका के बराबर पहुंच रहा है। जापान की तोहोकू युनिवर्सिटी में एसिस्टैंट प्रोफेसर रह चुके हिरोमू कमेओका ने पिछले सितंबर में चीन के सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन मॉलिक्युलर प्लांट साइसेंज ऑफ द चाइनीज एकेडमी में नौकरी ज्वाइन की। शंघाई में स्थित इस संस्थान में उन्हें अपनी टीम बनाने का अवसर दिया गया है। अपने इस कदम के बारे में कमेओका ने निक्कईएशिया से कहा- 'मैं अपने करियर में जल्द से जल्द स्वंतत्र अनुसंधानकर्ता बनना चाहता था। कोमेएका मिट्टी के सूक्ष्म जीवाणुओं और पौधों के बीच संबंध पर शोध कर रहे हैं। इस शोध के लिए चीन ने उन्हें पांच साल का बजट आवंटित कर दिया है। उन्हें छह लाख 40 हजार डॉलर का बजट दिया गया है। उन्हें उन्नत किस्म के उपकरण भी दिए गए हैं, जिनको लेकर उन्होंने

अपनी प्रयोगशाला स्थापित की है। इस बारे में बहुत कम जानकारी है कि चीन में जापान के कुल कितने अनुसंधानकर्ता मौजूद हैं। लेकिन इस बात की ठोस जानकारी है कि जापान से चीन जाने वाले रिसर्चर्स की संख्या बढ़ रही है। चीन में शोध को मिल रहे महत्त्व के कारण अनुसंधानकर्ताओं को वहां का माहौल अधिक आकर्षक लग रहा है। जापान के जो रिसर्चर चीन जाकर काम करना चाहते हैं, वे अकसर इस बारे में शंघाई स्थित फुदान यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मोटोयुकी हातोरी की राय लेते हैं। हातोरी ने निक्कईएशिया से कहा कि जहां तक रिसर्च के स्तर और पदों की उपलब्धता का सवाल है, तो जापान की तुलना में चीन में कहानी 'बिल्कुल ही अलग' है। चीन में हो रहा रिसर्च उच्चस्तरीय है और इस क्षेत्र में यहां नौकरियों की भरमार है।

ब्रिटेन के नॉटिंघमशायर में 3 लोगों की हत्या : मौके पर बम डिस्पोजल स्क्वॉड तैनात, 31 साल का आरोपी गिरफ्तार

लंदन।

ब्रिटेन के नॉटिंघमशायर में तीन लोगों की हत्या कर दी गई। ब्रिटेन के वक्त के मुताबिक घटना तड़के करीब 4 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक- 31 साल के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक- दो लोगों की डेड बॉडीज सड़क के किनारे मिली, जबकि तीसरे की सड़क से कुछ दूरी पर पाई गई। इसके अलावा तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, इन्हें हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। मौके पर बम डिस्पोजल स्क्वॉड तैनात कर दी गई है।

वारदात एक या दो

पुलिस अभी मामले की तफ्सील देने से बच रही है। घटना के बाद नॉटिंघम की ओर जाने वाले तमाम रास्तों को बंद कर दिया गया। यहां हर गाड़ी की सख्ती से चेकिंग की जा रही है। पुलिस अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि यह एक वारदात थी या दो। इसकी वजह यह है कि तीन लोगों की डेड बॉडीज जहां मिलीं उससे कुछ दूरी पर इतने ही लोग गंभीर तौर पर घायल भी मिले। इन लोगों के ऊपर कोई भारी वाहन चढ़ाए जाने का शक है। तीनों की हालत गंभीर है। इसके अलावा यह भी साफ नहीं है कि जिन तीन लोगों की मौत हुई है, उनका कत्ल किस हथियार से या किस तरह किया गया। लिहाजा, अब तक दोनों घटनाओं की तस्वीर साफ नहीं है।

आतंकी हमला तो नहीं

इस इलाके में रहने वाले एक शख्स ने कहा- सुबह करीब 4 बजे मुझे कुछ आवाजें सुनाई दीं। कुछ देर में ये थम गईं। थोड़ी ही देर बाद इस इलाके को पुलिस ने घेर लिया। हमने देखा कि पुलिस ने एक बिल्डिंग की ओट में छिपे एक शख्स को गिरफ्तार किया जा रहा है। घटना के कुछ देर बाद पुलिस ने ऑरेंज यूनिफॉर्म वाली बम डिस्पोजल स्क्वॉड को बुला लिया। कुछ खबरों में कहा गया है कि यह आतंकी घटना भी हो सकती है। पुलिस ने जिस शख्स को गिरफ्तार किया है, बताया जाता है कि उसकी तलाश काफी वक्त से की जा रही थी।

दो पत्रकारों समेत चार के खिलाफ मामला दर्ज, नौ मई को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले में साजिश का आरोप

इस्लामाबाद।

भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पिछले माह पूरे पाकिस्तान में विद्रोह भड़काने और संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले के लिए उकसाने के आरोप में दो पत्रकारों सहित चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

सोमवार को दर्ज की गई प्राथमिकी में शिकायतकर्ता मुहम्मद असलम ने पुलिस को बताया कि 9 मई को उसने लगभग 25 लोगों को पत्रकारों शाहीन सेहबाई और वजाहत सईद खान के स्क्रीनशॉट और संदेशों को साझा करते हुए देखा। उन्होंने कहा, वे लोगों को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने, आतंकवाद फैलाने और देश में अराजकता पैदा करने के लिए उकसा रहे थे।

अस्करी टावर हमला मामले में इमरान की पार्टी के नेता यास्मीन को न्यायिक रिमांड पर भेजा

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता डॉ यास्मीन राशिद को आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) द्वारा अस्करी टॉवर हमले के मामले में न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है, एआरवाई न्यूज ने बताया।

इससे पहले, भौतिक रिमांड पूरा होने पर राशिद को एटीसी के सामने पेश किया गया था। हालांकि, जांच अधिकारी ने एटीसी से उसे और भौतिक रिमांड देने का आग्रह किया क्योंकि अस्करी टॉवर हमले के मामले की जांच अभी तक पूरी नहीं हुई थी। एटीसी ने रिकॉर्ड की समीक्षा करने के बाद याचिका को खारिज कर दिया और डॉ यास्मीन राशिद को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया और उसे 25 जून को पेश करने का निर्देश दिया।

विशेष रूप से, पंजाब की अंतरिम सरकार ने जिन्ना हाउस में इमरान खान पार्टी की नेता यास्मीन राशिद के बरी होने को चुनौती दी थी।

9 मई को हुई हिंसा के बाद कुरैशी को किया गया गिरफ्तार

नौ मई को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। नौ मई की घटनाओं के बाद, इमरान खान की पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया गया। नेताओं में कुरैशी, फवाद चौधरी, असद उमर, डॉ यासमीन राशिद, शिरीन मजारी, मलीका बुखारी और फैयाजुल हसन चौहान शामिल थे। कुछ दिनों बाद फवाद, इमरान इस्माइल, शिरीन मजारी, फैयाजुल हसन चौहान, फिरदौस आशिक अवान और अन्य सहित कई प्रमुख नेताओं ने इमरान खान की पार्टी छोड़ दी।

खान के समर्थकों ने लाहौर कॉर्प्स कमांडर हाउस, मियांवाली एयरबेस, फैसलाबाद में आईएसआई भवन सहित एक दर्जन सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की और संवेदनशील रक्षा प्रतिष्ठानों को भी आग लगा दी थी। इमरान समर्थकों ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर भी हमला किया था।

इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने गिरफ्तारी से मांगी सुरक्षा

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने मंगलवार को लाहौर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर देश भर में उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों पर पूरी तरह से लगाम लगाने की मांग की। नौ मई को नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के खिलाफ चल रही कार्रवाई के बीच यह कदम उठाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान खान की पत्नी ने अपनी याचिका में कहा कि उसे डर है कि उसे किसी भी मामले में गिरफ्तार किया जा सकता है और उसने देश में उसके खिलाफ दर्ज सभी खुलासे और अघोषित मामलों का ब्योरा मांगा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि उनका बयान गवाह के तौर पर दर्ज किया जाएगा।

जेल में बंद हुर्रियत नेता अयाज अकबर की संपत्ति कुर्क

श्रीनगर (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद हुर्रियत (जी) के नेता अयाज अकबर की श्रीनगर के शाल्टेंग इलाके में स्थित संपत्ति कुर्क की है। अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने अचल संपत्ति पर कुर्की का नोटिस चिपकाया है, जिसमें लिखा है कि जनता के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि मौजा शाल्टेंग तहसील श्रीनगर में मोहम्मद अकबर खांडे पिता अब्दुल रहमान खांडे निवासी मलोरा, इमाम-उल-बाना मस्जिद के पास, सर्वेक्षण संख्या, 31 के तहत 1 कनाल और 10 मरले भूमि पीएस परिमपोरा, श्रीनगर जम्मू-कश्मीर को अबदी देह के रूप में आरसी-101 20177 एनआईए/डीएलआई में 31 मई, 2023 के एनआईए कोर्ट के अदालती आदेश के तहत संलग्न किया गया है। उल्लेखनीय है कि अयाज अकबर पिछले छह वर्षों से नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। अयाज अकबर की पत्नी का इस साल अप्रैल में कैंसर से जंग हारने के बाद निधन हो गया था।

केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, पीएम मोदी ने दी बधाई

अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़े युवा शक्ति: राव इंद्रजीत सिंह

गुरुग्राम (हिंस)। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत काल में युवाओं को अमृत लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। वे मंगलवार को गुरुग्राम के सेक्टर-44 स्थित अपैरल हाउस में भारत सरकार के मिशन मोड रिक्रूटमेंट अभियान के तहत आयोजित पीएम रोजगार मेले में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सबसे बड़ा योगदान देना है और देश को पुन: एक बार विश्वगुरु बनाना है। ऐसे में देश की युवाशक्ति भारत को अगले 25 साल में विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़े। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से ही गुरुग्राम सहित देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में

शामिल होकर संबोधित किया। गुरुग्राम में यह कार्यक्रम पंजाब नेशनल बैंक की ओर से आयोजित किया गया था। केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने पीएम रोजगार मेले का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि देश कि युवाशक्ति सौभाग्यशाली है कि उन्हें प्रेरणा देने के लिए नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिला है। ऐसे में आजादी के अमृत काल में प्रवेश कर चुके हमारे देश को निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर रखने के लिए हमे आने वाले 25 वर्षों पर अपनी शक्ति और सामर्थ्य को केंद्रित करना है। राव ने भारत की गौरवशाली यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि विश्व मे हम सबसे पुरानी सभ्यता हैं। उन्होंने आजादी के बाद के 75 वर्षों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस देश में सुई भी बाहर से बनकर आती थी, आज वह देश अपनी अपनी युवाशक्ति के बल पर अंतरिक्ष में अपने साथ साथ अन्य देशों के सैटेलाइट को भी लांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब हम अमेरिका से गेहूं निर्यात करना पड़ता था, लेकिन आज हमारे देश के कमेरे वर्ग यानी किसानों की अथक मेहनत से देश के अन्न भंडार भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री की दूरदृष्टी व किसानों की मेहनत का ही फल है कि कोरोना काल से लगातार देश की 70 प्रतिशत आबादी को नि:शुल्क अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यक्रम में भारत सरकार के वित्तिय सेवाएं विभाग के अंडर सेक्रेटरी एलसी त्रेहान, पीएनबी के कार्यकारी निदेशक विजय दुबे, राजीव जैन, एलडीएम अशोक कुमार सहित रोजगार मेले में नियुक्ति पाने वाले विभिन्न युवक व युवतियां उपस्थित रहे।

पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी विजिलेंस के समक्ष पेश

आय से अधिक संपत्ति का मामला

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी आय से अधिक संपत्ति मामले में मंगलवार को दोबारा विजिलेंस के समक्ष पेश हुए। इस दौरान उन्होंने अपने हाथ में विजिलेंस द्वारा सौंपा गया 50 सवालों का परफॉर्मा लिया हुआ था। वह सीधे ही कार से ऑफिस के गेट पर पहुंचे और अंदर चले गए। विजिलेंस की तरफ से पहले पूछताछ के लिए तैयारी पूरी कर ली गई थी। इलाके की सुरक्षा बढ़ाई गई है। कुछ दिन पहले पूर्व सीएम ने शराब घोटाले का पर्दाफाश किया था। उन्होंने बताया था कि सरकार की नई शराब पॉलिसी से पंजाब के राजस्व को चपत लग रही है। इसके बाद उन्हें तलब कर लिया गया है। चन्नी ने कहा कि लोग भी अब समझ गए कि आखिर सरकार क्या कर रही है। विजिलेंस ने इस साल जनवरी में पूर्व सीएम चरणजीत चन्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच शुरू की थी। जबकि जालंधर लोकसभा उप चुनाव से ठीक पहले विजिलेंस ने उन्हें समन भेजकर पूछताछ के लिए तलब किया था। इस दौरान पूरी कांग्रेस चरणजीत सिंह चन्नी के पक्ष में उतर आई थी। साथ ही प्रेस कांफ्रेंस कर पंजाब सरकार पर सवाल उठाए थे। इसके बाद चन्नी अकेले विजिलेंस के समक्ष पेश हुए थे। करीब आठ घंटे उनसे सवाल जवाब किए गए थे। इसके बाद विजिलेंस ने उन्हें 50 सवालों को प्रोफार्मा देकर कुछ जानकारी मुहैया करवाने के आदेश दिए थे। लेकिन इसके बाद वह विजिलेंस के समक्ष पेश नहीं हुए। उन्होंने जानकारियां जुटाने के लिए समय मांगा था। इसके बाद जालंधर लोकसभा के उप चुनाव आ गए थे। साथ ही यह मामला ठंडा पड़ गया था। इसके बाद अब विजिलेंस ने उन्हें बुलाया है। इससे पहले पूर्व सेहतमंत्री बलबीर सिंह सिद्धू, पूर्व शिक्षामंत्री विजय इंद्र सिंगला समेत कई लोगों से पूछताछ की गई है।

सांझा मोर्चा के वरिष्ठ नेताओं व जीएम के मध्य हुई बातचीत से टला चक्का जाम

हिसार (हिंस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर हिसार डिपो में मंगलवार सुबह 10 से 12 बजे तक होने वाला चक्का जाम रोडवेज महाप्रबंधक एवं सांझा मोर्चा के प्रदेश स्तरीय नेताओं के बीच हुई बातचीत के बाद एक बार के लिए टाल दिया गया। बातचीत के दौरान प्रशासन की ओर से नियुक्त ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस भी मौजूद रहे। बातचीत में कर्मचारियों की मांगों व मस्याओं का कोई समाधान नहीं निकला और महाप्रबंधक अपनी जिद पर अड़े रहे, जिसके चलते सांझा मोर्चा ने 16 जून को प्रदेशभर में काली पट्टियां बांधकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। इसी बीच हिसार डिपो सांझा मोर्चा की ओर से दिया जा रहा धरना पांचवे दिन भी जारी रहा। बातचीत के दौरान अपनी जिद पर अड़े रहने के महाप्रबंधक के रवैये के खिलाफ सांझा मोर्चा के सभी सदस्यों ने महाप्रबंधक के खिलाफ पूरे बस स्टेंड परिसर में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। मोर्चा नेताओ ने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांग न मानना महाप्रबंधक की कोई नई बात नहीं है क्योंकि जब ये रोहतक महाप्रबंधक

हुआ करते उस टाइम भी इनके खिलाफ कर्मचारियों ने अपनी जायज मांगों के लिए आंदोलन किया था। सांझा मोर्चा नेताओं ने कहा कि वर्तमान में हिसार डिपो में 1100 कर्मचारी कार्यरत है और इन कर्मचारियों के लगभग 1800 केस पेंडिंग जबकि महाप्रबंधक स्पष्ट झूठ बोलते हुए ऐसे केस होने से मना कर रहे हैं। सांझा मोर्चा नेताओं ने आरोप लगाया कि हिसार डिपो से हर रोज छह हजार यात्री सफर करते हैं, परंतु डिपो में पीने के पानी की व्यवस्था तक नहीं है। महिला कर्मचारियों के लिए वाशरूम तक सुविधा नहीं है, जिसके लिए उनको बाहर जाना पड़ता है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने खोला मोर्चा

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर एकत्रित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ता शासन सचिवालय घेराव के लिए आगे बढ़े लेकिन पुलिस ने कार्यकर्ताओं को स्टेच्यू सर्किल पर बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस कर्मियों में धक्का-मुक्की हुई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग तोड़कर कर आगे बढ़ने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। भाजपा नेता-कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। भाजपा नेता और कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का उपयोग किया।

सरकार के खिलाफ जयपुर में भाजपा का सचिवालय घेराव

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की गहलोत सरकार के खिलाफ जयपुर में भाजपा शासन सचिवालय का घेराव कर रही है। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी समेत कई नेताओं के नेतृत्व में हो रहे इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। घेराव से पहले भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर आम सभा हो रही है। इसके बाद जयपुर जिले के भाजपा कार्यकर्ता सचिवालय का घेराव करेंगे। कार्यक्रम में प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा, सांसद रामचरण बोहरा, सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, जयपुर शहर के विधायक व विधायक प्रत्याशी मौजूद है। आम सभा में विधायक अशोक लाहोटी ने कहा कि पहले सरकार ने महिलाओं को मोबाइल देने की घोषणा की थी। अब कह रही है, हम खाते में पैसे देंगे। महिलाएं खुद मोबाइल खरीद लें। मैं महिलाओं से कहना चाहता हूं कि पहले पैसे अकाउंट में आ जाए, तभी मोबाइल खरीदना। इस सरकार के पास पैसे ही नहीं है। कहीं आप मोबाइल भी खरीद लो और पैसे भी नहीं आए। पूर्व विधायक

ज्ञानदेव आहूजा ने कहा कि राहुल गांधी और अशोक गहलोत जूते खाने का काम करते हैं। इनकी मोहब्बत की दुकान ने 1947 में लाखों लोगों को मरवाया। 1984 में हजारों सिखों को मरवाया। वहीं, 1990 में करीब दो हजार कश्मीरियों को मरवाने का काम किया हैं। प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि इस बार तो गहलोत सरकार जाएगी ही। वहीं अगले 10 से 15 साल तक सरकार फिर से नहीं आएगी। उधर पुलिस ने भाजपा मुख्यालय से सचिवालय जाने वाले सभी रास्तों पर बैरिकेडिंग रोका है। भाजपा कार्यकर्ताओं को किसी भी सूरत में सचिवालय नहीं पहुंचने दिया जाएगा। वहीं, पुलिस की बैरिकेड्स और ट्रैफिक डायवर्ट करने से सुबह से ही आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

समलैंगिक युवतियों ने चाचा-भतीजे को पीटा, पुलिस बुलाकर बचाई जान

हिसार (हिंस)। जिले के गांव सरसाना में समलैंगिक युवतियों ने साथियों के साथ मिलकर चाचा-भतीजे को पीटकर उन्हें घायल कर दिया। घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। आरोप है कि यह युवतियां उन दोनों से दोस्ती करना चाहती थी और कुछ दिन बातचीत के बाद जब उन्होंने इनकार कर दिया तो गुस्से में उन्होंने यह मारपीट की। हालत यह हो गई कि चाचा-भतीजे को पुलिस बुलाकर जान बचानी पड़ी। सरसाना गांव के बलराज ने बताया कि उनका परिवार गांव में रहता है। फतेहाबाद में राजस्थान की युवती व झलनिया गांव की युवती ने आपस में समलैंगिक विवाह करवा रखा है। उसके चाचा के लड़के कुलदीप ने दोनों को अपनी धर्म बहन बना रखा है। कुलदीप का इनके पास आना-जाना था। इनमें से एक युवती के जन्मदिन पर कुलदीप उसके भतीजे राहुल को साथ ले गया। उनके साथ दूसरा भतीजा वीरपाल भी गया था। जन्मदिन पर दोनों लड़कियों ने राहुल व वीरपाल के मोबाइल नंबर ले लिए। जन्मदिन के बाद एक लड़की ने वीरपाल को फोन करके कहा कि उसकी दोस्ती राहुल से करवा दें।

भारत पूरे विश्व में आगे बढ़ रहा, हर वस्तु का भारत में निर्यात बढ़ा : राम नरेश तिवाड़ी

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा ने मंगलवार को कृषि अनाज मंडी में व्यापारियों के साथ संवाद किया। भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री प्रदेश प्रभारी राम नरेश तिवाड़ी ने कहा कि 2014 से पहले हमारे देश की जीडीपी 12 प्रतिशत थी आज हम 5 प्रतिशत पर आ गए हैं। भारत पूरे विश्व में आगे बढ़ रहा है। आज हर वस्तु का भारत में निर्यात बढ़ा है, भारत खद्यान में आत्म निर्भर बना है। व्यापारियों ने अपने सुझाव रखते हुए कहा कि जीएसटी को लेकर परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को इसमें जल्द ही सरलीकरण करना चाहिए। व्यापारी वर्ग ने जीएसटी को लेकर हो रही असुविधा का जिक्र किया। व्यापारियों ने कहा कि सबसे ज्यादा जीएसटी देकर सरकार का खजाना भरता है। किसानों ने सरसों, चना समर्थन मूल्य से नीचे में बिकने की बात कही जिससे किसानों को कम दाम में अपनी फसल बेचनी पड़ती है। काश्तकारों ने कहा कि केंद्र सरकार जब भी स्टॉक सीमा लगाए पहले किसान वर्ग से बात करें। राष्ट्रीय मंत्री राम नरेश तिवाड़ी ने व्यापारियों को आश्वाशन दिया कि आपकी बात सरकार तक पहुंचा कर समाधान किया जाएगा। उन्होंने नौ साल बेमिसाल मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। व्यापारियों और किसानों के हित में 2014 से लेकर अब तक सरकार ने सभी जिंसो की एमएसपी डबल कर दी। भाजपा जिला महामंत्री मोहन सुराणा ने मंडी व्यापारियों और किसानों का परिचय करवाया। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष श्याम सुंदर चौधरी ने स्वागत किया। जिला महामंत्री मोहन सुराणा ने आभार जताया।

पंजाब-हरियाणा में लगे भूकंप के झटके

चंडीगढ़। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। कुछ सेकंड के लिए धरती हिली। घबराए लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। पंजाब में गुरदासपुर, होशियारपुर, लुधियाना और जालंधर समेत पूरे प्रदेश में लोगों को हल्के झटके लगे। वहीं हरियाणा में फतेहाबाद में हल्की कंपन हुई तो घबराए लोग अपने घरों से बाहर आ गए। जानकारी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.3 मापी गई है। इस भूकंप से किसी भी तरह के जान माल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है।

वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड गठन को मंजूरी

जयपुर (हिंस)। महाराणा प्रताप की प्रतिबद्धता, देशभक्ति, दानशीलता, जनसेवा और कर्तव्य परायणता का संदेश देने के लिए वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड का गठन किया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बोर्ड गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा 7 अन्य सदस्य होंगे। बोर्ड में सचिव एवं कार्यकारी स्टाफ अलग से होगा। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने उदयपुर में 22 मई को कालजयी योद्धा की स्मृति में बोर्ड गठित करने की घोषणा की थी। इस बोर्ड के गठन का उद्देश्य नई पीढ़ी को महाराणा प्रताप के महान चरित्र का अनुगामी बनाना, उन पर आधारित पुरातात्विक धरोहरों का संरक्षण एवं नव-निर्माण, भारत की विभिन्न भाषाओं में रचित प्राचीन साहित्य का संकलन, संरक्षण, शोध, प्रकाशन एवं प्रचार-प्रसार, संबन्धित पाठ्यक्रम सामग्री का निर्धारण-समावेशन करना है। साथ ही, उनके नाम से राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों की शुरूआत करना, उन पर आधारित मेलों, प्रदर्शनी, समारोह, सम्मेलन, फिल्मों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, संगोष्ठियों तथा कवि सम्मेलनों का आयोजन करना एवं देश-विदेश में उनके विचारों का प्रचार-प्रसार का कार्य भी बोर्ड द्वारा किया जाएगा।

अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना शुरू : डीसी नेहा सिंह

पलवल (हिंस)। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना शुरू की जा रही है। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में केंद्र सरकार के जनजातीय मामलों के छात्रवृत्ति प्रभाग मंत्रालय प्रबंधन जैसे प्रोफेशनल क्षेत्रों जैसे चिकित्सा/विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, मानविकी, कानून और सामाजिक विज्ञान आदि में मंत्रालय द्वारा चिन्हित किए गए प्रमुख संस्थानों में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए मेधावी अनुसूचित जनजाति के छात्रों को राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना को लागू कर रहा है। यह जानकारी जिला उपायुक्त नेहा सिंह ने मंगलवार को दी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 से पहले कुल 1000 छात्रों को योजना के तहत छात्रवृत्ति के लिए चुना गया था। वर्ष 2021-22 से प्रभावी सभी अनुसूचित जनजाति के छात्र जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय छह लाख रुपए से अधिक नहीं है वे छात्रवृत्ति के पात्र हैं। उपायुक्त ने आह्वान किया कि अनुसूचित जनजाति के छात्र सरकार की ओर से क्रियान्वित की जा रही इस छात्रवृत्ति योजना का अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठाएं। डीसी नेहा सिंह ने बताया कि यह भारत देश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए जनजातीय मामलों के मंत्रालय द्वारा पूरी तरह से वित्तपोषित एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है। इस योजना की दो उप-योजनाएं हैं। मास्टर डिग्री पूरी करने के बाद एम.फिल या पीएचडी करने के लिए पहली उप-योजना राष्ट्रीय फैलोशिप योजना है। दूसरी उप-योजना राष्ट्रीय छात्रवृत्ति

योजना है, जो प्रबंधन, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, कानून आदि जैसे प्रोफेशनल क्षेत्रों में चयनित शीर्ष सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए है। यह दो उप योजनाएं क्रियान्वित योजनाएं हैं और वित्तीय वर्ष 2017-18 में इन्हें एक योजना में ही मिला दिया गया था। गुरुग्राम : पटौदी में मिट्टी धंसने से तीन महिलाओं की मौत, चार घायल गुरुग्राम (हिंस)। जिले के पटौदी थाना के अंतर्गत दराबपुर गांव में मनरेगा के तहत पंचायत के तालाब की खुदाई के दौरान मिट्टी ढहने से सात महिलाएं दब गईं। इस हादसे में तीन महिला मजदूरों की मौत हो गई व चार महिलाएं घायल हुई है। घायलों को गुरुग्राम के लिए रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक पटौदी थाना के अंतर्गत दराबपुर गांव में मनरेगा के तहत एक तालाब की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान मिट्टी का बड़ा हिस्सा ढह गया। इससे वहां नीचे काम कर ही महिलाएं मलबे में दब गई। घटना के समय वहां आठ महिलाएं काम कर रही थी, जिनमें से सात महिलाएं मिट्टी के नीचे दब गईं। आनन फानन में मिट्टी हटाकर सभी महिलाओं को निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया।

जम्मू-कश्मीर में भूकंप के झटके किए गए महसूस

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। इन भूकंप के झटकों में कहीं से भी किसी भी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र जम्मू संभाग के जिला डोडा में बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर 1:40 बजे पूरे इलाके में भूकंप के झटके महसूस होने पर लोगों में दहशत व्याप्त हो गयी। झटके महसूस होते ही लोग अपने-अपने घरों, दुकानों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों से बाहर आ गए और कुछ देर तक खुले में ही रहे। हालांकि इस दौरान किसी भी नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

पोक्सो कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को सुनाया 10 साल का कारावास

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ क्रमांक-1 चित्तौड़गढ़ के न्यायाधीश ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में एक अभियुक्त को 10 वर्ष का कठोर कारावास और 35 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। पीड़िता को बदनाम करने की धमकी देकर स्कूल में बुला कर दुष्कर्म किया था, जबकि इसी की छोटी बहन के साथ घटना के दिन सुबह के समय एक अन्य नाबालिग ने भी दुष्कर्म किया था। इसके संबंध में नाबालिग के खिलाफ बाल न्यायालय में चालान पेश किया गया था। पोक्सो कोर्ट चित्तौड़गढ़ के विशेष लोक अभियोजक शोभालाल जाट ने बताया कि बेगूं थाना क्षेत्र में रहने वाले एक प्रार्थी ने 20 जुलाई 2019 को एक रिपोर्ट दी थी। इसमें बताया कि प्रार्थी की दोहितियां भड़वाड़ा महादेव से दर्शन क रके घर लौट रही थी इस दौरान रास्ते में अनिल कुमार व अन्य नाबालिग ने इन्हें रोका। प्रार्थी की छोटी दोहिती के साथ अनिल के साथ मौजूद एक नाबालिग ने दुष्कर्म किया। जबकि अनिल ने बड़ी वाली दोहिती को वहीं पर रखा था। इन दोनों के हल्ला करने पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे। इस दौरान यहां अभियुक्त दूल्हेसिंह भी आ गया था। दूल्हेसिंह ने प्रार्थी की बड़ी वाली दोहिती को फोन कर स्कूल में बुलाया। नहीं आने पर इज्जत खराब कर बदनाम करने की धमकी दी। डर के चलते प्रार्थी की बड़ी दोहिती स्कूल में गई तो अभियुक्त दूल्हे सिंह ने स्कूल के बाथरूम में उसके साथ दुष्कर्म किया था। प्रार्थी की इस रिपोर्ट पर पुलिस थाना बेगूं ने प्रकरण दर्ज किया।

राजस्थान के कई जिलों में आंधी-तूफान लाएगा चक्रवाती तूफान बिपरजॉय

जयपुर (हिंस)। प्रदेशभर में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। दिन में आसमान से अंगारे बरस रहे हैं। तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। भीषण गर्मी और तेज धूप के चलते लोगों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो रहा है। गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है। तेज गर्मी के बीच प्रदेश में 16 जून को भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का असर दिख सकता है। इसे लेकर मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। 16-17 जून को राज्य में आंधी और बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। अरब सागर की खाड़ी से उठा भीषण चक्रवाती तूफान धीरे-धीरे उत्तर दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान बिपरजॉय फिलहाल ईस्ट सेंट्रल अरब सागर की खाड़ी में बना हुआ है। धीरे-धीरे उत्तर दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। यह तूफान 15 जून को सौराष्ट्र-कच्छ और आसपास के पाकिस्तान तट के ऊपर वेरी सीवियर साइक्लोनिक स्टॉर्म के रूप में पहुंचने की प्रबल संभावना है। इसके बाद यह उत्तर-पूर्वी दिशा की ओर आगे बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है। 16 जून को इसके कमजोर होकर अवसाद के रूप में दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में प्रवेश करने की संभावना है। इसके असर से आंधी-बारिश की गतिविधियां 15 जून दोपहर बाद ही जोधपुर और उदयपुर संभाग के जिलों में प्रारंभ होने की संभावना है। 16 जून को इसके असर से जोधपुर, उदयपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 17 जून को भी इस सिस्टम का असर जोधपुर, उदयपुर, अजमेर संभाग और आसपास के कुछ भागों में भारी बारिश के रूप में जारी रहने की संभावना है। बारिश की गतिविधियों से तापमान में भी तेजी से गिरावट होगी। राजस्थान के आधे से ज्यादा हिस्से में इस तूफान के कारण बारिश देखने को मिल सकती है। कुल 12 जिलों में इसका खतरा बना रहेगा। इसके लिए चेतावनी जारी की गई है। चक्रवात की तीव्रता को देखते हुए रेलवे ने राजस्थान से गुजरात के पोरबंदर, भुज, ओखा, गांधीधाम जाने वाली वाली एक दर्जन से ज्यादा ट्रेनों के संचालन को आंशिक और पूर्ण रूप से रद्द किया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 14 जून की शाम या 15 जून की सुबह ये चक्रवात गुजरात और पाकिस्तान से टकराएगा। तट से टकराने के बाद ये चक्रवात गुजरात के हिस्सों में डीप डिप्रेशन और राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में लो-प्रेशर एरिया के रूप में कन्वर्ट होगा। इसके असर से इन एरिया में एक-दो दिन भारी बारिश होगी। इस चक्रवात से राजस्थान में नुकसान होने की आशंका बहुत कम है।विशेषज्ञों के मुताबिक राजस्थान तक पहुंचने तक इस चक्रवात की हवाओं की स्पीड भी बहुत कम हो जाएगी, लेकिन मोइश्चर लेवल बहुत ज्यादा होने के कारण दो दिन कई जगहों पर भारी बारिश (60 से लेकर 100एमएम तक) बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 15 जून को इस सिस्टम के असर से आंधी बारिश की गतिविधियां दोपहर बाद ही शुरू हो जाएगी। जोधपुर, उदयपुर संभाग के जिलों में 16 जून को कहीं-कहीं भारी बारिश देखने को मिल सकती है। 17 जून को भी इस सिस्टम का असर जोधपुर, उदयपुर और अजमेर संभाग कुछ भागों में भारी बारिश के रूप में देखने को मिल सकता है। इस चक्रवात का असर बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, सिरोही, जालोर, बाड़मेर, जैसलमेर, पाली, जोधपुर, प्रतापगढ़, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ जिलों में देखने को मिलेगा। इन जिलों के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। उत्तर पश्चिम रेलवे से जारी शेड्यूल के मुताबिक गाड़ी संख्या 09523 ओखा-दिल्ली सराय गाड़ी, गाड़ी संख्या 09524 दिल्ली सराय-ओखा 14 जून को नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 22483 जोधपुर-साबरमती गाड़ी 14 जून तक, जबकि गाड़ी संख्या 22484 साबरमती-जोधपुर गाड़ी को आज से 15 जून तक रद्द रहेगी। इन गाड़ियों के अलावा ट्रेन संख्या 19269 पोरबंदर-मुजफ्फरपुर गाड़ी को 15 जून को नहीं चलाया जाएगा। गाड़ी संख्या 19574 जयपुर-ओखा आज जयपुर से चलेगी, लेकिन ये गाड़ी राजकोट तक ही चलाई जाएगी। ये ट्रेन राजकोट-ओखा के बीच नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 20937 पोरबंदर-दिल्ली सराय आज पोरबंदर की जगह राजकोट से चलेगी। गाड़ी संख्या 14321 बरेली-भुज 14 जून को बरेली से चलेगी, लेकिन पालनपुर तक ही जाएगी। पालनपुर-भुज के बीच ये गाड़ी नहीं चलेगी। गाड़ी संख्या 14322 भुज-बरेली 14 जून को भुज के स्थान पर पालनपुर से चलेगी।

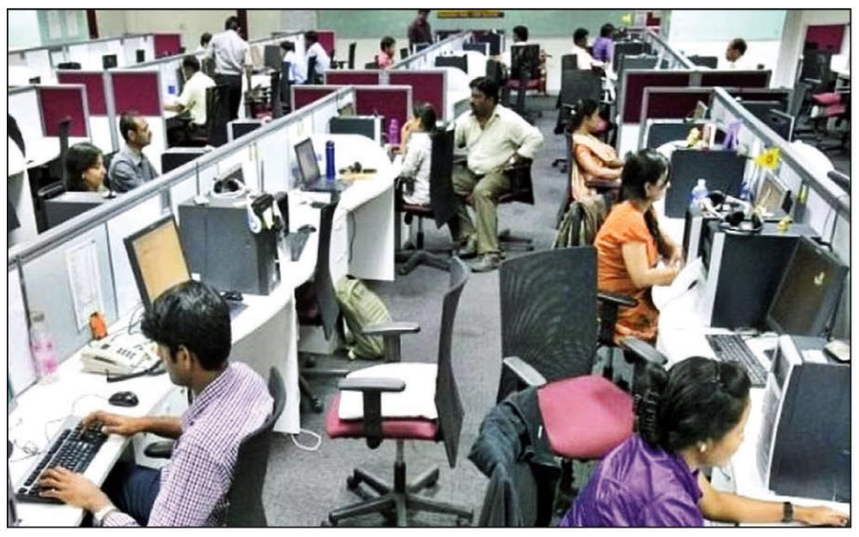

विदेशी आईटी कंपनियों में नौकरी की कटौती से प्रभावित होगी घरेलू जीडीपी, इंजीनियरिंग छात्रों के सामने संकट

बंगलूरू।

भारत से आउटसोर्स करने वाली विदेशी आईटी कंपनियों में नौकरियों में कटौती और मौजूदा कर्मचारियों के साथ परियोजनाएं पूरी करने की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। विदेशी कंपनियों के इस कदम से इंजीनियरिंग छात्रों के सामने नौकरी का संकट खड़ा हो सकता है, जो सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) को दशकों से पसंदीदा क्षेत्र के रूप में देख रहे हैं।

मांग में वैश्विक अनिश्चितता से बढ़ा मंदी का खतरा एक ऐसे उद्योग के लिए संकट बन गया है, जिसने 1990 के दशक के बाद से भारत के सेवा क्षेत्र में सबसे अधिक भर्तियां की है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रोहित आजाद का कहना है कि आईटी क्षेत्र में कमजोर भर्तियों के दो अलग-अलग कारण हो सकते हैं। पहला...निकट अवधि में नकारात्मक मांग और दूसरा... श्रम-बचत प्रौद्योगिकियों के कारणलंबी अवधि में छंटनी।

टीमलीज ने 40 फीसदी की कमी की जताई है आशंका

20-25 फीसदी घट सकती है क्षेत्र में कर्मचारियों की संख्या पहली छमाही के दौरान मंदी और अमेरिकी बैंकिंग संकट ने बढ़ाई चिंता स्टाफिंग फर्म एनएलबी सर्विसेज के सीईओ सचिन अलुग ने बताया कि महामारी के बाद के दौर में कंपनियों ने बाजार में नई मांगों को पूरा करने के लिए उत्पादन में बढ़ोतरी की। इससे आईटी कंपनियों की भर्तियों में तेजी देखी गई। हालांकि, यह उछाल जल्द ही वैश्विक आर्थिक संकट और बढ़ती मंदी के सामने फीका पड़ गया। अमेरिका के तीन बैंकों के दिवालिया होने और क्रेडिट सुइस संकट ने वैश्विक वित्तीय उद्योग को हिला कर रख दिया।

लागत घटाने का असर

आईटी क्षेत्र आमतौर पर देश में हर साल ग्रेजुएट होने वाले 15 लाख इंजीनियरों में से 20-25 फीसदी को नौकरी देता है। लेकिन, इस क्षेत्र के अनिश्चित भविष्य ने छात्रों के सामने संकट खड़ा कर दिया है। पंजाब से इंजीनियरिंग कर रहे छात्र गौतम ने बताया कि लागत घटाने के कारण कुछ कंपनियों ने कई छात्रों की इंटर्नशिप रद्द कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा समूह ने अपने टॉप अधिकारियों पर खूब बरसाया धन, रिपोर्ट में दावा- 62प्रतिशत तक बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली । जहां दुनियाभर में कंपनियां मंदी की आशंका के बीच छंटनी और वेतन में कटौती जैसे फैसले ले रही हैं, वहीं भारतीय उद्योग जगत से एक सुकून भरी खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार देश के प्रतिष्ठित टाटा समूह ने अपने वरीय एग्जीक्यूटिव्स की तनख्वाह में 16 से 62 प्रतिशत का इजाफा किया है। इस तरह 22 लाख करोड़ रुपये के टाटा समूह ने अपने टॉप एग्जीक्यूटिव्स को शानदार तोहफा दिया है। टाटा समूह की कंपनियों इंडियन होटल्स, टाटा पावर, ट्रेंट और टाटा कंज्यूमर के वरीय अधिकारियों की सैलरी में 16 से 62प्रतिशत तक का शानदार इजाफा किया गया है। बता दें कि टाटा समूह 10 वर्टिकल्स में लगभग 30 कंपनियों का संचालन करती है। रिपोर्ट के अनुसार ट्रेंट लिमिटेड के सीईओ पी वेंकाटेशालु को इस वर्ष सैलरी के रूप में 5.12 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 62प्रतिशत अधिक है। वहीं इंडियन होटल्स में उनके समकक्ष पुनीत चटवाल को 18.23 करोड़ रुपये सालाना सैलरी दी गई। इस तरह उनकी सैलरी में 37प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सुनील डिसूजा और प्रदीप बख्शी जो टाटा कंज्यूमर और वोल्टास के सीईओ हैं, उन्हें सालाना करीब 9.5 करोड़ रुपये और 3.8 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उनकी सैलरी में क्रमशः 24प्रतिशत और 22प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। टाटा केमिकल्स के सीईओ आर मुकुंदन और टाटा पावर के सीईओ प्रवीर सिन्हा की सैलरी में 16 प्रतिशत का इजाफा आया। इस वर्ष उन्हें क्रमशः 8 करोड़ रुपये और 9 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। रिपोर्ट के अनुसार टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के पूर्व सीईओ राजेश गोपीनाथन को भी पारिश्रमिक के रूप में 29.1 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 72.01 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में मंगलवार को हल्की तेजी दिख रही है।

डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.09 डॉलर बढ़कर 67.21 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 0.17 डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 72.01 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत जारी कर दी है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 66 पैसे और डीजल 64 पैसे महंगा होकर बिक रहा है। हरियाणा में पेट्रोल और डीजल के दाम में 18 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। राजस्थान में भी पेट्रोल और डीजल की कीमत में हल्की तेजी है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 29 और डीजल 28 पैसे सस्ता हो गया है। वहीं जम्मू-कश्मीर व उत्तर प्रदेश में भी ईंधन की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। इसके अलावा अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.80 रुपए और डीजल 94.40 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.77 रुपए और डीजल 89.94 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तमिलनाडु के विद्युत विभाग मंत्री के घर में ईडी की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत रेड जारी

चेन्नई । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत तमिलनाडु के विद्युत विभाग

मंत्री वी सेंथिल बालाजी और अन्य लोगों के आवास पर छापेमारी की। बालाजी के चेन्नई और करुर आवास में यह छापेमारी की जा रही है। नौकरी के लिए नकदी (कैश फॉर जॉब्स स्कैम) घोटाले के तहत पिछले महीने सर्वोच्च न्यायालय ने पुलिस और ईडी को जांच की अनुमति दी थी। अधिकारी ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मंत्री के आवास में जांच की जा रही है। पिछले महीने आयकर विभाग ने बालाजी के करीबियों के घर में छापेमारी की थी। ईडी की जांच के दौरान बालाजी ने कहा कि वह जांच एजेंसी का पूरी तरह से सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा- हम देखेंगे कि वह किस इरादे से यहां छापेमारी के लिए आए हैं और क्या ढूंढ रहे हैं। इसे खत्म होने देते हैं। बालाजी ने अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों के आधार पर अधिकारियों द्वारा जो भी मांगा जाएगा उन्हें वह प्रदान करेंगे।

सोना और सेंसेक्स एक जैसा रिटर्न दे रहे

17 साल में दोनों का रिटर्न 600प्रतिशत रहा, एक लाख का निवेश 6 लाख हुआ

नई दिल्ली।

सोना और शेयर बाजार एक जैसा रिटर्न देते आ रहे हैं। पिछले 17 सालों में दोनों ने करीब 600प्रतिशत रिटर्न दिया है। हालांकि साल दर साल के लिहाज से दोनों का रिटर्न कम-ज्यादा भी होता रहा है। शेयर बाजार और सोना दोनों ही पॉपुलर इन्वेस्टमेंट ऑप्शन हैं। सोना सेफ इन्वेस्टमेंट माना जाता है, तो शेयर बाजार रिस्की। लेकिन 2006 से 2023 तक के सोने और सेंसेक्स का डेटा कंपेयर करें तो दोनों एक जैसे दिखते हैं। 2006 का साल इसलिए, क्योंकि तब सेंसेक्स ओर सोना दोनों 10,000 पर थे। अगर तब किसी ने सोना और सेंसेक्स में 1 लाख रुपए लगाए होते तो इन 17 साल में वो 6 लाख रुपए हो जाते। लेकिन इसमें फ्लैट इंटरेस्ट जोड़ा गया है, कंपाउंड इंटरेस्ट नहीं।

निवेश के लिए शेयर बाजार या गोल्ड क्या बेहतर - कई इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट सोने में निवेश न करने के लिए कहते हैं। वो कहते हैं कि यह एक डेड एसेट है जो आपको नियमित आय नहीं देता। वहीं कुछ एक्सपर्ट कम से कम 10-15प्रतिशत सोने को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने को कहते हैं। उनका तर्क है कि सोने में निवेश एक साफ-सुथरा डायवर्सिफायर है। महंगाई के खिलाफ हेज के रूप में काम नहीं करते तब सोना काम आता है। लंबे समय में अच्छा रिटर्न मिलता है। शेयर बाजार को लेकर एक्सपर्ट कहते हैं कि गोल्ड की तुलना में इसमें निवेश के कई सारे ऑप्शन होते हैं। जैसे बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 2000 से ज्यादा कंपनियों के शेयर लिस्टेड हैं। आप यहां इंडिविजुअल कंपनियों में पैसे लगा सकते हैं। हालांकि, इसमें रिस्क भी है। कई ऐसी कंपनियां हैं जिसने हजारों परसेंट का रिटर्न दिया है वहीं कई ऐसी कंपनियां भी हैं जो डूब गईं। ऐसे में शेयर बाजार और गोल्ड दोनों में ही निवेश करना आपकी रिस्क एपेटाइट पर डिपेंड करता है। आप कितना रिस्क उठा सकते हैं उसी हिसाब से आपका रिटर्न तय होता है।

सेंसेक्स - सेंसेक्स दो शब्द सेंसेटिव और इंडेक्स से मिलकर बना है। स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट दीपक मोहोनी ने यह नाम दिया था। 1 अप्रैल 1979 को 100 की बेस वैल्यू के साथ अस्तित्व में आया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड रिलायंस और स्टेट बैंक जैसी 30 कंपनियों से मिलकर ये बनता है। ये इंडेक्स हमेशा अपडेट होता रहता है। यानी इसमें शामिल कुछ कंपनियां अंदर-बाहर होती रहती है। कौनसी कंपनी इंडेक्स में शामिल होगी और कौनसी बाहर जाएगी इसे इंडेक्स कमेटी फॉर्मूले के आधार पर तय करती है। पहले इसे फुल मार्केट कैप के आधार पर तय होता था, लेकिन 1 सितंबर 2003 से इसे फ्री प्लोट मार्केट कैप से कैलकुलेट किया जाने लगा।

गोल्ड - सोना सदियों से वैल्यूएबल एसेट बना हुआ है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश भी माना जाता है। भारत दुनिया में चीन के बाद सोने का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत में सोने की खपत ज्वेलरी के रूप में काफी ज्यादा होती है। इसके अलावा भारत में त्योहारों पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। यहां प्राचीन काल से ही सोने को पूजा जाता रहा है।

अदाणी समूह की पवन ऊर्जा परियोजना दिसंबर 2024 तक तैयार होगी, ऊर्जा मंत्री ने कही ये बात

नई दिल्ली । भारत के अदाणी समूह की श्रीलंका के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में 500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना अगले साल दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। पड़ोसी देश के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकरा ने यह जानकारी साझा की है। विजेसेकरा ने परियोजना की प्रगति के बारे में ट्वीट किया, मन्नार और पूनेरीन में 500 मेगावाट की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना की प्रगति पर अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड के एमडी और सीईओ अनिल सरदाना और परियोजना प्रबंधन टीम के साथ चर्चा की गई है। उन्होंने यहां अदाणी समूह के अधिकारियों के साथ बैठक के बाद कहा, हमने परियोजना को दिसंबर 2024 तक पूरा करने के लिए अदाणी ग्रीन एनर्जी की प्रतिबद्धता पर चर्चा की। इससे पहले परियोजना की समीक्षा बैठक फरवरी में हुई थी। पिछले साल अगस्त में अदाणी समूह को इन परियोजनाओं को शुरू करने की मंजूरी दी गई थी।

आने वाले दिनों में महंगे हो सकते हैं फोन, टीवी और लैपटॉप

नई दिल्ली ।

अगर आप स्मार्ट टीवी, लैपटॉप या फिर मोबाइल खरीदने की सोच रहे हैं, तो जल्दी करें। क्योंकि आने वाले दिनों में इन उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनियां कीमत बढ़ाने का एलान कर सकती हैं। इनमें उपयोग होने वाले अहम पुर्जे के दाम बाजार में तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके चलते इन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दामों में बढ़ोतरी संभव है। दरअसल, स्मार्ट टीवी, मोबाइल फोन और लैपटॉप में ओपन सेल का प्रयोग होता है। वैश्विक बाजार में इसके दाम बढ़ने से टेलीविजन निर्माता कंपनियां भी अब अपने नए स्मार्ट टीवी सेट की कीमत बढ़ाने में लगी हैं। इसका सबसे अधिक असर बड़ी स्क्रीन वाले टीवी की कीमतों में देखा जा सकता है। टीवी में ओपन सेल एक प्रमुख पुर्जा होता है और टेलीविजन की कुल लागत में इसकी हिस्सेदारी 60 से 65 फीसदी होती है। टीवी बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि ओपन सेल के दाम औसतन 15 फीसदी तक बढ़ गए हैं। ओपन सेल की कीमत बढ़ने से लैपटॉप और स्मार्टफोन की कीमतों में भी इजाफा हो सकता है। क्योंकि मोबाइल फोन में भी इसका उपयोग होता है, लेकिन वहां लागत में इसकी हिस्सेदारी टीवी के मुकाबले कम होती है। इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया से जुड़े पदाधिकारियों ने अमर उजाला से बातचीत में कहा, 2022 में ओपन सेल के दाम कम थे। लेकिन 2023 की शुरुआत से इसमें तेजी देखी जा रही है। जनवरी से जून तक इसके दाम 15 से 17 फीसदी तक बढ़ गए हैं। 32 इंच के टीवी में इस्तेमाल होने वाला ओपन सेल करीब 27 डॉलर प्रति पैनल का पड़ता है। हालांकि कीमतों में औसत वृद्धि 15 फीसदी के दायरे में होगी। दुनिया में अधिकांश ओपन सेल पैनल का निर्माण चीन की 4 से 5 कंपनियां करती हैं। ऐसे में इनके द्वारा कीमत में बढ़ोत्तरी का असर भारत सहित दुनिया भर के देशों में दिखाई दे रहा है। देश की कई प्रतिष्ठित कंपनियां टीवी के दामों में बढ़ोतरी करने जा रही हैं। टीवी, स्मार्ट फोन और लैपटॉप का व्यापार करने वाले कारोबारियों का कहना है कि ओपन सेल पैनल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं।

महिला मित्र को कॉकपिट में बुलाना पड़ा महंगा; एयर इंडिया सख्त, दो पायलट्स को रोस्टर से हटाया गया

नई दिल्ली ।

अपनी महिला मित्र को कॉकपिट में आमंत्रित करने पर एयर इंडिया के एक पायलट को उड़ान भरने से रोके जाने के एक महीने बाद एयरलाइन ने पिछले सप्ताह दिल्ली-लेह उड़ान के कॉकपिट में एक महिला को आमंत्रित करने के मामले में अब दो पायलटों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। एयर इंडिया प्रबंधन ने एआई-445 विमान के कॉकपिट में अनधिकृत महिला यात्री के प्रवेश के संबंध में केबिन क्रू से शिकायत मिलने के तुरंत बाद पायलट और सह-पायलट के खिलाफ कार्रवाई की।

डीजीसीए बोला- मामले में की जा रही जरूरी कार्रवाई - एयर इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया, एआई-445 के पायलट की एक महिला मित्र ने नियमों का पालन किए बिना कॉकपिट में प्रवेश किया इसके बाद दोनों पायलटों को एयर इंडिया की ओर से ग्राउंड/ऑफ-रोस्टर दिया गया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए नागर विमानन निदेशालय (डीजीसीए) ने कहा, डीजीसीए इस मुद्दे से अवगत है और प्रक्रियाओं के अनुसार मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। एक

अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया, एयर इंडिया ने विस्तार से जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। हालांकि एयर इंडिया की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेह मार्ग सुरक्षा के लिहाज से देश के सबसे कठिन और संवेदनशील हवाई मार्गों में से एक है और वाणिज्यिक विमान में कॉकपिट में अनधिकृत व्यक्ति को अनुमति देना कानून का उल्लंघन है।

विमानन विशेषज्ञ विपुल सक्सेना ने कहा, लेह हवाई अड्डे पर उतरना देश भर में सबसे कठिन अभियानों में से एक है क्योंकि उच्च ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाके हैं और देश के रक्षा बलों के ठिकानों की उपस्थिति के कारण भी संवेदनशील है।

निजी बीमा कंपनियों ने मई महीने में एलआईसी को पछाड़ा

नई दिल्ली ।

निजी जीवन बीमा कंपनियों की वार्षिक प्रीमियम समकक्ष (एपीई) अप्रैल में स्थिर रहने के बाद मई में 10प्रतिशत उछला है। इस दौरान जीवन बीमा निगम में 6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं, एसबीआई लाइफ और एचडीएफसी लाइफ ने इस मामले में सबसे अधिक वृद्धि हासिल की है।

ज्यादातर निजी बीमा कंपनियों की एपीई में 8 से 10 प्रतिशत का इजाफा

पिछले महीने मंदी का एक कारण उच्च आधार प्रभाव रहा है। बीमा कंपनियों ने मई 2022 में कोविड के बाद अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने के दौरान 101प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी। व्यक्तिगत बीमा कंपनियों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ, एचडीएफसी लाइफ और एसबीआई लाइफ ने 8-10प्रतिशत की समान वृद्धि दर दिखाई, जबकि मैक्स लाइफ की वृद्धि कमजोर रही।

मई 2023 में भारतीय बीमा उद्योग की कुल एपीई वृद्धि 3प्रतिशत रही

निजी जीवन बीमा कंपनियों की एपीई में मई 2023 में 10प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान एलआईसी में 6प्रतिशत की गिरावट के साथ

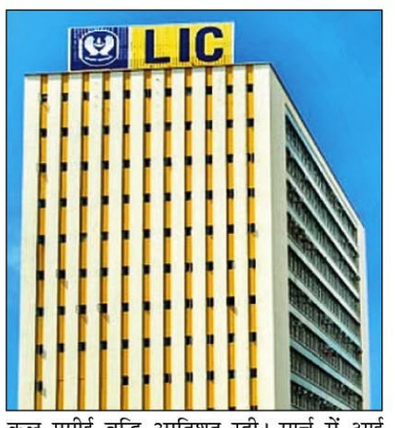

कुल एपीई वृद्धि 3प्रतिशत रही। मार्च में आई मजबूत गति के बाद अप्रैल में कम व्यावसायिक गति (0.5प्रतिशत) देखी गई। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने एक रिसर्च रिपोर्ट में कहा, ऐसा लगता है कि कारोबार की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ी है। चार साल के सीएजीआर आधार पर, मई 2023 में निजी क्षेत्र की एपीई वृद्धि अप्रैल 2023 के समान मध्यम रूप से 12प्रतिशत पर रही। व्यक्तिगत एपीई के मामले में 18प्रतिशत की वृद्धि के साथ बजाज लाइफ आगे निजी कंपनियों के लिए व्यक्तिगत नवीनतम व्यवसाय बीमा राशि में मई 2023 में 25प्रतिशत और अप्रैल 2023 में 26प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। जो क्रमशः 10प्रतिशत की व्यक्तिगत एपीई वृद्धि और 1प्रतिशत की गिरावट को पार कर गई। यह प्रवृत्ति पहले दो महीनों के दौरान औसत टिकट आकार में धीमी वृद्धि के साथ, -2प्रतिशत से +4प्रतिशत तक, खुदरा सुरक्षा में संभावित वृद्धि को इंगित करती है, जो पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 23) में अपेक्षाकृत धीमी थी। उद्योग में नए खिलाड़ियों ने अधिक मजबूत प्रदर्शन का प्रदर्शन किया। बजाज लाइफ ने व्यक्तिगत एपीई में 18प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हासिल की, हालांकि समूह के पूरे व्यवसाय में 58प्रतिशत की गिरावट देखी गई। आदित्य बिड़ला सन लाइफ इन्शुरेंन्स और टाटा एआईए ने व्यक्तिगत एपीई में क्रमशः 33प्रतिशत और 21प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वही जीवन बीमा उद्योग में चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों के दौरान कुल प्रीमियम 36,043 करोड़ रुपये दर्ज किया गया, जो पिछले साल की तुलना में 15प्रतिशत कम है। माना जा रहा है कि वित्त वर्ष 23 की पिछली तिमाही में ग्रोथ में बड़े उछाल की वजह से यह कमी दर्ज की गई है।

पूर्व ट्विटर सीईओ का भारत सरकार पर आरोप

किसान आंदोलन के दौरान छापे मारे, गिरफ्तारी की धमकी दी; आईटी मिनिस्टर बोले- ये सरासर झूठ

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी के उन आरोपों को खारिज किया है, जिनमें उन्होंने सरकार पर दबाव डालने और गिरफ्तारी की धमकी देने की बात कही थी। डोर्सी ने यूट्यूब शो ब्रेकिंग पॉइंट्स विद क्रिस्टल एंड सागर में कहा था कि किसान आंदोलन के दौरान भारत सरकार ने ट्विटर बंद कर देने की धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कई ऐसे पत्रकारों के ट्विटर अकाउंट बंद करने का दबाव बनाया था, जो सरकार की आलोचना कर रहे थे। डोर्सी के इन आरोपों के जवाब में केंद्रीय आईटी मिनिस्टर राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि वे सरासर झूठ बोल रहे हैं। चंद्रशेखर ने कहा, ये शायद ट्विटर के इतिहास के उस बेहद संदिग्ध दौर को मिटाने का प्रयास है।

1. जैक डॉर्सी ने सरासर झूठ बोला

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने जैक डॉर्सी के बयान को झूठा बताया है। उन्होंने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा, जैक डॉर्सी ने जो कुछ कहा है वह सरासर झूठ है। ट्विटर एक ऐसी कंपनी है जो मानती थी कि उसके लिए भारतीय कानूनों का पालन करना जरूरी नहीं है। भारत सरकार शुरू से ही स्पष्ट रूप से बता रही है कि भारत में काम करने वाली सभी कंपनियों को भारतीय कानून को मानना होगा।

2. कोई जेल नहीं गया, किसी पर छापा नहीं पड़ा

चंद्रशेखर ने कहा कि 2020 से 2022 के बीच ट्विटर कई बार भारतीय कानून का उल्लंघन कर रहा था। उस पूरी अवधि के दौरान कोई भी जेल नहीं गया और ना ही किसी पर छापा पड़ा। आखिरकार ट्विटर ने जून 2022 से कानून का पालन करना शुरू कर दिया।

3. डॉर्सी के वक्त ट्विटर का व्यवहार पक्षपाती था

राजीव चंद्रशेखर ने ट्वीट कर कहा, जनवरी 2021 के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान बहुत सारी गलत जानकारियां, यहां तक कि नरसंहार की भी रिपोर्ट आई। यह निश्चित रूप से गलत थीं। भारत सरकार को प्लेटफार्म से गलत जानकारियों को

हटाने के लिए बाध्य होना पड़ा, क्योंकि इसमें फर्जी खबरों के आधार पर स्थिति को और भड़काने की कैपेसिटी थी। जैक डॉर्सी के समय ट्विटर का पक्षपातपूर्ण व्यवहार था, उन्हें भारत में प्लेटफार्म से गलत जानकारियों को हटाने में दिक्कत हुई।

किसान नेता टिकैत बोले- सरकार ने आंदोलन रोकने के प्रयास किए होंगे

जैक डॉर्सी के बयान पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा, उस समय हमें जानकारी थी कि किसान आंदोलन की फेसबुक और ट्विटर पर उतनी रीच नहीं आ रही थी, जितनी आनी थी। वह (सरकार) लोकल स्तर पर रोकने की कोशिश करते थे। ट्विटर के मालिक ने अब स्पष्ट कहा है। उसने (जैक डॉर्सी) ठीक कहा है, भारत सरकार ने यह प्रयास किए होंगे।

डॉर्सी के दावे पर राउत बोले- पर्दे के पीछे लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा

उद्धव ठाकरे गुट के नेता और सांसद संजय राउत ने डॉर्सी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, मैंने देखा है कि कैसे देश का लोकतंत्र और आजादी खतरे में है। इससे स्पष्ट होता है कि कैसे पर्दे के पीछे लोकतंत्र का गला घोंटा जा रहा है।

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल बोले- देश में अभिव्यक्ति की आजादी कहां है

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा, ट्विटर के पूर्व सीईओ का बयान हम सभी के लिए चौंकाने वाला है। सरकार के दूत विपक्ष की आवाज दबाने के लिए ट्विटर के सीईओ पर दवाब बना रहे थे। इसीलिए उन्होंने राहुल गांधी के उस समय के ट्विटर खाते को ब्लॉक कर दिया था। यही कारण है कि उन्होंने उस समय के अधिकांश विपक्षी नेताओं के ट्विटर अकाउंट को ब्लॉक कर दिया था। देश में अभिव्यक्ति की आजादी कहां है

हाल ही में डॉर्सी ने लॉन्च किया है ब्लूस्काई ऐप

फेक अकाउंट की वास्तविक संख्या को लेकर चल रहे विवाद के बीच जैक डॉर्सी ने 29 नवंबर 2021 को ट्विटर के सीईओ के पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके कुछ समय बाद एलन मस्क ने 44 अरब डॉलर यानी तब करीब 3.37 लाख करोड़ रुपए में ट्विटर को खरीद लिया है। इसके बाद हाल ही में जैक डॉर्सी ने ट्विटर के जैसा सोशल मीडिया प्लेटफार्म ब्लूस्काई लॉन्च किया है। हालांकि, अभी ब्लूस्काई ऐप डेवलपिंग फेज में है, इस ऐप को सिर्फ एक इनवाइट कोड के साथ एक्सेस किया जा सकता है। ऐप एक आसान यूजर इंटरफेस देता है।

हड्डी में ट्रांसजेंडर के लुक से प्रभावित किया नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने

-टीम को लुक तैयार करने में लगे करीब 6 महीने

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अपकमिंग फिल्म हड्डी में ट्रांसजेंडर के लुक को तैयार करने में फिल्म की टीम को 6 महीने का समय लग गया। टीम की मेंबर राधिका नंदा ने साझा किया कि शुरू में अभिनेता के लिए यह बहुत मुश्किल था क्योंकि साड़ी पहनने में लगभग 30 मिनट और पूरा लुक तैयार करने में लगभग 3 घंटे लगते थे। उन्होंने कहा- उन्होंने (नवाजुद्दीन) पहली बार साड़ी पहनी थी। वह उसी साड़ी लुक में घंटों शूटिंग करते थे। हमने इस प्रक्रिया में प्रोस्थेटिक्स का भी इस्तेमाल किया, लेकिन विचार यह था कि लुक को जितना हो सके प्राकृतिक रखा जाए। इस फिल्म को बॉलीवुड में क्वीर कम्युनिटी के प्रतिनिधित्व में एक ऐतिहासिक फिल्म माना जाता है। हड्डी में मुख्य भूमिका निभाने के लिए नवाजुद्दीन की ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण की प्रशंसा करते हुए, निमार्ता ने साझा कियाः हमने पूरी शूटिंग के दौरान लगभग 80 साड़ियों का इस्तेमाल किया। नवाजुद्दीन पहली बार खुद को आईने में देखकर बहुत खुश हुए, क्योंकि उन्होंने खुद को कभी इस तरह से नहीं देखा था, जिससे उन्हें अपने किरदार को करीब से महसूस करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, वह समझ गए कि एक महिला के लिए हर दिन उस पोशाक में उठना और घर का काम करना कितना मुश्किल होता है। कई मेकअप कलाकारों से गुजरने के बाद हमें इस लुक को हासिल करने में लगभग 6 महीने लग गए।

अफवाह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार

- भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन की है यह फिल्म

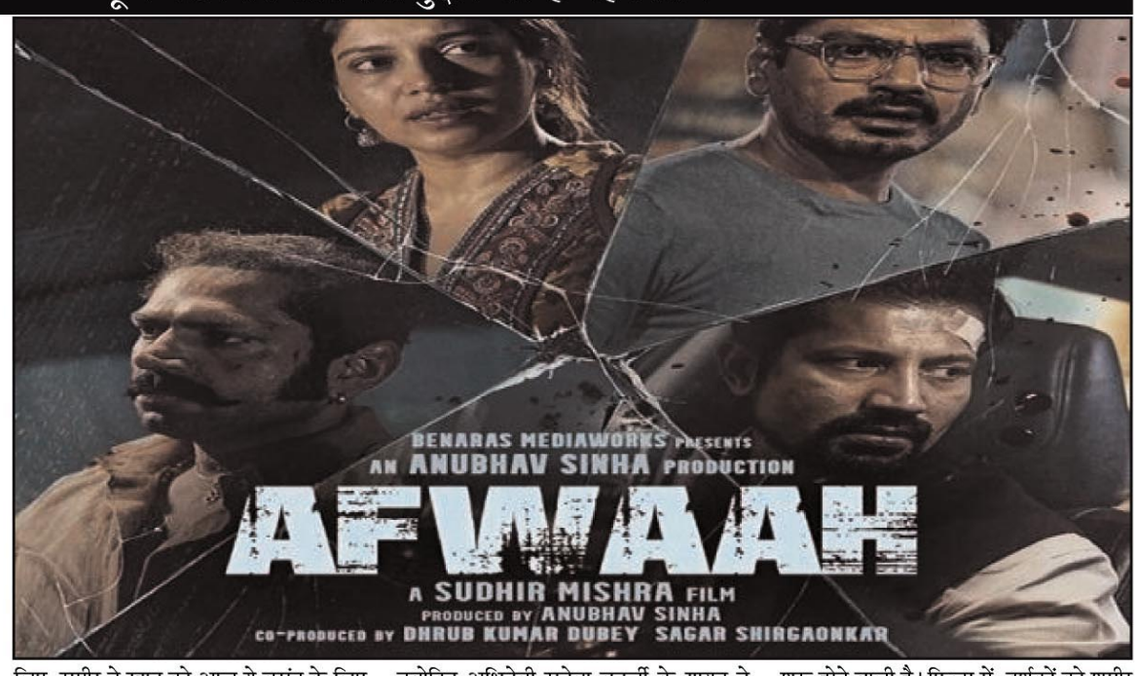

मुंबई (ईएमएस)। फिल्म अफवाह ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और भूमि पेडनेकर ने अभिनय किया है। अफवाह सिनेमाई रूप से समृद्ध है और इसमें एक मनोरंजक कहानी भी शामिल है। फिल्म में राजनीतिक शक्ति, मीडिया का काला पक्ष, भ्रष्टाचार और लोभ जैसे तत्वों को दशार्या गया है। सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित, राजनीतिक थ्रिलर का उद्देश्य अफवाह फैलाने वालों को कम करना और नकली समाचारों के प्रसार से निपटना है। इन विषयों को निर्देशक सुधीर मिश्रा ने उपदेशात्मक न होते हुए बहुत सूक्ष्म तरीके से आत्मसात किया है।संगीत निर्देशक शमीर टंडन ने कहा, सुधीर ने मुझे इस गीत के लिए इसलिए चुना क्योंकि उन्हें बहुत अधिक गंभीरता और गहराई वाले गीतों की आवश्यकता थी और वे जानते थे कि मैं इसे अच्छी तरह से कर पाऊंगा। मैंने मामे खान से इसे कुछ स्वाद देने के लिए अपनी आवाज देने के लिए कहा। मैंने उनसे पूरी फिल्म में आलाप भी करवाए, इसलिए फिल्म की पृष्ठभूमि विशेष रूप से मंत्रमुग्ध करने वाली है। मैं इस अविश्वसनीय और प्रेरक फिल्म की पटकथा सुनने और शीर्षक ट्रैक- आज ये बसंत की रचना करने के लिए अत्यधिक उत्साहित था। इस प्रकार की फिल्में पारंपरिक प्रेम गीतों या पार्टी ट्रैक्स से प्रस्थान की मांग करती हैं। संगीत को बुद्धिमत्ता के साथ पेश किया जाना था, फिल्म की कहानी को पूरक और बढ़ाने के लिए सावधानी से तैयार किया गया था। राजस्थानी गायक होने के नाते, मामे खान आमतौर पर उच्च स्वर में गाती हैं। अफवाह के लिए, समीर ने खान को आज ये बसंत के लिए कम सप्तक में गाने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके गाने की प्रस्तुति ने निर्देशक सुधीर मिश्रा से प्रशंसा अर्जित की, जिन्होंने कहा कि वह इसे पार्क से बाहर हिट करते हैं! टीजर में मामे खान के गायन को शामिल करने के लिए मिश्रा की ओर से यह एक शानदार कदम था। यह दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए संगीत की क्षमता को प्रदर्शित करता है। निर्देशक सुधीर मिश्रा ने कहा, लोक गायक मामे खान और नवोदित अभिनेत्री सुनेत्रा बनर्जी के गायन ने वास्तव में शमीर टंडन के निर्देशन में फिल्म के बैकग्राउंड स्कोर में एक भावपूर्ण सार जोड़ा है। मैं इस विचारोत्तेजक फिल्म को वैश्विक दर्शकों के सामने लाने के लिए रोमांचित हूं। मुझे उम्मीद है कि दुनिया भर के दर्शक मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी के शांत गायन के साथ-साथ भावपूर्ण पृष्ठभूमि से जुड़ेंगे। फिल्म में अप्रत्याशित मोड़ और मोड़ निश्चित रूप से दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे और यह जल्द ही नेटफ्लिक्स पर शुरू होने वाली है। फिल्म में, दर्शकों को शमीर टंडन द्वारा रचित और मामे खान और सुनेत्रा बनर्जी द्वारा गाए गए एक अत्यंत आत्मा-उत्तेजक गीत आज ये बसंत से भी अवगत कराया गया है। यह गाना ट्रेलर के सार को पकड़कर फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाता है। इसमें एक अफवाह का नतीजा बताया गया है जिसमें भूमि पेडनेकर और नवाजुद्दीन सिद्दीकी पूरे शहर के निशाने पर आ जाते हैं। अफरा-तफरी के बीच जीवन-मौत से जूझ रहे हैं।

अब दशहरे पर प्रदर्शित होगी वैक्सीन वॉर

-15 अगस्त को 11 भाषाओं में होने वाली थी रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली परियोजना, द वैक्सीन वॉर फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी है। द वैक्सीन वॉर अब इस दशहरे पर सिनेमाघरों में उतरेगी। यह फिल्म पहले स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त, 2023 को 11 भाषाओं में रिलीज होने वाली थी। यह फिल्म हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, पंजाबी, भोजपुरी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, गुजराती और मराठी में रिलीज होगी। निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने पुष्टि की है कि नाना पाटेकर द वैक्सीन वॉर में मुख्य भूमिका निभाएंगे। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने खबर शेयर करते हुए बताया कि फिल्म की रिलीज डेट टाल दी गई है। उन्होंने ट्वीट किया, विवेक अग्निहोत्री ने वैक्सीन वॉर को दशहरा 2023 में शिफ्ट किया है। तरण ने कहा, द कश्मीर फाइल्स के ब्लॉकबस्टर होने के बाद विवेक रंजन अग्निहोत्री और उनकी निमार्ता-पत्नी पल्लवी जोशी वर्तमान में द वैक्सीन वार को अंतिम रूप दे रहे हैं। कुछ दिनों की शूटिंग अभी बाकी है। इसके अलावा दोनों की योजना भारत में प्रदर्शित होने से पूर्व यूएसए में प्रदर्शित करने की है। विवेक अग्निहोत्री ने पिछले साल वैक्सीन वॉर की घोषणा की थी और इस प्रोजेक्ट को लेकर अपना उत्साह साझा किया था। फर्स्ट लुक पोस्टर में टैगलाइन एक युद्ध जिसे आप नहीं जानते कि आप लड़े और जीत गए को चित्रित किया। यह जल्द ही लखनऊ में फ्लोर पर चला गया। हालांकि फिल्म के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, नाम उस विषय के बारे में बहुत कुछ बताता है जिस पर फिल्म आधारित है। यह दशार्ता है कि यह भारतीय जैव-वैज्ञानिकों और स्वदेशी टीकों के बारे में कुछ अध्याय खोलेगा। यह फिल्म कोविड-19 महामारी के अनिश्चित समय के दौरान चिकित्सा बिरादरी और वैज्ञानिकों के समर्पण को श्रद्धांजलि देगी।

वरुण और लावण्या ने हुए एक-दूजे के, पहनाई अंगूठी

एक्टर वरुण तेज और एक्ट्रेस लावण्या त्रिपाठी की सगाई हो गई है। बीते 9 जून को कपल ने घर पर एक प्राइवेट सेरेमनी में एक-दूसरे को अंगूठी पहनाई। वरुण और लावण्या ने अपनी सगाई की तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ भी शेयर की हैं। इस सेरेमनी में उनके कजिन अल्लू अर्जुन, राम चरण और सुपरस्टार चिरंजीवी परिवार के साथ पहुंचे। इंगेजमेंट के लिए लावण्या वरुण तेज से घर पहुंची। इस दौरान एक्ट्रेस ने लाइट कलर की साड़ी के साथ बालों में गजरा सजाए बेहद खूबसूरत दिखीं। वहीं वरुण तेज भी क्रीम कलर की शेरवानी में काफी डैशिंग लगे। कपल एक दूजे के हाथों में हाथ थाम अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करता दिखा।

वहीं दोनों एक दूजे की बाहों में कोजी पोज भी देते दिखे। ये तस्वीरें शेयर कर वरुण ने कैप्शन में लिखा फाउंड माय लव! वहीं लावण्या ने कैप्शन में रेड हार्ट इमोजी के साथ लिखा फाउंड माय फॉरएवर फ्रॉम 2016 टू इनफिनिटी...

साउथ व बालीवुड फिल्मों में नहीं दिखा सकीं अनुप्रिया दमखम, अब असुर-2 से से हुई सुपरहिट

अनुप्रिया के करियर को एक नई दिशा दे सकती है वेब सीरीज

मुंबई (ईएमएस)। अनुप्रिया ने पोटूगाडू और पथशाला जैसी तेलुगू फिल्मों में अभिनय किया है। आखिरी बार वे मेरे देश की धरती हिंदी फिल्म में झुमकी के किरदार में दिखी थीं। हालांकि, उनका न तो साउथ में और न ही बॉलीवुड में दम दिखा, लेकिन असुर-2 उनके करियर को एक नई दिशा दे सकती है। कॉपोर्रेट जगत से अभिनय की ओर आने के लिए प्रेरित करने वाली बातों को याद करते हुए असुर-2 की नैना नैयर यानी अनुप्रिया ने कला के प्रति अपने अपार प्रेम और उस पर पड़ने वाले जेन इफेक्ट के बारे में बात की। अनुप्रिया गोयनका ने कहा कि मैं बहुत ज्यादा सोचती हूं और मेरा दिमाग लगातार बातें करता रहता है। मुझे लगता है कि अभिनय एक ऐसा समय है जब मैं ध्यानमग्न यानी मेडिएटिव टाइप महसूस करती हूं। एक्शन और कट के बीच चाहे मेरे जीवन में कुछ भी हो रहा हो, मैं बस वर्तमान क्षण में हूं या कहें मैं जहां हूं वहीं खुद को पाती हूं, बाकी दुनिया से मुझे कोई लेना- देना नहीं। असुर-2 फेम अनुप्रिया का कहना है कि यह सबसे पूर्ण भावना है। यह लगभग वैसा ही है जैसे आप एक्टिंग के जरिए सांस लेते हैं और जीवन में सब कुछ अभिनय के उद्देश्य के लिए उचित है भावनाएं, अच्छा, बुरा। मैंने नए अनुभवों की तलाश शुरू कर दी है, क्योंकि मैं एक बेहतर कलाकार बनना चाहती हूं और खुद को आगे बढ़ाना चाहती हूं। असुर-2 में नैना के रूप में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए अनुप्रिया ने यह भी बताया कि वे असल जिंदगी में उस किरदार से काफी गहराई से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मुझमें और नैना में काफी समानता है। मैं उससे इस तरह से रिलेटेड हूं जैसे मैं भी बहुत मजबूत दिमाग वाली हूं, मैं बहुत स्वच्छंद यानी विचार रखती हूं, मैं अपनी राय से शमार्ता नहीं हूं, लेकिन साथ ही मैं कभी-कभी बेहद कमजोर हूं और मैं अपना नाजुकपन भी दिखाती हूं।

आगे वे कहती हैं कि मेरे पास सही और गलत के साथ मेरे अपने संघर्ष हैं, मेरा वैल्यु सिस्टम, लेकिन नैना के माध्यम से मैं उस हिस्से को छूने में सक्षम थी कि वे जो मानते हैं उसके लिए एक सीमा पार कर सकते हैं। असुर 2 अब जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग कर रहा है, जहां आप इसे फ्री टाइम में देख सकते हैं।

तेरे वास्ते पर थिरकती हुई नजर आ रही सुधा चंद्रन

-रील वीडियो शेयर किया तो मच गई खलबली

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस और डांसर सुधा चंद्रन ने एक नया वीडियो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। इस वीडियो में वह जरा हटके जरा बचके फिल्म के ट्रेंडिंग सॉन्ग तेरे वास्ते पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। सुधा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक रील वीडियो शेयर किया तो खलबली मच गई। 57 साल की इस एक्ट्रेस की फिटनेस और खूबसूरत ने जमकर वाहवाही बटोरी है। सुधा का डांस वीडियो अब इंटरनेट पर खूब वायरल हो रहा है। सुधा चंद्रन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्हें फिल्म जरा हटके जरा बचके के गाने तेरे वास्ते पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। दरअसल इस गाने पर कई रील वीडियो बनाए गए हैं। इसके चलते यह गाना काफी ट्रेंड हो रहा है। अब सुधा चंद्रन ने इस गाने पर एक डांस वीडियो बनाया है। सुधा चंद्रन ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा है, जरा हटके जरा बचके, क्या फिल्म है। साफ सुथरी फैमिली ड्रामा। हर कलाकार ने कमाल की एक्टिंग की है। एक गाना जो अभी ट्रेंड में है, तो मैं कैसे पीछे रह सकती हूं। सुधा चंद्रन ने वीडियो कुछ घंटे पहले ही शेयर किया, जिसे 223 से ज्यादा कमेंट किए गए हैं। वहीं, इसे 6 हजार से ज्यादा लाइक्स भी मिले हैं। सुधा इसमें खुलकर डांस करती हुई नजर आ रही हैं। वीडियो में उन्होंने खूबसूरत सी गोल्डेन कलर की साड़ी पहन रखी है। एक्ट्रेस का बिंदास अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। वह अक्सर अपने चाहनेवालों से बातचीत भी करती है।

बात करें फैन फॉलोइंग की तो उनके इंस्टाग्राम पर 4 लाख 41 हजार से भी ज्यादा फॉलोअर्स मौजूद हैं। सुधा चंद्रन ने इसके पहले अपना एक डांस वीडियो शेयर किया था। इसमें उन्हें एक तेलुगू गाने पर थिरकते हुए देखा जा सकता है। इस वीडियो में उनके लुक की भी काफी तारीफ हुई थी। सुधा चंद्रन की फिटनेस कमाल की है। वह जिम में जमकर पसीना बहाती है। इसे लेकर उनके फैंस भी उनकी खूब प्रशंसा करती है। बता दें कि एक्ट्रेस और डांसर सुधा चंद्रन का नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है। वह हर एक कलाकार के लिए प्रेरणा हैं। सास-बहू वाले टीवी शो में जब किसी विलेन का किरदार पर्दे पर दिखता है तो सबसे पहला नाम सुधा चंद्रन का आता है। टीवी की दुनिया में वह अपने निगेटिव किरदारों के लिए जानी जाती हैं। टीवी शो के अलावा, सुधा हिंदी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। पॉपुलर एक्ट्रेस और भरतनाट्यम डांसर सुधा चंद्रन ने महज 3 साल की उम्र से ही उन्होंने एक-से-एक दमदार परफॉर्मेंस देकर सबको दंग कर दिया और अब वह इंडस्ट्री की एक जानी-मानी हस्ती बन गई हैं।

अमित ने पूरी की फिल्म मैं की शूटिंग

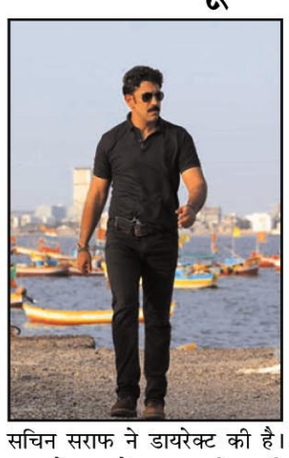

बालीवुड एक्टर अमित साध के फैंस के लिए खुशखबरी है कि उन्होंने फिल्म की शूटिंग आखिरकार पूरी करली है। एक्टर ने खुद अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शूट से जुड़ी कुछ अनसीन फोटोज अपने फैंस के साथ शेयर की है। जिसे देखकर लोग बहुत खुश है कि उन्हें एक मजेदार कहानी देखने को मिलेगी। एक्टर ने पिछले महीने ही फिल्म के सेकंड शेड्यूल की शूटिंग आरंभ की थी, जो एक्टर के लिए बहुत ही थकाऊ और अति परिश्रमी थी। कॉप ड्रामा होने के नाते इस फिल्म में दर्शकों के लिए मेकर्स ने सशक्त संदेश दिया है। एक्टर ने फिल्म के सेट से आखिरी दिन की फोटोज भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। इस फिल्म में अमित ईशा देओल तख्तानी, सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया, मिलिंद गुणाजी के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगे। फिल्म सचिन सराफ ने डायरेक्ट की है। आपको बता दे यह उनकी पहली फिल्म है। मैं की रिलीज डेट मेकर्स जल्द ही ऑडियंस के साथ शेयर करेंगे। इसके साथ ही उनके पास शार्ट फिल्म घुसपैठ, पुणे हाईवे और दुरंगा 2 भी है।

प्रियंका की बुल्गारिया होटल रोमा में अद्भुत एंट्री

इटली के बुल्गारिया होटल रोमा में ग्लोबल आइकॉन और ब्रांड एम्बेसडर प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अद्भुत एंट्री की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों की नजरें प्रियंका पर टिकी रह गई। लक्जरी ब्रांड का रिप्रेजेंटेशन करने का सम्मान पाने वाली एकमात्र इंडियन एक्ट्रेस बुलगारिया के सीईओ जीन क्रिस्टोफ बाबिन द्वारा आयोजित शानदार लॉन्च में ब्रांड एम्बेसडर और दोस्त जेंडाया के साथ शामिल हुई। प्रियंका जो भी ऑउटफिट पहनती हैं वह आइकॉनिक लुक बन जाता है। इस गाउन में उन्होंने प्लंजिंग नेकलाइन, थाई-हाई स्लिट और बेहद सुंदर ट्रेल को लहराया। ड्रेस बेल स्लीव्स और ओवरसाइज्ड फेदर से लुक को कम्पलीट किया। एक्सेसरीज में उन्होंने खूबसूरत नेकलेस, मिनिमल मेकअप स्मार्कली आईलैशेज, मस्कारा और ब्राउन लिप्स से ऑउटफिट को पूरा किया। हेयरस्टाइल के लिए उन्होंने साधारण क्यूट पिगटैल को चुना। प्रियंका अमेजन प्राइम वीडियो में फिलहाल सिटाडेल से सभी को एंटरटेन कर रहीं हैं। इसका पहला सीजन 28 अप्रैल को प्रीमियर हुआ। नादिया सिंह के किरदार में एक्ट्रेस ने सिटाडेल में जबरदस्त परफॉरमेंस दी। इतना ही नहीं यह शो प्राइम वीडियो के इतिहास में सबसे ज्यादा लोकप्रिय दूसरा शो बन गया।

सूडोकु नवताल- 6461

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6460 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्दजाल - 7208

र	क	ल	ड्री	म	ग	र्ल	धी	सी	ल	ज
र	जि	ल	दे	क्रां	ति	ड्र	इं	ता	ट	वा
त	स	या	ल	र्म	छ	रा	रा	औ	ख	द
ब	ज	ज	सु	पु	र	रा	प	र	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ला	लं	ज	तू	गी	झ	र्नि
स	क	व	प	ह	न	पू	ना	ता	घ	ग
त्ते	अ	स	त	या	प	त	श	ज	ला	ट्रे
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	न
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	शो	ले	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	क	या	म	त

शब्दजाल में 'हेमा मालिनी'की10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

क्रांति,ड्रीमगर्ल,बगावत,रजिया सुल्तान, शोले, सीता और गीता,सत्ते पे सत्ता, राजपूत,द बर्निंग ट्रेन,कयामत

शब्दजाल - 7207 का हल

ओ	ल	र	सें	दा	प	र	तू	ग	झ	आ
ज	म	ल	त	आ	मो	ना	श	प	ति	अ
अं	इ	नु	ग्र	ल	दा	ल	अ	र	ला	सी
ज	त	र	बू	ज	ला	क	न्ना	रि	श	ता
स	ति	अं	गू	र	र	क	ना	ग	वी	फ
से	रं	ल	चु	व	लि	र्त	स	ती	प	ल
ब	गा	ल	के	गा	प	म	त	कौ	या	ले
श	बा	अ	ना	र	क	छ	क	ग	श	थ
म	स	मि	न	व	न	ज	स	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	प	पी	ता	र	हो	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6161

	6			2	3	4
2	39	1	29		26	
7		5	4			1
	30	2	27	1	31	
		3			6	7
6	30		39	4	35	
3	5		6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6160 का हल

7	6	5	4	3	2	1
2	35	1	26	6	28	6
5	7	2	4	1	6	3
4	28	4	27	4	36	4
1	2	3	4	5	6	7
6	35	7	35	7	38	2
3	7	6	1	2	4	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

बीजिंग एयरपोर्ट पर हिरासत में लिए गए लियोनेल मेसी, सामने आई यह वजह, वीडियो वायरल

बीजिंग।
अर्जेंटीना के फुटबॉल स्टार लियोनेल मेसी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी को चीन में बीजिंग हवाई अड्डे पर पुलिस ने हिरासत में लिया था। वीडियो में मेसी चीनी पुलिसकर्मियों से घिरे नजर आ रहे हैं। दरअसल, अर्जेंटीना को गुरुवार (15 जून) को बीजिंग के वर्कर्स स्टेडियम में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ऑस्ट्रेलिया का सामना करना है। मौजूदा फीफा विश्व कप चैम्पियन अर्जेंटीना अपने प्रदर्शन से चीन के फैंस का दिल जीतने की कोशिश करेगी। इस मैच से पहले सामने आए इस वीडियो ने सभी को हैरान कर दिया है। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, ऐसा लगता है कि कप्तान लियोनेल मेसी को चीनी पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के कारण अर्जेंटीना की दोस्ताना तैयारी में मामूली दिक्कत का सामना करना पड़ा है। बीजिंग पहुंचने पर 35 साल के लियोनल मेसी को पुलिस ने हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया।

क्या थी वजह - बताया जा रहा है कि ऐसा मेसी के पासपोर्ट की वजह से हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनल मेसी के पास अर्जेंटीना और स्पेनिश दोनों देशों के पासपोर्ट हैं। लेकिन मेसी अर्जेंटीना के पासपोर्ट के बजाय स्पेनिश पासपोर्ट पर यात्रा कर रहे थे और उनके स्पेनिश पासपोर्ट पर चीन का वीजा नहीं था। इस वजह से एयरपोर्ट पर चीन की बॉर्डर पुलिस ने मेसी को रोक लिया।

चीनी फैंस मेसी के इंतजार में खड़े रहे - मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अर्जेंटीना के पासपोर्ट की बजाय स्पेन का पासपोर्ट लाने के कारण मेसी को कुछ देर एयरपोर्ट पर ही रुकना पड़ा। करीब आधे घंटे बाद समस्या को सुलझा लिया गया। उन्हें एंट्री वीजा दिया गया इसके बाद मेसी एयरपोर्ट से बाहर निकल पाए। बता दें कि स्पेन के पासपोर्ट पर चीन में वीजा-फ्री एंट्री नहीं है। हालांकि, वह बिना वीजा के ताइवान में प्रवेश कर सकते हैं। लियोनल मेसी ने कथित तौर पर सोचा था कि ताइवान चीन का हिस्सा है, इसीलिए वीजा के लिए आवेदन नहीं किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शुरुआत में लियोनेल मेसी और चीनी हवाई अड्डे पर मौजूद गार्डों के बीच भाषा के कारण भी दिक्कत हुई, जो जल्द ही सुलझ गई थी। चीन में लियोनेल मेसी की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। एयरपोर्ट से निकलते वक्त मेसी का उनके फैंस ने जोरदार स्वागत किया। एयरपोर्ट और जिस होटल में लियोनेल मेसी के ठहरने का इंतजाम था, वहां भी सैकड़ों फैंस उनके इंतजार में खड़े दिखे।

न्यूज ब्रीफ

बॉर्डर ने एशेज में ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाए रखने के लिए बोलैंड का समर्थन किया

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर ने इंग्लैंड के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए

ऑस्ट्रेलियाई टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड का समर्थन किया है और उनका कहना है कि पैट कमिंस की टीम को उसी एकादश को पहले एशेज टेस्ट में उतारना चाहिए जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भारत को 209 रन से हराया था। बोलैंड ने डब्ल्यूटीसी फाइनल के पांचवें दिन भारत को 234 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसमें दूसरी पारी में एक ओवर में विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के दोहरे विकेट शामिल थे। इस ओवर ने ऑस्ट्रेलिया की 209 रन की जीत का आधार तैयार किया। सीमर ने भारत की दो पारियों में पांच विकेट लिए। बोलैंड को डब्ल्यूटीसी फाइनल प्लेइंग इलेवन में जोश हेजलवुड के चोट के कारण अनुपलब्ध होने के कारण माइकल नेसर पर प्राथमिकता देते हुए चयन किया गया था। डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत के खिलाफ पांच विकेट दिसंबर 2021 में बॉक्सिंग डे एशेज टेस्ट में टेस्ट डेब्यू पर दूसरी पारी में 6/7 के बाद से बोलैंड की शानदार वृद्धि का नवीनतम अध्याय था। बोलैंड को रहना होगा। वह भारत के खिलाफ हर समय खतरनाक साबित हो रहे थे। यह टेरी एल्डरमैन की तरह था और टेरी इंग्लैंड में असाधारण था। वे दोनों जिस तरह से विकेट चूमते हैं, इंग्लैंड की परिस्थितियों के लिए उनके पास एकदम सही गति हैं। बोलैंड की गेंदबाजी की शैली और उनकी सामान्य सटीकता उन्हें आदर्श अंग्रेजी गेंदबाज बनाती है। उन परिस्थितियों में बोलैंड पहले चुने गए हैं। उन्हें वही टीम रखनी है जिसने भारत को हराया। यह निश्चित रूप से ऑस्ट्रेलिया के लिए एक चयन सिरदर्द होगा जब वे जोश हेजलवुड के फिट होने और चयन के लिए उपलब्ध होने के साथ पहले एशेज टेस्ट के लिए अपने गेंदबाजी आक्रमण को चुनते हैं। 16 जून से एजबेस्टन, बर्मिंघम में शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया का सामना इंग्लैंड से होगा।

रैना अब श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना अब लंकाई प्रीमियर लीग (एसएलसी) में खेलते हुए नजर

आयेंगे। रैना को इसके लिए खिलाड़ियों की नीलामी सूची में जगह मिली है। इस लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी बुधवार 14 जून को होगी। श्रीलंका क्रिकेट ने इस लीग के लिए अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेटरों की सूची जारी की है। ये खिलाड़ी 31 जुलाई से शुरू होने वाले पांच टीम के टूर्नामेंट के लिए नीलामी में भाग लेंगे। आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के ब्लेबाज रहे रैना ने साल 2008 से 2021 के बीच आईपीएल के प्रत्येक सत्र में खेला है। रैना ने 205 आईपीएल मैचों में 5500 से अधिक रन बनाए हैं जिसमें एक नाबाद शतक भी शामिल है। सीएसके के अलावा रैना ने आईपीएल में गुजरात लायंस की ओर से भी खेला है।वह घरेलू टूर्नामेंटों में उत्तर प्रदेश की ओर से खेलते थे। रैना ने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारुपों से पहले ही संन्यास ले लिया था। इसी कारण उन्हें श्रीलंकाई लीग में जगह मिली है।

डेनवर नगेट्स ने एनबीए लीग का टाइटल जीतकर इतिहास रचा: पहली बार विजेता बनी; फाइनल में तीन बार की चैंपियन मियामी हीट को हराया

नई दिल्ली। डेनवर नगेट्स ने नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। अमेरिका के डेनवर के बॉल एरिना में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने मियामी हीट को 94-89 से हराया। डेनवर नगेट्स साल 1967 से चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही है, लेकिन यह पहली बार है जब उसने ट्रॉफी जीती है। बता दें, मियामी हीट ने तीन बार एनबीए ट्रॉफी जीती है। लॉस एंजिल्स लेकर्स और बोस्टन सेल्टिक्स लीग की सबसे सफल टीमें हैं। इन दोनों टीमों ने 17-17 बार लीग का खिताब जीता है। गोल्डन स्टेट वारियर्स सात ट्रॉफी के साथ तीसरे नंबर पर है। शिकागो बुल्स छह और सैन एंटोनियो स्पर्स पांच बार चैंपियन बनी है। मियामी हीट ने मैच का पहला क्वार्टर 24-22 से जीता था। पहले क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने भी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन दो पॉइंट्स से पीछे रही। दूसरे क्वार्टर में मियामी हीट फिर हावी रही और 27-22 के स्कोर के साथ बाजी मारी। मैच का तीसरा क्वार्टर डेनवर नगेट्स ने 26-20 से जीता।

क्या अब विराट-रोहित युग से आगे बढ़ने का समय है

दोनों की कप्तानी में आईसीसी के 6 टूर्नामेंट खेले, ट्रॉफी एक भी नहीं जीती

नई दिल्ली।
ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकतरफा अंदाज में हारने के बाद भारतीय टीम और इसकी लीडरशिप पर उठ रहे सवाल और भी मजबूत हो गए हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े स्टार हैं। साल 2016 के बाद हुए 6 आईसीसी टूर्नामेंट में भारत ने इनकी कप्तानी में शिरकत की है, लेकिन कामयाबी किसी में भी नहीं मिली।

इन दोनों से पहले टीम के लीडर महेंद्र सिंह धोनी थे। उनकी अगुआई में भारत ने 3 आईसीसी ट्रॉफी जीतीं। आखिरी खिताबी जीत 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आई थी। इसके बाद से ही भारत का ट्रॉफी कैबिनेट खाली है। धोनी अपनी कप्तानी के आखिरी तीन साल में कोई खिताब नहीं जिता पाए थे। उनके जाने के बाद भारतीय फैंस ने उम्मीद जताई थी कि विराट कोहली के आने से ट्रॉफी का सूखा खत्म होगा। कोहली के बाद यह आस रोहित शर्मा से बंधी, लेकिन दोनों ही खिताबी कामयाबी हासिल नहीं कर पाए।

विराट की कप्तानी में दो फाइनल हारे

बतौर कप्तान मैच जीतने के लिहाज से कोहली का रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वे टीम को बड़े टूर्नामेंट में कामयाब नहीं बना पाए। विराट ने 213 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की और 135 में टीम जीती। सिर्फ 60 में हार का सामना करना पड़ा। 3 मैच टाई, 11 ड्रॉ और 4 नो रिजल्ट रहे। जीत और हार का औसत 2.250 रहा। यानी उनकी कप्तानी में भारत ने जितने मैच गंवाए उसके दोगुने से भी ज्यादा जीते। हालांकि कोई आईसीसी टूर्नामेंट का खिताब जीतना कप्तान विराट के लिए सपना ही रह गया। हां, जूनियर लेवल पर उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप जरूर जीता है।

2017 में इंग्लैंड में हुआ चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट बतौर कप्तान विराट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट था। इसके फाइनल में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ

करारी शिकस्त मिली। इसके बाद 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारा। 2021 डब्लूटीसी फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड ने ही हराया। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। यानी विराट ने दो टूर्नामेंट के फाइनल तक भारत को पहुंचाया, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके।

रोहित ने भारत को एशिया का बादशाह बनाया, पर वर्ल्ड टूर्नामेंट नहीं जीते

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने 2018 का एशिया कप जीता। तब टीम के रेगुलर कैप्टन विराट ही थे, लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट से ब्रेक लिया था। इस जीत के बाद से ही रोहित को भारत के अगले रेगुलर कप्तान के रूप में देखा गया। रोहित शर्मा का आईपीएल में ट्रैक रिकॉर्ड शानदार रहा। आईपीएल में विराट के मुकाबले रोहित बहुत आगे निकल चुके थे। रोहित मुंबई इंडियंस को 5 खिताब जिता चुके थे। एशिया कप जीतने के बाद से फैंस रोहित शर्मा से आईसीसी टूर्नामेंट की भी आस लगा रहे थे। 2021 में विराट कोहली के कप्तानी छोड़ते ही रोहित को कप्तान बनाया गया। रोहित के कप्तान बनते ही टीम इंडिया के फैंस ने आईसीसी ट्रॉफी की उम्मीद जतानी शुरू कर दी थी, लेकिन रोहित की कप्तानी में भी भारत खाली हाथ ही रहा।

टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में विराट की कप्तानी में बाहर होने के बाद वर्ल्ड कप 2022 में रोहित की कप्तानी में भी रिजल्ट नहीं बदला। टीम सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार गई। इसके बाद वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया ने भारत को एकतरफा मुकाबले में आसानी से हरा दिया। कप्तानी, बैटिंग ऑर्डर, बॉलिंग लाइन-अप से लेकर टीम सिलेक्शन तक सब कुछ फ्लॉप रहा।

बड़े मैच में दबाव में आ जाती है रोहित की टीम

विराट की तरह रोहित भी मैच जीतने के मामले में काफी कामयाब रहे हैं। उनकी अगुआई में भारत ने 84 में से 62 इंटरनेशनल मैच जीते हैं। हार सिर्फ 21 में मिली है। 1 मुकाबला ड्रॉ रहा है। रोहित की जीत/हार का औसत 2.952 का रहा है, जो विराट (2.250) से भी बेहतर है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के बड़े मैच में उनकी टीम फ्लॉप हो जाती है। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप आईसीसी टूर्नामेंट में रोहित का पहला बड़ा इम्तिहान था। भारत को सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने 10 विकेट से करारी शिकस्त थमा दी। दूसरा चैलेंज डब्लूटीसी का पिछला फाइनल था। इसका नतीजा क्या रहा, वह हम सब जानते हैं।

पंड्या दावेदार, लेकिन वर्ल्ड कप में रोहित ही रहेंगे कप्तान

वनडे वर्ल्ड कप इसी साल अक्टूबर में होना है। भारत के पास इस बार फिर आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने का मौका है। जिस तरह भारतीय टीम रोहित की कप्तानी में लगातार दो बड़े टूर्नामेंट में हारी है उससे सिलेक्टर्स के ऊपर कप्तान बदलने का दबाव आ सकता है। हालांकि बीसीसीआई से जुड़े करीबी सूत्रों का कहना है कि वनडे वर्ल्ड कप में रोहित ही टीम की कमान संभालेंगे। सूत्रों ने बताया कि वर्ल्ड कप में अब चार महीने से भी कम समय बाकी है। ऐसे में टीम के रेगुलर कैप्टन को हटाने का जोखिम नहीं लिया जा सकता है। यह जरूर मुमकिन है कि बोर्ड के अधिकारी रोहित और राहुल द्रविड़ से आगे की प्लानिंग पर चर्चा कर सकते हैं। वहीं अगर वनडे वर्ल्ड कप में भी टीम को खिताबी जीत नहीं मिली तो फिर रोहित शर्मा की कप्तानी का बच पाना लगभग नामुमकिन है।

टेस्ट से शुरू होगा भारत का वेस्टइंडीज दौरा

12 जुलाई को पहला मैच, 27 जुलाई से 3 वनडे; टीम पांच टी-20 भी खेलेगी

नई दिल्ली।
भारतीय क्रिकेट टीम के वेस्टइंडीज दौरे का शेड्यूल जारी हो चुका है। 12 जुलाई को 2 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। 27 जुलाई से 3 वनडे और 3 अगस्त से 5 टी-20 मैचों की सीरीज शुरू होगी। 13 अगस्त को 5वें टी-20 के साथ ही टीम इंडिया का वेस्टइंडीज दौरा खत्म होगा।

20 जुलाई से दूसरा टेस्ट खेलेंगे

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में मिली हार के बाद टीम इंडिया एक महीने तक क्रिकेट नहीं खेलेगी। जुलाई के पहले सप्ताह में टीम वेस्टइंडीज के लिए रवाना होगी। यहां 12 से 16 जुलाई तक डोमिनिका के विंडसर पार्क में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। 20 से 24 जुलाई तक दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल मैदान पर होगा।

टेस्ट सीरीज के 2 दिन बाद वनडे सीरीज शुरू होगी

टेस्ट सीरीज के 2 दिन बाद ही 3 मैचों की वनडे सीरीज भी शुरू हो जाएगी। 27 और 29 जुलाई को 2 वनडे बारबडोस के केंसिंग्टन ओवल मैदान पर होंगे। फिर एक अगस्त को त्रिनिदाद एंड टोबैगो में तीसरा और आखिरी वनडे होगा। वनडे सीरीज के सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होंगे।

3 अगस्त से टी-20 सीरीज खेलेंगे

3 अगस्त से त्रिनिदाद में ही 5 मैचों की टी-20 सीरीज भी शुरू हो जाएगी। गुयाना में 6 और 8 अगस्त को दूसरा और तीसरा टी-20 मैच होगा। फिर अमेरिका के लॉडरहिल में 12 और 13 अगस्त को चौथा और पांचवां टी-20 मैच खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के सभी मुकाबले शाम 8 बजे से शुरू होंगे। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने रात करीब 8 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल और ऑफिशियल वेबसाइट पर दौरे की इन्फॉर्मेशन शेयर की।

बृजभूषण और रेसलर्स विवाद: 4 महिला पहलवानों ने ऑडियो-वीडियो सबूत दिए, 15 जून को पुलिस को पेश करनी है चार्जशीट

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली 6 महिला पहलवानों में से 4 ने दिल्ली पुलिस को ऑडियो और विजुअल सबूत मुहैया कराए हैं। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने दावा किया कि दोनों शिकायतकर्ता ने पर्याप्त सबूत नहीं दिए, जो बृजभूषण के खिलाफ उनके आरोपों को साबित कर सकें। हालांकि दिल्ली पुलिस ने इस बयान की पुष्टि नहीं की है। पुलिस को 2 महिला रेसलर, एक इंटरनेशनल रेफरी और स्टेट लेवल कोच ने पहलवानों के समर्थन में गवाही दी है। उसको आधार बनाकर पुलिस 15 जून को चार्जशीट पेश करेगी। इस मामले में केस की धाराओं के लिए एडवाइजरी ली जा रही है। 15 को बालिग पहलवानों के केस में दिल्ली पुलिस चार्जशीट पेश करेगी। सूत्रों के मुताबिक नाबालिग पहलवान के केस में पुलिस क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर सकती है। नाबालिग पहलवान यौन शोषण के आरोप वापस ले चुकी है।

कल हरियाणा बंद, दिल्ली में फल-सब्जी सप्लाई नहीं होगी

कल खाप पंचायतों का हरियाणा बंद होगा। इस दौरान राज्य में रोड और ट्रेनें बंद रहेंगी। इसके अलावा दिल्ली में फल-सब्जी की सप्लाई भी नहीं होगी। कुछ दिन पहले जनता संसद में खाप पंचायतों ने ये ऐलान किया था। वे बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे

हैं। इसके अलावा समेत कुल 25 मांगें सरकार के आगे रखी गई हैं।

चुनाव 4 जुलाई को, हरियाणा अध्यक्ष हो सकते हैं उम्मीदवार

भारतीय कुश्ती संघ के चुनाव 4 जुलाई को होंगे। फेडरेशन ने सोमवार को इसका ऐलान किया। चुनाव के लिए जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस महेश मित्तल कुमार को रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। पहलवानों से मीटिंग में खेल मंत्री ने 30 जून तक चुनाव कराने का भरोसा दिया था। बृजभूषण शरण सिंह यह चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। वे लगातार तीन बार अध्यक्ष रहे, इसलिए फेडरेशन के नियमों के अनुसार वे किसी भी पद के लिए चुनाव नहीं लड़ सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक हरियाणा में प्रदेश अध्यक्ष ओपी धनखड़ अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हो सकते हैं।

इंडोनेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु: प्रणय भी अगले दौर में; त्रीशा-गायत्री की जोड़ी बाहर

नई दिल्ली।
भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने मंगलवार को जकार्ता में खेली जा रही इंडोनेशिया ओपन वर्ल्ड टूर सुपर 1000 के पहले राउंड में इंडोनेशिया ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेंस सिंगल में एचएस प्रणय भी अपना मुकाबला जीत कर अगले दौर में पहुंच गए हैं। वहीं त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा।

सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत

पिछले दो टूर्नामेंट के पहले दौर से बाहर होने वाली सिंधु ने इंडोनेशिया की खिलाड़ी को 38 मिनट तक चले मुकाबले में सीधे सेटों में 21-19 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। सिंधु के खिलाफ ग्रिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लंबाई का

फायदा उठाते हुछ अच्छे अंक जुटाए और ग्रिगोरिया की लगातार तीन गलतियों से ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली और फिर गेम जीतने में सफल रही।

सिंधु अगले दौर में ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी

दूसरे गेम में सिंधु बेहतर लय में नजर आईं। सिंधु की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु अगले दौर में तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। ताइवान की खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय भी जापान के केंटा निशिमोटो को 50 मिनट में सीधे गेम में 21-16 21-14 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब जीतने वाले सातवें वरीय प्रणय अगले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस से भिड़ेंगे। त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी को पहले दौर में रिंग इवानागा और केई नाकानिशी की जापान की जोड़ी के खिलाफ हार मिली, जिससे उनकी जोड़ी बाहर हो गई। भारत की राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी को एक घंटा और 12 मिनट चले कड़े मुकाबले में 22-20 12-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए 86वां गोल करने के बाद सुनील छेत्री ने पत्नी के प्रेग्नेंट होने की घोषणा की

भुवनेश्वर।
करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने प्रशंसकों को सुखद आश्चर्य दिया जब उन्होंने अपना 86वां अंतरराष्ट्रीय गोल करने और भारतीय टीम को यहां कलिंगा स्टेडियम में वानुअतु पर 1-0 से जीत दिलाने तथा टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2023 के फाइनल में पहुंचाने के बाद अपनी पत्नी के गर्भवती होने की घोषणा की।

ब्लू टाइगर्स के लिए शायद यह रात काफी मुश्किल थी, लेकिन भारत आखिरकार तीन अंक जीतने में कामयाब रहा। वानुअतु के तीन के मुकाबले 23 शॉट्स के साथ, गेंद पर 61 प्रतिशत अधिकार रखते हुए, मैच में भारत का दबदबा था। मेजबानों को अंतिम क्षणों में घुसपैठ की कमी खली और वह लक्ष्य पर केवल दो शॉट दर्ज करने में सफल रहे। हालांकि, करिश्माई छेत्री ने जरूरत के समय मैदान पर कदम रखा और सुभाशीष बोस के क्रॉस पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना 86वां गोल दाग दिया।

उसने जो कुछ भी स्कोर किया है, शायद यह भारत के नंबर 11 के लिए विशेष महत्व रखता

है, जिसने अपने जश्न के साथ प्रशंसकों को एक बड़ा संदेश दिया।

भारत के लिए विजयी गोल करने के बाद छेत्री ने चुपचाप गेंद को उठाया और अपनी पत्नी सोनम को प्यार भरे इशारे में गेंद को अपनी शर्ट के नीचे दबा दिया। मैच के बाद छेत्री ने कहा, वह इस तरह से इसकी घोषणा करना चाहती थी। इसलिए, यह उसके और हमारे बच्चे के लिए है। मैंने आमतौर पर सोचा था कि इसकी घोषणा करने और सभी के साथ खुशी साझा करने और उनके आशीर्वाद साझा करने के अलग-अलग तरीके होंगे, लेकिन यह तरीका अलग था और मुझे यह करना था।

उन्होंने कहा, मैं बस उम्मीद करता हूं कि हमें सभी का आशीर्वाद मिले इंटरकांटिनेंटल कप के अपने पहले मैच में मंगोलिया को 2-0 से हरा दिया था, ने वानुअतु के खिलाफ जीत के साथ प्रतियोगिता के फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। 18 जून को फाइनल से पहले उनका लेबनान (15 जून) के खिलाफ एक और मैच बाकी है।

भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने मैच के बाद, आगे के महत्वपूर्ण मुकाबलों के लिए खिलाड़ियों को ताजा बनाये रखने के लिए उन्हें रोटेट करने के महत्व को रेखांकित किया।

स्टिमैक ने कहा, मेरे पास बहुत समय पहले मेरा सर्वश्रेष्ठ 11 था, लेकिन मैं उन 11 को हर मैच में नहीं खेला सकता। मुझे यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे पास अंतिम गेम के लिए पर्याप्त खिलाड़ी रहें। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हम सभी को खेल का समय दें और सभी खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण मैचों के लिए तरोताजा रखें।

वानुअतु के खिलाफ भारत के चूके हुए मौके ने स्टिमैक को और सुधार करने की इच्छा को बढ़ा दिया। उन्होंने कहा,हमने कुछ खिलाड़ियों को बदल दिया है क्योंकि मिडफील्ड में पहले 45 मिनट में हम अच्छे नहीं थे। हम सुस्त थे, हम धीमे थे, और हम आगे बढ़ने के बजाये पास ढूंढ रहे थे। ये ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें संबोधित करने और बदलने की जरूरत है।

भारत 15 जून को भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में इंटरकांटिनेंटल कप के अपने आखिरी मैच में लेबनान से खेलेगा।

क्या करें जब आए नाक से खून

नाक से खून आने की समस्या गर्मियों में ज्यादा बढ़ जाती है। नाक के बीच की हड्डी के आगे के भाग में खून की कई नसें आपस में मिलकर एक जाल-सा बनाती हैं, जिसे लिटिल्स एरिया- कहते हैं। अधिकतर मरीजों में नाक से खून इसी जगह से ज्यादा आता है। सांस लेने में गर्म हवा जब इस भाग से टकराती है, तो वहां पर सूखापन आ जाता है और पपड़ी पडने लगती है। जैसे ही जब कोई व्यक्ति इस पपड़ी को नाक में उंगली डालने की आदत के कारण निकालता है, तब खून निकलने लगता है।

कुछ प्रमुख कारण

- बहुत गर्म वातावरण में रहना।
- हाई ब्लडप्रेशर में भी नाक से खून आता है।
- नाक में चोट लगना।
- नाक में कोई बाहरी चीज चली जाए।
- नाक में किसी तरह का संक्रमण होना,
- बैक्टीरिया या वाइरस का प्रकोप।

प्राथमिक उपचार

- मरीज को बैठाकर उसकी नाक के अगले हिस्से को कुछ मिनट के लिए दबाकर रखना चाहिए। दबाब पड़ने से खून रुक जाता है।
- नाक पर बर्फ रखें।
- जब खून निकल रहा हो, उस वक्त मरीज को लिटाना नहीं चाहिए। इससे खून गले से होकर पेट में जाने लगता है और मरीज को उल्टियां व पेट में दर्द हो सकता है। ज्यादातर मरीजों में प्राथमिक उपचार के बाद रक्त आना बंद हो जाता है। यदि खून आना बंद न हो या बार- बार आए, तो किसी नाक, कान व गला विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि खून आने की वजह का पता लगाया जा सके। विशेषज्ञ डॉक्टर द्वारा खून रोकने के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं।

ध्यान दें

गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप से निकलकर सीधे एयर कंडीशन वाले कमरे में या फिर कूलर वाले कमरे में न जाएं। थोड़ी देर रुकने के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।

ब्रेन ट्यूमर अब नहीं रहा लाइलाज

मस्तिष्क ट्यूमर (ब्रेन ट्यूमर) मस्तिष्क में या मस्तिष्क के किसी भाग में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि से संबंधित रोग है। ये असामान्य कोशिकाएं मस्तिष्क में एक गांठ के रूप में बन जाती हैं। ब्रेन ट्यूमर एक जानलेवा रोग है, लेकिन आधुनिक मेडिकल साइंस में हुई प्रगति के कारण अब समय रहते इस रोग का इलाज संभव है.... ब्रेन ट्यूमर के कई प्रकार हैं। जो ब्रेन ट्यूमर मस्तिष्क में ही उत्पन्न होते हैं, उन्हें प्राइमरी ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। वहीं जो ट्यूमर शरीर के अन्य भागों से शुरू होकर मस्तिष्क तक भी फैल जाते हैं, उन्हें मेटास्टैटिक ब्रेन ट्यूमर कहते हैं। कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर रहित होते हैं, जिन्हें बिनाइन कहा जाता है और कुछ ब्रेन ट्यूमर कैंसर ग्रस्त होते हैं, जिन्हें मैलिग्नेंट (घातक) कहा जाता है। अलग-अलग प्रकार के ब्रेन ट्यूमर की वृद्धि की रफ्तार अलग-अलग होती है। प्राथमिक ब्रेन ट्यूमर अनेक तरह के होते हैं। जैसे...

ग्लीओमा

ये ट्यूमर मस्तिष्क या रीढ़ की हड्डी से शुरू होते हैं। एकास्टिक न्यूरोमा कैंसर रहित (बिनाइन) ट्यूमर हैं, जो शारीरिक संतुलन और सुनने की शक्ति को संचालित करने वाली तंत्रिका (नर्व)पर विकसित होते हैं।

पिट्यूटरी एडेनोमा

ये ज्यादातर बिनाइन ट्यूमर होते हैं और इनमें से ज्यादातर मस्तिष्क के आधार पर स्थित पिट्यूटरी ग्रंथि में विकसित होते हैं। ये पिट्यूटरी ग्रंथि के हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और इसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है।

मेडुलोब्लास्टोमा

ये बच्चों में होने वाले सबसे सामान्य किस्म के कैंसरजन्य मस्तिष्क ट्यूमर हैं। वयस्कों को ये ट्यूमर होते हैं।

जर्म सेल ट्यूमर

ऐसे ट्यूमर बचपन से ही विकसित होते हैं। ऐसे कैंसर मस्तिष्क के अलावा शरीर के अन्य भागों पर शुरू होते हैं, लेकिन बाद में मस्तिष्क को अपनी चपेट में ले लेते हैं। जोखिम वाले कारण उम्र- ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ती उम्र से संबंधित है। उम्रदराज लोगों में ब्रेन ट्यूमर अधिक होते हैं। हालांकि कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर किसी भी उम्र में हो सकते हैं।

विकिरण से संपर्क

कुछ प्रकार के विकिरण (रेडिएशन) के संपर्क में आने वाले लोगों में ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ जाता है।

पारिवारिक इतिहास

कुछ किस्म के ब्रेन ट्यूमर ऐसे लोगों में होते हैं, जिनके परिवार में ब्रेन ट्यूमर या जेनेटिक बीमारियों का इतिहास रहा हो।

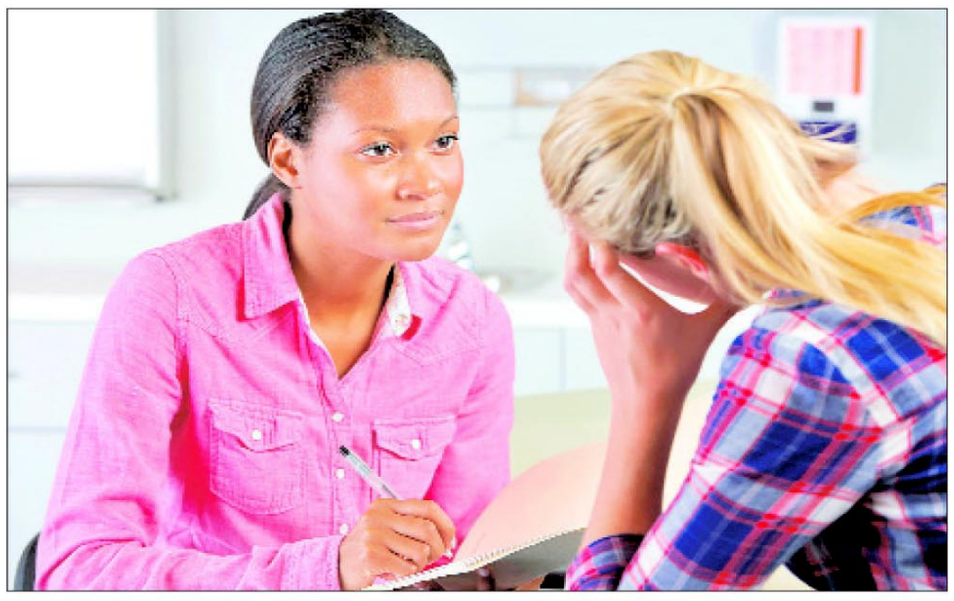

डायग्नोसिस

इसके अंतर्गत एमआरआई, कंप्यूटराइड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और पेट स्कैन शामिल हैं। शरीर के अन्य भागों में कैंसर का पता लगाने के लिए भी परीक्षण कराए जाते हैं। उदाहरण के तौर पर फेफड़े के कैंसर का पता लगाने के लिये सीने का सीटी स्कैन।
वहीं बायोप्सी परीक्षण भी कराया जाता है। सुई का इस्तेमाल करके भी बायोप्सी की जा सकती है। बायोप्सी से लिए गए नमूने का परीक्षण माइक्रोस्कोप के जरिए किया जाता है ताकि यह पता चल सके कि यह कैंसरजन्य है या कैंसररहित। यह जानकारी डायग्नोसिस और रोग के इलाज के लिये महत्वपूर्ण है।

इलाज

ब्रेन ट्यूमर का उपचार ट्यूमर के प्रकार, आकार और स्थान पर निर्भर करता है। जैसे... सर्जरी अगर ब्रेन ट्यूमर ऐसे स्थान पर है, जहां तक ऑपरेशन के लिए सुलभता से पहुंचा जा सकता है, तब न्यूरो सर्जन ब्रेन ट्यूमर के यथासंभव अधिक से अधिक हिस्से को हटाने की कोशिश करते हैं। ब्रेन ट्यूमर को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी के कुछ खतरे होते हैं।

विकिरण चिकित्सा

इस चिकित्सा में ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए एक्स- रे या प्रोट्रॉन जैसी उच्च ऊर्जा किरणों का इस्तेमाल किया जाता है। विकिरण चिकित्सा आपके शरीर से बाहर रखी एक मशीन (एक्सटर्नल बीम रेडिएशन) से दी जा सकती है। एक्सटर्नल बीम रेडिएशन आपके मस्तिष्क के सिर्फ उन क्षेत्रों पर फोकस करता है, जहां पर ट्यूमर स्थित है या इसे आपके पूरे मस्तिष्क पर फोकस किया जा सकता है।

रेडियो सर्जरी

इसके अंतर्गत स्टीरियोटैक्टिक रेडियो सर्जरी को अंजाम दिया जाता है। ब्रेन ट्यूमर के इलाज में विकिरण देने के लिए रेडियो सर्जरी में गामा नाइफ जैसी कई आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। रेडियो सर्जरी में आम तौर पर पीड़ित व्यक्ति उसी दिन घर जा सकता है।

कीमोथेरेपी

कीमोथेरेपी के तहत ट्यूमर कोशिकाओं को नष्ट करने के लिए दवाओं का उपयोग किया जाता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट यह ट्रीटमेंट कैंसर कोशिकाओं के अंदर मौजूद विशिष्ट असामान्यताओं पर केंद्रित होता है। टारगेटेड ड्रग ट्रीटमेंट इन असामान्यताओं को रोककर सिर्फ कैंसर ग्रस्त कोशिकाओं का ही इलाज करता है। कैंसरग्रस्त भाग के निकट के अन्य स्वस्थ भागों पर इसका प्रभाव नहीं

स्वस्थ रखता है केला

केला खाने में स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। इसमें विभिन्न प्रकार के विटामिन्स, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें थाइमिन, राइबोफ्लेविन, नियासिन और फॉलिक एसिड पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। एक शोध से पता चला है कि केला खाने से स्वास्थ्य सही रहता है। साथ यह सुंदरता भी बढ़ाता है। केला खाने से न केवल शारीरिक क्षमता बढ़ती है, बल्कि मासिक धर्म के समय होने वाली समस्याओं से भी राहत मिलती है। शुगर और फाइबर से भरपूर होने के साथ ही केला कई बीमारियों से बचाता है। इसके कुछ प्रमुख फायदे इस प्रकार हैं। केला ऊर्जा का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है। यह एक ऐसा फल है जिसको खाने पर तुरंत एनर्जी मिलती है। यह तनाव कम करने में भी मददगार है। इसमें ट्राइप्टोफान नामक एमिनो एसिड होता है जिससे मूड सही होता है। पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे अनेक तत्वों के कारण यह डिप्रेशन जैसी कई बीमारियों को दूर रखने में कारगर है। दिल के मरीजों के लिए भी केला बहुत फायदेमंद होता है। पोटेशियम से भरपूर इस फल में नमक की मात्रा कम होती है जिसके कारण यह उच्च रक्तचाप में फायदेमंद साबित होता है। यदि आपको लगता है कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है तो केले का सेवन करना शुरू कर दें। केला याददाश्त बढ़ाने में काफी सहायक होता है।

आज के समय प्रदुषण इतना बढ़ गया है कि लोगों को त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पढ़ता है। सब लोग चाहते हैं कि उनकी त्वचा देखने में अच्छी और अट्रैकटिव दिखाई दे। कई वजह से आपको चेहरे पर भारीपन लगता है। लोग चाहते हैं कि त्वचा पर कुछ ऐसा लगाएं जिससे उनकी स्कीन में फेशनेस लगे। सभी लड़कियां यही चाहती हैं कि उनके पास कुछ ऐसा हो जिससे उनको आराम मिले और उनका चेहरा चमक उठें। आज हम आपको यह बताएंगे कि कैसे आप अपनी स्कीन को फैश कर सकते हैं। ये सभी चीजें प्राकृतिक होंगी, जो आपको आपके घर में आसानी से मिल जाएंगी। इन चीजों का इस्तेमाल करके आप अपनी त्वचा को फ्रेश कर सकते हैं।

बनाएं अपनी त्वचा को फ्रेश

बर्फ का पानी: फ्रीजर में से चिल्ड वॉटर निकालकर उससे चेहरा धो लें। इससे आपको फ्रेशनेश आवश्य मिलेगी। यह सबसे सस्ता स्कीन टोनर है, जो आपकी त्वचा को मिनट भर में ही फ्रेश कर देता है।

दूध: फ्रिज में रखे हुए दूध को निकालकर उससे चेहरे को धो लें या कॉटन बॉल में लगाकर चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे के छिद्र खुलने के साथ साथ आपके चेहरे पर प्राकृतिक चमक आ जाएगी।

गुलाब जल: गुलाब जल बहुत सस्ता होता है और घरों में आसानी से मिल जाता है। इसमें एंटी-सेप्टिक गुण होते हैं जो चेहरे पर पिपंल नहीं होने देते । गुलाब जल से स्कीन को कोई नुकसान नहीं होता।

ग्रीन टी: ग्रीन टी के तत्व चेहरे के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ग्रीन टी को पानी के साथ मिलाकर चेहरा धोने से आपको अच्छा महसूस होगा। इससे चेहरे में चमक आ जाएगी।

एलोवेरा जूस: चेहरे के लिए एलोवेरा के पत्तों का गूदा बहुत फायदेमंद होता है। इसके पत्तों का रस भी चेहरे के लिए बहुत लाभदायक होता है। इसको चेहरे पर लगाने से चेहरा साफ तो होता ही है, दमकने भी लगता है। प्रतिदिन सोने से पहले इसको चेहरे पर लगाने से आपका चेहरा शाइन करने लगेगा।

अब मिलेगा गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा

गायनीकोमैस्टिया से ग्रस्त पुरुष अपने शरीर के प्रति बहुत चिंतित हो जाते हैं। विशेषकर तैरते समय, जिम में या चुस्त टीशर्ट पहनते वक्त। इससे उनका आत्मविश्वास घट जाता है। इस प्रकार उनके मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इलाज

गायनीकोमैस्टिया से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए लाइपोसक्शन और कुछ विधियों के द्वारा अतिरिक्त चर्बी (फैट)और ग्रंथिमय टिश्यूज को हटा दिया जाता है। कुछ मामलों में ऊपरी त्वचा को भी टाइट किया जाता है। यह सर्जरी लोकल या जनरल एनेस्थीसिया देकर की जा सकती है। निपल के एरिया के निचले हिस्से में एक छोटा छेद किया जाता है जिसके जरिए लाइपोसक्शन कैन्युला को भीतर डाला जाता है। कितनी चर्बी निकालनी है, इस आधार पर सर्जरी में एक से दो घंटे लग सकते हैं। जनरल एनेस्थेसिया देकर सर्जरी करने पर रोगी को एक रात के लिए अस्पताल में रुकना पड़ता है।

नवीनतम इलाज

मिनिमली इनवेसिव सर्जरी एक आधुनिक और बेहद कम चीरफाड़ वाली सर्जरी है। इसमें एक छोटे से छिद्र के जरिए चर्बी (फैट) और ग्रंथिमय टिश्यूज को बाहर निकाला जाता है। इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इसमें निशान कम पड़ते हैं और कोई रिक्त स्थान शेष नहीं रहता। इस सर्जरी के बाद तेजी से रोगी स्वास्थ्य लाभ करता है और कम से कम निशान दिखाई पड़ते हैं। रोगी को सर्जरी वाले स्थान पर कुछ पीड़ा, खरोंच व सूजन जैसा अनुभव होगा, किंतु यह सब कुछ ही दिनों में ठीक हो जाता है। रोगी को कुछ दिनों के लिए काम से छुत्री लेनी पड़ सकती है और कुछ समय के लिए ऐसी गतिविधियों से परहेज करना पड़ता है, जिनसे शरीर पर दबाव पड़ता हो। सर्जरी किए गए स्थान पर संक्रमण या निशान रह जाने का जोखिम बहुत कम होता है। इस समस्या से परेशान पुरुषों को इस सर्जरी के बाद बहुत संतुष्टि और खुशी प्राप्त होती है और वे अपने शरीर के संदर्भ में पहले से कहीं ज्यादा सहज व स्वाभाविक महसूस करते हैं।

समोसे को बोलें बाय सलाद को कहें हाय

जब भी हम तनाव में होते हैं या कुछ खाए काफी देर हो जाती है तो तेज भूख लगती है। पहली इच्छा कुछ सेहतमंद चीज खाने की जगह एक्स्ट्रा चीज वाले पिज्जा, समोसा या फिर क्रीमयुक्त पेस्ट्री खाने की होती है। बहुत कम ही लोग होते है, जिसने तनाव की स्थिति में खाने की इच्छा होने पर उसने सलाद या फल खाना चाहा हो।

ऑफिस में लेट हो जाएं

ऐसी स्थिति में लो फेट दूध से बनी कोल्ड कॉफी और गेहूं से बना सैंडविच खाएं। इसमें सोया और चीज फिलिंग कर सकते हैं। तनाव की स्थिति में सेरोटोनिन रसायन कम हो जाता है। दूध में प्रोटीन होता है। सैंडविच से आपको प्रोटीन और कॉम्प्लैक्स काबरेहाइड्रेट दोनों मिल जाते हैं, जिससे आप एलर्ट रहते हैं। पर, ध्यान रहे, अधिक कॉफी तनाव बढ़ा भी सकती है।

नींद नहीं आती हो

दलिया और केला खाएं। तनाव नींद बढ़ाने वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन से कम हो जाता है। मेलाटोनिन जई, मक्का, ब्राउन राइस, अदरक, पका टमाटर, सोया और खजूर आदि में होता है। दलिया, दूध के साथ खाएं। इससे कॉम्प्लैक्स कार्बोहाइड्रेट और फाइबर दोनों मिलते हैं। यह मस्तिष्क पर असर करता है, आप अच्छी नींद ले पाते हैं। केले में मेलाटोनिन और मैग्नीशियम दोनों होते हैं। मैग्नीशियम प्राकृतिक तरीके से मांसपेशियों को राहत पहुंचाता है। रात को सहज नींद आ जाती है।

इंटरव्यू के दौरान

ग्रीन सलाद खाएं। शाकाहारी हैं तो इसमें सोयाबीन, अलसी के बीज और अखरोट की गिरी मिला सकते हैं। मांसाहारी ग्रिल्ड चिकन या सैलमन मछली ले सकते हैं। ग्रीन सलाद विटामिन बी-12 का अच्छा स्रोत है। इससे मूड अच्छा करने वाले सेरोटोनिन और डोपामाइन रसायन मिलते हैं, जिसकी कमी से थकावट और झुंझलाहट होती है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**